ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आरएसएस पर अंकुश लगाने संबंधी मंत्री प्रियांक खड़गे के पत्र से बड़ा विवाद @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-282

वामपंथियों के गढ़ में फल-फूल और पसर रहा ड्रग्स का धंधा

नशे की अंधेरी सुरंग में फंस चुका 'सुशिक्षित' केरल

उड़ता पंजाब नहीं डूबता केरल कहिए...

वामपंथियों के गढ़ केरल में ड्रग्स का धंधा फल-फूल और पसर रहा है। सबसे सुशिक्षित कहा जाने वाला केरल आज नशे की अंधेरी सुरंग में बुरी तरह फंस चुका है। ड्रग्स के लिए पंजाब बदनाम है, जबकि केरल उससे कहीं अधिक ड्रग्स के दलदल में धंसा है। केरल में हर एक लाख लोगों पर मादक पदार्थों से जुड़े 78 केस सामने आते हैं। यह दर पूरे देश में सबसे अधिक है। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही केरल में ड्रग्स से जुड़ी 30 हत्याएं हुईं।

जब भी केरल का नाम सुनाई देता है तो दिमाग में सबसे पहले शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र आते हैं क्योंकि वामपंथी

शुभ-लाभ सरोकार

ढिंढोरचियों ने इन दोनों को हमेशा आदर्श की तरह पेश किया है। लेकिन क्या असलियत में केरल आदर्श राज्य है? इसका सीधा और सटीक जवाब है नहीं। असलियत यह है कि पूरा केरल ड्रग्स के भयावह संकट से जूझ रहा है। शहरों से लेकर गांवों तक राज्य का कोई कोना इस समस्या से अछूता नहीं है। ड्रग्स के कारण सैकड़ों जिंदगियां तबाह हो चुकी हैं और अनगिनत परिवार टूट गए हैं। यह सिलसिला जारी है।

अब तक पंजाब को भारत का ड्रग्स का गढ़ माना जाता था लेकिन ताजा रिपोर्ट केरल की भयावह तस्वीर पेश करती है। सिर्फ साल 2024 में ही राज्य में 27,700 मादक पदार्थों से जुड़े मामले दर्ज किए गए, जो पंजाब

से तीन गुना ज्यादा हैं। पंजाब में इसी अवधि में सिर्फ 9,000 के करीब केस दर्ज हुए। आबादी के लिहाज से देखें तो केरल में हर एक लाख लोगों पर मादक पदार्थों से जुड़े 78 केस सामने आए हैं और यह दर पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य के सभी 14 जिले इस संकट से प्रभावित हैं। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही केरल में 30 हत्याएं हुईं, जिनमें से अधिकतर ड्रग्स से जुड़ी हैं। राज्यसभा में 12 मार्च 2025 को पेश किए गए आंकड़े

पंजाब से कहीं अधिक बदतर है केरल का ड्रग-रिकॉर्ड

बताते हैं कि पिछले तीन साल से नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेज़ एक्ट (एनडीपीएस) एक्ट के तहत सबसे अधिक मामले केरल में ही दर्ज हो रहे हैं। साल 2022 में 26,918 केस, 2023 में 30,715 केस और 2024 में 27,701 केस दर्ज हुए। इसकी तुलना में पंजाब में यही आंकड़े 12,423, 11,564 और 9,025 रहे। महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में भी मामले इतने नहीं हैं। यह साफ इशारा करता है कि नशे से जुड़े अपराधों के मामले में केरल अब पंजाब से कहीं आगे निकल चुका है। खूबसूरत राज्य केरल आज ड्रग्स के जाल में जकड़ चुका है। पुलिस और अन्य एजेंसियां भले इस समस्या पर काबू पाने की कोशिश में जुटी हैं लेकिन आगे का रास्ता अंधकारमय और बेहद चुनौतीपूर्ण दिख रहा है। सन 1971 में अमेरिका के हाई स्कूल में पढ़ने वाले 5 दोस्तों ने 4 बजकर 20 मिनट का समय अपने गांजा सेशन के कोड के तौर पर तय किया था। आधी सदी से भी ज्यादा वक्त गुजरने के बाद यही 420 कल्चर अब दुनिया भर के युवाओं में फैल चुका है और केरल की नई पीढ़ी भी इससे अछूती नहीं रही। ▶10 पर

738 दिन बाद हमास के चंगुल से छूटे इजराइली बंधक

इजराइल और विश्व के लिए अद्भुत सफलता : ट्रंप

यरूशलम, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।
आज पूरा इजराइल जश्न मना रहा है, दिवाली जैसा त्यौहार मना रहा है। 738 दिनों के बाद हमास के त्रासद चंगुल से 20 इजराइली बंधक रिहा हो चुके हैं। इन बंधकों को दो बैच में रिहा किया गया। पहले बैच में 7 बंधक थे और दूसरे बैच में 13 बंधक। पहले बैच के बंधकों की रिहाई के बाद इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कुछ देर बाद रिहा बंधकों की तस्वीर शेयर की। तस्वीरों में रिहाई के बाद उन्हें सैनिकों से मिलते हुए देखा जा सकता है। वो गले से लिपटते दिख रहे हैं, उनकी आंखों में अपनों के पास लौटने का सुकून दिख रहा है। अपने प्रियजनों से मिलने से पहले इनकी चिकित्सा जांच हुई है। हमास को 26 मृत बंधकों के शवों को भी सौंपना है। यह काम कबतक होगा, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

मिस्र शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे नेतन्याहू

सात अक्टूबर 2023 को हमास के आतंकवादियों ने लगभग 1,200 इजराइलियों को मार दिया था और 251 को बंधक बना लिया था। आज 20 जीवित बंधकों को रिहा किया गया। ▶10 पर

पी. चिदंबरम के बाद मणिशंकर अय्यर का कांग्रेस पर वार

देश तोड़ना चाहती है डीएमके कांग्रेस उसके साथ खड़ी

कसौली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।
कांग्रेस पार्टी की गलत नीतियों, फैसलों और अपरिपक्व नेतृत्व पर कांग्रेस पार्टी के ही वरिष्ठ नेताओं का प्रहार जारी है। वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बीते दिन कहा कि अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर 1984 में किया गया ऑपरेश ब्लू-स्टार कांग्रेस पार्टी सरकार का गलत फैसला था और इस गलती का खामियाजा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। चिदंबरम के बयान के अगले ही दिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने कांग्रेस की नीतियों पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी तमिलनाडु में डीएमके के साथ खड़ी है, जबकि डीएमके देश को तोड़ने के कुचक्र में लगी है। अय्यर ने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर भी सीधे उंगली उठाई। अय्यर ने डीएमके को पुराना सनातन विरोधी भी

डीएमके का सनातन विरोधी रुख नया नहीं है

बताया। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि डीएमके की अगुवाई में द्रविड़ ताकतें अलग देश की मांग कर रही है। कांग्रेस पार्टी डीएमके का साथ दे रही है। अय्यर के इस बयान से कांग्रेस की देश को बांटने वाली सोच एक बार फिर उजागर हुई है। कसौली में खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव 2025 के तहत भारत के भविष्य के लिए राजीव गांधी की विरासत के पुनर्मूल्यांकन विषय पर बोलते हुए मणिशंकर अय्यर ने कहा, कोई भी तमिलनाडु को ठीक से नहीं समझता। असल में यह भारत के किसी भी अन्य राज्य जैसा राज्य नहीं है, यही वजह है कि पी चिदंबरम या मैं द्रविड़ ताकतों की मदद के बिना चुनाव नहीं जीत सकते हैं। ये द्रविड़ ताकतें एक सदी से एक अलग भारत चाहती रही हैं। डीएमके इसे लगातार तीव्र करने की कोशिश करती रही है। उल्लेखनीय है कि द्रविड़ ताकतों का जिक्र अक्सर दक्षिण भारत की राजनीति में होता है। खासतौर पर यह तमिलनाडु की मुख्य राजनीतिक विचारधारा है, जो द्रविड़ लोगों के अधिकारों की रक्षा करना चाहती है। ▶10 पर

अफगानिस्तान के स्टैंड से बौखलाया पाकिस्तान

जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा : मुत्तकी

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और अफगानिस्तान के रिश्तों में बड़ा बदलाव देखने को मिला जब तालिबान सरकार ने खुले तौर पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया और जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा माना। नई दिल्ली में अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की बात कही।

इस बयान में पहलगाम आतंकी हमले को भारत के जम्मू और कश्मीर में हुआ बताया गया था, जिसे पाकिस्तान ने तुरंत विरोध का मुद्दा बना लिया। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के राजदूत को तलब करके औपचारिक विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान ने कहा कि यह बयान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के खिलाफ है और कश्मीर की कानूनी स्थिति को नजरअंदाज करता है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने तालिबान पर आरोप लगाया कि वह कश्मीरी लोगों से मुंह मोड़ रहे हैं और मुस्लिम उम्माह के साथ अन्याय कर रहे हैं। जरदारी ने कहा, पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर पर किसी भी विवादित या भ्रामक रुख को कभी स्वीकार नहीं करेगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मौजूदा अंतरिम अफगान प्रशासन ने भारत के अवैध ▶10 पर

अभिनेता विजय की करूर रैली में भगदड़ का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता-राज-नेता विजय थलापति की करूर रैली में हुई जानलेवा भगदड़ की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। विजय की पार्टी तमिलागा वेट्टरी कड़गम (टीवीके) ने सुप्रीम कोर्ट में स्वतंत्र जांच के लिए याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर अपना फैसला सुनाया और मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए। टीवीके ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि भगदड़ की जांच एक पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश की निगरानी में हो, क्योंकि पार्टी का कहना है कि सिर्फ तमिलनाडु पुलिस की तरफ से बनाई गई विशेष जांच दल (एसआईटी) से जनता का भरोसा नहीं बनेगा। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि भगदड़ पूर्व नियोजित साजिश का हिस्सा हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच पूर्व जज अजय रस्तोगी की निगरानी में होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी को करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच की निगरानी करने वाली समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। ▶10 पर

बिहार चुनाव से पहले लालू परिवार को बड़ा झटका

आईआरसीटीसी भ्रष्टाचार केस में आरोप तय

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।
राउज एवेन्यू कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) घोटाले से संबंधित एक मामले में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय किए हैं।

विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने इस मामले में सोमवार को यह आदेश पारित किया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि लालू यादव, जो 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे, ने अपनी स्थिति का दुरुपयोग करते हुए निजी कंपनी सुजाता होटल्स को रांची और पुरी में दो आईआरसीटीसी होटलों के पट्टे के लिए अनुचित तरीके से ठेके दिए। इतना ही नहीं, इसके बदले में उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव से जुड़ी एक कंपनी को बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर करोड़ों की जमीन हस्तांतरित की गई। कोर्ट ने लालू यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय किए, ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की राहुल गांधी की याचिका

वोट चोरी की शिकायत है तो आयोग जाओ

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)
सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आर-ोपों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। यह याचिका अधिवक्ता रोहित पांडेय ने दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में बेंगलुरु सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच की मांग की थी। राहुल गांधी ने इन आरोपों को जोर-शोर से उठाया था, खासकर बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में गड़बड़ी का दावा करते हुए। हालांकि बाद में चुनाव आयोग ने सभी दावों को खारिज कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की दो सदस्यीय पीठ ने याचिका पर सुनवाई से इन्कार करते हुए याचिकाकर्ता को भारत निर्वाचन आयोग के पास जाने की सलाह दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ऐसे मामलों में जांच का अधिकार केवल चुनाव आयोग के पास है। ▶10 पर

सीटों के बंटवारे में भी पिछड़ गया विपक्षी गठबंधन

पीएम के हस्तक्षेप से एनडीए का बंटवारा फाइनल

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।
काफी मशक्कत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बाद बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीटों का बंटवारा हो पाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमत हुए। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान द्वारा पुष्टि किए गए इस समझौते के तहत चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें दी गई हैं, जबकि जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

1996 में गठबंधन के बाद यह पहली बार है जब भाजपा और जदयू विधानसभा चुनाव में बराबर सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। 2020 में जदयू ने 122 सीटों पर और भाजपा ने 121 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जदयू ने अपने हिस्से में से हम को सात सीटें दी थीं और भाजपा ने मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को अपने हिस्से में से 11 सीटें दी थीं। इस बार एलजेपी (रामविलास) और हम

चिराग पासवान का कद बढ़ा रहा भाजपा नेतृत्व

ने अधिक हिस्सेदारी के लिए पूरा दबाव बनाया था। चिराग पासवान की पार्टी ने शुरुआत में 40 और फिर 35 सीटों के लिए जोर लगाया, वहीं मांझी ने 15 सीटों की मांग की। एनडीए ने शुरू में एलजेपी (रामविलास) को 20-25 सीटों तक सीमित रखने की मांग की थी, लेकिन बाद में बढ़ानी पड़ी। अंतिम निर्णय दिल्ली में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद लिया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली और बिहार के वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए।

चिराग की पार्टी की मांग बातचीत में एक बड़ा अड़चन थी। 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी के मजबूत प्रदर्शन ने जहां उसने अपनी लड़ी हुई सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की और कुल वोट शेयर का 6 प्रतिशत से ज़्यादा हासिल किया, उसने सौदेबाजी की ताकत दी। हालांकि भाजपा का कहना है कि पार्टी ने ये सीटें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के कारण जीतीं, न कि अपनी राजनीतिक ताकत के कारण। अपने विभाजन से एक साल पहले 2020 में लोजपा ने बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 135 पर चुनाव लड़ा था, जिसकी एनडीए को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी।

▶10 पर

श्री सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ के नव-निर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह वर्ष 2025-2027 के लिए उत्साहपूर्ण वातावरण में बेंगलूरु स्थित पार्कवेस्ट क्लब हाउस में संपन्न हुआ।

दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि श्री सिवांची ओसवाल जैन संघ के अध्यक्ष राजेंद्र जैन छाजेड़ तथा विशेष अतिथि संघ के कोषाध्यक्ष प्रकाशकरण मेहता, सहमंत्री नरेंद्रकुमार पालरेचा, विमला रांका और संघ के सचिव अशोक सालेचा की उपस्थिति रही। सिमरन जैन ने नवगठित समिति सदस्यों का परिचय कराते हुए कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। शपथ ग्रहण में अध्यक्ष सारिका लुंकड, उपाध्यक्ष मीना रांका एवं मोनिका पालरेचा, सचिव शीतल चोपड़ा, कोषाध्यक्ष अनिता लुंकड, सह सचिव स्नेहा चोरड़िया, सह कोषाध्यक्ष निकिशा चोरड़िया सहित कार्यकारिणी समिति की सदस्याएँ चंदा पोमानी, डिम्पल बागरेचा, गुलाब मेहता, लता मेहता, सरोज ओस्तवाल और सोनल दोषी तथा विस्तारित समिति की सदस्याएँ कविता बाफना, ममता बागरेचा, पूजा संकलेचा, प्रीति बाफना, प्रीति मेहता, शिल्पा ललवानी, शिल्पा लुंकड और शिल्पी भंडारी ने वरिष्ठ संघ सदस्यों के मार्गदर्शन में शपथ ग्रहण की। अध्यक्ष सारिका लुंकड ने अतिथियों, प्रायोजक परिवारों और महिला सदस्यों का स्वागत करते हुए संघ के विजन जड़ों से पंखों तक का सफर

को साझा किया। अब तक के प्रायोजक परिवारों प्रवीण कुमार लुंकड, अशोक कुमार, महेन्द्रकुमार रांका, प्रकाशचंद जिनाणी बागरेचा, तेजराज मालानी, राजेन्द्र जैन छाजेड़ एवं अशोक सालेचा को सम्मानित कर आभार व्यक्त किया गया। पूर्व अध्यक्ष सीमा मेहता एवं पूर्व सचिव प्रीति चोरड़िया सहित सभी पूर्व समिति सदस्यों को ट्रॉफी द्वारा सम्मानित किया गया। सचिव शीतल चोपड़ा ने बताया कि आगामी कार्यक्रमों के माध्यम से समिति समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देगी।

कार्यक्रम में संघ के सहमंत्री सुरेशकुमार कानूँगा, युवा संघ के अध्यक्ष शैलेश भंसाली, सचिव संदीप बागरेचा, रेखा छाजेड़, नीलम ललवानी सहित 250 से अधिक महिला सदस्यों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सभी ने नई समिति को शुभकामनाएँ दीं और संघ की प्रगति की सराहना की। समापन में डिम्पल बागरेचा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

समभावयुक्त जीवन ही मोक्ष का द्वार खोलता है: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर, में चल रही उत्तराध्ययन सूत्र आराधना के अंतर्गत बीसवें और इक्कीसवें अध्ययन का गहन व प्रेरक विवेचन साध्वी निर्मलाजी के सान्निध्य में साध्वी उपासनाजी ने प्रस्तुत किया।

साध्वी उपासना ने कहा कि 'ग्रंथ' का अर्थ है गाँठ, और 'निर्ग्रंथ' अर्थात गाँठ रहित ˉ अर्थात जो व्यक्ति राग-द्वेष की गाँठों से मुक्त है, वही सच्चे अर्थों में निर्ग्रंथीय है। राग और द्वेष ही कर्मबंध के कारण हैं, अतः इनसे मुक्त होकर ही आत्मा शुद्ध बनती है। उन्होंने आगे कहा कि जीवन के अंतिम क्षणों में न तो धन-संपत्ति साथ रहती है, न कोई संबंधी केवल धर्म ही एकमात्र शरण है, जो आत्मा को परमात्मा बनने की दिशा में अग्रसर करता है। जो आत्मा, इंद्रिय और मन पर संयम रखता है, वही सच्चा नाथ है और जो इन पर नियंत्रण नहीं रख पाता, वह अनाथ कहलाता है। साध्वी ने मगध नरेश श्रेणिक और अनाथी मुनि के संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चा नाथ धन या सत्ता से नहीं, आत्मबल से बनता है। महानिर्ग्रंथ मुनि वह होता है जो विकारों के आक्रमण से सुरक्षित रहता है जो स्वयं सुरक्षित है, वही दूसरों को भी सुरक्षा दे सकता है। महानिर्ग्रंथ स्वयं सनाथ होता है और दूसरों का सहारा बनने की शक्ति रखता है। यह अध्ययन आत्म-जागरण और आत्मबल की प्रेरणा देता है। साध्वी उपासना ने बताया कि समुद्रपाल श्रेष्ठी ने जब एक अपराधी को मृत्युदंड की ओर जाते देखा, तब उन्हें कर्मफल का गहन बोध हुआ। वैराग्य उत्पन्न कर उन्होंने प्रव्रज्या ग्रहण की और पाँच महाव्रतों ˉ अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का अंगीकार किया। साध्वी ने कहा कि जो मुनि प्रिय-अप्रिय, मान-अपमान, स्तुति-निंदा सबमें समभाव रखता है, वही सच्चे अर्थों में निर्वाण मार्ग का पथिक है। साध्वी उपमाजी ने भावपूर्ण स्तवन प्रस्तुत किया तथा अंत में साध्वी निर्मलाजी ने मंगलपाठ दिया।

बसवनगुडी दादावाड़ी में मुमुक्षु का अभिनन्दन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी द्वारा पूज्य गुरुवर्या हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में मुमुक्षु रेवा कुमारी का बहुमान अभिनन्दन किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका एवं दादावाड़ी ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारियों द्वारा मुमुक्षु बहन का शाल, माला, तिलक और स्मृति चिन्ह द्वारा अभिनन्दन किया गया।

महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। गुरुवर्या श्री जी ने मुमुक्षु के उज्जवल संयम जीवन की बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रदान की। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि मुमुक्षु की दीक्षा शत्रुंजय महातीर्थ में तेईस नवंबर को आचार्य भगवन्त श्री रविशेखर विजय जी की निश्रा में होगी। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि सिर्फ चौदह वर्षीय गढ़ सिवाना सूरत निवासी रेवा कुमारी छाजेड़ कुशल कुमार ज्योति देवी छाजेड़ की पुत्री हैं और बचपन से ही इनमें संयम ग्रहण करने के भाव हैं। इस अवसर पर उम्मेदमल बाफना, रमेश गुलेच्छा, जवेरीलाल गुलेच्छा के साथ ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

चादर महोत्सव में पधारने हेतु गुरुवर्याओं को विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के 871 वर्ष पुराने अग्निसंस्कार में नहीं जलने वाले चादर, चोलपट्टा और मुंहपत्ती का चादर महोत्सव 6 से 8 मार्च 2026 को स्वर्ण नगरी जैसलमेर में आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के इस वृहत् आयोजन में पदार्पण की विनती लेकर चादर महोत्सव आयोजन समिति के सदस्य जोधपुर में पूज्य मरुधर ज्योति श्री मणिप्रभा श्री जी की शिष्याएं श्री वैराग्यनिधि जी और प्रसिद्ध व्याख्यात्री श्री हेमप्रभा श्री जी की शिष्या कल्पा जी की निश्रा में पहुंचे। पूज्य कल्पा जी ने कहा कि चादर महोत्सव प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के प्रति श्रद्धा रखने वाले सभी जैन व अजैन श्रद्धालुओं का संयुक्त आयोजन है। यह दादा गुरुदेव का ही प्रभाव है कि आज उनके देवलोक के 871 वर्ष पश्चात भी गुरुदेव जनमानस में समाहित है। पूज्य साध्वी वेराग्यनिधि श्री जी ने कहा कि चादर महोत्सव को हम सभी गुरु भक्तों को उत्सव के रूप में मनाना है। चादर महोत्सव आयोजन समिति के संयोजक तेजराज गुलेच्छा ने अपने संदेश में कहा कि महोत्सव का उद्देश्य विश्व शांति के लिए प्रयास करना है। आयोजन समिति के सहमंत्री सुरेश लुनिया ने बताया कि इसमें देशभर में फैले करीब 30 हजार से अधिक भक्त खरतर गच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी की निश्रा में आगामी 6 से 8 मार्च को जैसलमेर में महोत्सव में भाग लेने की सम्भावना है। चादर समिति के वित्त संयोजक कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि चादर महोत्सव के लिए पूरे देशभर में उत्साह का माहौल है और इसमें आने वाले श्रद्धालुओं को जैसलमेर में स्थित प्राचीन जैन ज्ञान भंडार, लोद्रवा पार्श्वनाथ तीर्थ, अमर सागर तीर्थ, ब्रह्मासर तीर्थ के दर्शन वंदन का लाभ भी मिल सकेगा। समिति के ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर जोधपुर श्री संघ के सैंकड़ों सदस्यों की उपस्थिति में राष्ट्रीय स्तर की इस बैठक में चादर महोत्सव के संयोजक महैन्द्र भन्साली, जिनदत्त कुशल सूरी खरतरगच्छ पेढ़ी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पदम टाटिया, सहमंत्री चेन्नई से सुरेश लुनिया, समिति के वित्त संयोजक बेंगलूरु से संघवी कुशलराज गुलेच्छा, सलाहकार भूरचंद जीरावला, गुलाबचंद जीरावला के साथ जोधपुर संघ के पदाधिकारी एवं अनेक सदस्य उपस्थित थे।

ज्ञानी मानव हर जगह होता है पूजनीय : संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव के प्रसंग पर उनकी मंगलमय वाणी का स्वादन चल रहा है। प्रभु का भव्य जीवो पर अनंत उपकार हैं। प्रभु महावीर धर्म पिता हैं। जिन्होंने मोक्ष में जाने से पूर्व ज्ञान का खजाना प्रदान किया। प्रभु का ध्यान लगाने से मन की कली खिल जाती है। प्रभु के ज्ञान से मानव भव के साथ कई भवों को सुधारा जा सकता है। उनके गुण याद करने मात्र से दुख दर्द मिट जाते हैं। ऐसे प्रभु जिनके नाम में ही बरकत है, उनके ज्ञान से जीवन सुधार जाएगा। ग्यारहवां अध्ययन बहुसूत पूजा होता है। संसार में पूजा और आदर ज्ञान और गुणी का होता है। जो ज्ञानी है वह देश विदेश में कहीं भी जाएगा अपने ज्ञान से दुनिया को झुका लेगा। राजा अपने देश में आदर पाता है। लेकिन ज्ञानी और विद्वान पुरुष हर जगह पूजा जाता है। ये ज्ञान का धन सबको नहीं मिलता है। उपदेश उसको दिया जाता है जो उसे ग्रहण करे। मूर्ख को देने से कोई फायदा नहीं है। ज्ञानी मनुष्य हर वक्त कुछ नया सीखने की कोशिश में लगा रहता है। लेकिन मूर्ख मनुष्य जो है उसको भी गवां देता है। अगर संसार में पूजनीय बनना है तो ज्ञानी होना जरूरी है। अगर पात्रता है तो लोग उपदेश सुनेंगे। अगर पात्रता नहीं है तो कोई पूछेगा भी नहीं। संसार में मानव की नहीं उसके ज्ञान की पूजा होती है। अगर ज्ञान है तो कहीं भी जाओगे तो इज्जत मिलेगा। अगर मन शुद्ध नहीं है तो ज्ञान की बात भी समझ नहीं आएगी। अकड़, क्रोध, मान, माया और आलस करने वाला कभी ज्ञान का अर्जन नहीं कर सकता है। जिसमें अकड़ है, क्रोध है वह कभी ज्ञानी नहीं बन सकता है। ऐसे मानव ज्ञान के पात्र नहीं होते हैं। उनको कुछ भी कहो तो वे अकड़ में रहते हैं। जिनमें ये पांच अवगुण नहीं है वह ज्ञानी बन जाते हैं। जीवन में तप की बहुत विशेषता होती है। तप करने वाला अपने जीवन को सुंदर बना लेता है। जिसमें तप तपस्या करने का गुण नहीं वह जीवन में कुछ नहीं कर सकता है। पानी में नहाने से पाप नहीं कटता है। जब तक अंतरात्मा शुद्ध नहीं होगा जीवन सफल नहीं होगा। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

श्री श्याम वार्षिकोत्सव 21 दिसम्बर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्याम दीवाने बेंगलूरु के तत्वावधान में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विजयनगर होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के नजदीक सुगनाना कल्याण मण्डप में आगामी 21 दिसम्बर को 13वें वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर हम श्याम के दीवाने भजन संध्या पर मुंबई के गायक मनोज मिश्रा व जयपुर के गायक अभिषेक नामा मधुर भजनों से रिझाएंगे। नरेश पुनिया एंड पार्टी दिल्ली संगीत देगे। वार्षिकोत्सव की तैयारी के लिए रविवार को श्याम दीवाने के सदस्यों की श्याम मेंशन, विजय नगर में एक बैठक हुई। जिसमें श्याम दिवाने परिवार, युवा शक्ति, महिला शक्ति ने बड़ी संख्या में उत्साह पूर्वक भाग लिया। संस्था के संस्थापक सदस्यों ने बताया कि इसमें कोलकाता के कारीगरों द्वारा बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा।

बेंगलूरु-मुंबई प्रस्तावित सुपरफास्ट ट्रेन के लिए सौंपा ज्ञापन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। जोनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य एवं श्री सिद्धारूढ़ स्वामी मठ ट्रस्ट समिति के पूर्व चेयरमैन महेंद्र सिंघी ने हाल ही में हुब्बल्ली में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं बेलगावी सांसद जगदीश शेट्टर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कर्नाटक के प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली प्रस्तावित बेंगलूरु-मुंबई सुपरफास्ट ट्रेन के बारे में विस्तृत चर्चा की और इस संबंध में सुझाव प्रस्तुत किए। सिंघी ने आग्रह किया कि यह ट्रेन बेंगलूरु-तुमकुरु-दावणगेरे-हुब्बल्ली-बेलगावी-मिरज-पुणे मार्ग से चलाई जाए। उनका कहना था कि इस मार्ग से चलने पर यह ट्रेन कर्नाटक के उत्तर एवं मध्य जिलों को जोड़ेगी, जिससे यात्रियों को अत्यधिक सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु से मुंबई तक की लगभग 1200 किलोमीटर की दूरी में से 650 किलोमीटर से अधिक का हिस्सा कर्नाटक राज्य में आता है, जिससे राज्य के लगभग 48 प्रतिशत रेल यात्रियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इसके विपरीत, यदि ट्रेन को वैकल्पिक मार्ग धर्मावरम-गुटकल-वाडी-सोलापुर-पुणे से चलाया गया, तो यह केवल 150 किलोमीटर (लगभग 13 प्रतिशत) ही कर्नाटक में चलेगी, जिससे राज्य के अधिकांश यात्रियों को इसका लाभ नहीं मिल पाएगा। सिंघी ने इस बात पर जोर दिया कि ट्रेन को हुब्बल्ली-धारवाड़ और अन्य प्रमुख शहरों से होकर ही चलाया जाना चाहिए, जिससे अधिकतम यात्रियों को सुविधा मिल सके और बेंगलूरु तथा मुंबई के बीच बेहतर रेल संपर्क स्थापित हो सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य एवं कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, हुब्बल्ली के पूर्व सचिव रवींद्र बालिगर भी उपस्थित रहे।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री नामदेव सेवा समाज बेंगलूरु ने कनकपुरा रोड स्थित निसर्गा रिसॉर्ट में रविवार को दीपावली स्नेह मिलन समारोह बहुत ही धूम धाम से आयोजित किया। समाज के सभी गनमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया तथा रिसॉर्ट में रेन डान्स, टेबल टेनिस, बरजर मैगोटिक, थ्रो कैच, सतरंज, कैरम, हाकी, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल जैसे खेलों का भरपूर आनन्द लिया। समाज के सभी पदाधिकारियों ने तन मन से सहयोग देकर समारोह को सफल बनाया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष सुभाष थेपडा, सचिव जीवन प्रकाश कटोडा ने उपस्थित रहकर दिवाली पर्व की शुभकामनाएं दी।

मानव की सुन्दरता उसके विचार व व्यवहार पर निर्भर: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जो अकड़ता है, वक्त उसे रगड़ता है। जिससे बने उससे बनाकर रखो, ना बने उससे भले ना बने पर अकड़, अहंकार, शोबाजी क्यों। जिस प्रकार एक वृक्ष की सुंदरता, फूल और पत्तों पर निर्भर करती है, ठीक उसी प्रकार मानव की सुन्दरता, उसके विचार व व्यवहार पर निर्भर करती है। यदि मन का झरना शुद्ध है, तो जीवन के तालाब में कभी कीचड़ जमा नहीं होगा। मन को शुद्ध रखने के आसान उपाय सेवा, सिमरन, सत्संग है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि परिवार हो या समाज बिखराव सब जगह नुकसानदायक होता है। एकता की भावना ही संगठन को मजबूत बनाती है। परिवार में भी एकता होगी तो उसे कोई कमजोर नहीं कर पाएगा। परिवार के सदस्यों में मतभेद और अलगाव होगा तो वह परिवार बिखर जाएगा। हमे आन्तरिक और बाहरी रूप दोनों तरह से मजबूत होना होगा। परिवार व समाज मजबूत होंगे तो धर्म भी मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सोच निजी स्वार्थ से उपर उठ हमेशा अपने परिवार, संघ व समाज के लिए क्या बेहतर कर सकते इस पर केन्द्रित रहनी चाहिए। निजी स्वार्थों के कारण हमारे परिवार व समाज को नुकसान नहीं होना चाहिए। हमे सामाजिक एकता के लिए कार्य करना होगा। बेंगलूरु से शर्मिला बाफना, पूणे, मुबंई आदि भक्तगण ने दर्शन वंदन का लाभ लिया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आरएसएस पर अंकुश लगाने संबंधी मंत्री प्रियांक खड़गे के पत्र से बड़ा विवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सरकारी जमीन और स्कूल परिसरों में आरएसएस समर्थित गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र ने विवाद खड़ा कर दिया है।

दरअसल, कानून किसी भी संगठन की गतिविधियों पर तभी प्रतिबंध या स्थायी प्रतिबंध लगाने की अनुमति देता है जब वह संगठन अवैध गतिविधियाँ चला रहा हो, देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा हो, या संविधान की मंशा के विरुद्ध काम कर रहा हो। इससे पहले, केंद्र सरकार ने स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया था।

इन दोनों संगठनों का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना था, लेकिन कई मामलों में इनका आतंकवादी संगठनों के साथ गठजोड़ साबित हुआ। इस प्रकार, अगर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सिमी पर प्रतिबंध लगाया था, तो वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीपीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया। यह कहा जा सकता है कि केंद्र सरकार ने यह साहसिक कदम इसलिए उठाया क्योंकि केंद्रीय जाँच एजेंसियों द्वारा की गई जाँच में पाया गया कि ये दोनों संगठन पाकिस्तान स्थित चरमपंथी संगठनों और आतंकवादियों के साथ गठजोड़ कर रहे थे। अब, मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा आरएसएस की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को लिखे पत्र ने विवाद खड़ा कर दिया है और भगवा पार्टी इस पर भड़की हुई है। उसने खुली चुनौती दी है कि अगर उसमें दम है, तो उस पर प्रतिबंध लगा दे। आरएसएस की पृष्ठभूमि पर नजर डालें तो हम कई उदाहरण दे सकते हैं कि उसकी शाखाओं के माध्यम से की जाने वाली गतिविधियाँ अवैध रूप से नहीं की गई हैं। इसने अब तक किसी भी कट्टरपंथी संगठन से हाथ नहीं मिलाया है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि इसने देश के कानून के खिलाफ काम किया हो। राष्ट्रवाद, सनातन धर्म की रक्षा और सभी भारतीयों की एक ही संस्कृति और रीति-रिवाजों जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देकर यह आज दुनिया का सबसे बड़ा संगठन बन गया है। इसके अलावा, यह कभी भी देशद्रोही गतिविधियों में शामिल नहीं रहा है। वैचारिक रूप से इसका विरोध करने वाले भी स्वीकार करेंगे कि संघ ने दर्जनों गतिविधियों में मानवीय कार्य किए हैं, जिनमें गुजरात के कच्छ और महाराष्ट्र के लातूर में आए भूकंप, देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ पीड़ितों की सहायता और कोविड के दौरान सुरक्षा शामिल है। आरएसएस पर पहले भी अलग-अलग कारणों से तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है। कांग्रेस पार्टी ने भी इसे तीन बार प्रतिबंधित किया था। यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि कांग्रेस ने भी इन तीनों प्रतिबंधों को वापस ले लिया था। नाथूराम गोडसे द्वारा महात्मा गांधी की हत्या के कुछ दिनों बाद, 4 फरवरी, 1948 को आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उस समय सरकार ने कहा था कि देश में अशांति, घृणा फैलाने और हिंसा को बढ़ावा देने वाली ताकतों को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। 1948 में आरएसएस पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के लिए कई बार अनुरोध किया गया था। तत्कालीन सरसंघचालक एमएस गोलवलकर ने गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल से मुलाकात की और पटेल तथा प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू दोनों को पत्र लिखे। सरकार के साथ वार्ता विफल होने के बाद, स्वयंसेवकों ने 9 दिसंबर, 1948 को संघ पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग को लेकर सत्याग्रह शुरू किया। इन सभी संघर्षों के एक वर्ष बाद, 11 जुलाई, 1949 को प्रतिबंध हटा लिया गया।

आपातकाल के दौरान प्रतिबंध

जब इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं, तब देश में आपातकाल लगा दिया गया था। इस संदर्भ में, इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने आरएसएस पर नियंत्रण पाने के लिए एक साहसिक कदम उठाया। इसी उद्देश्य से और आरएसएस की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से, 1975 में इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इंदिरा गांधी द्वारा 25 जून, 1975 को देशव्यापी आपातकाल लागू करने के बाद, 4 जुलाई को इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया। बालासाहेब द्वारा इंदिरा गांधी को लिखे गए प्रतिबंध आदेश में प्रतिबंध का कोई विशेष कारण नहीं बताया गया है। आरएसएस ने कभी ऐसा कोई कार्य नहीं किया जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा और सार्वजनिक कानून-व्यवस्था को खतरा हो। संघ का उद्देश्य संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित कर उसे एकरूप और स्वाभिमानी बनाना है। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि संघ ने कभी हिंसा नहीं की। उसने कभी हिंसा का पाठ नहीं पढ़ाया। संघ ने पत्र में प्रतिबंध हटाने की अपील करते हुए कहा है कि वह ऐसी बातों में विश्वास नहीं करता। कई दौर की बातचीत के बाद, 22 मार्च, 1977 को आपातकाल समाप्त होने पर आरएसएस पर से प्रतिबंध हटा लिया गया।

आरएसएस एक स्वयंसेवी संगठन है

तो उसे अपना पंजीकरण दस्तावेज दिखाना चाहिए: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे, जिन्होंने आरएसएस द्वारा लाठी लेकर जुलूस निकालने पर कड़ी आपत्ति जताई है, ने उन्हें आरएसएस के पंजीकरण दस्तावेज दिखाने की चुनौती दी है।

शहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा अगर आरएसएस एक स्वयंसेवी संगठन है, तो उसे अपना पंजीकरण दस्तावेज दिखाना चाहिए, उसे पैसा कहाँ से मिलता है? उन्होंने सवाल किया कि वह 300-400 करोड़ रुपये की संपत्ति कैसे हासिल कर रहा है। सरकारी जमीन पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए लिखे गए पत्र का बचाव करते हुए उन्होंने कहा मैंने यह नहीं कहा कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

सबसे गुप्त संगठन आरएसएस है, और भाजपा आरएसएस की कठपुतली है।

आरएसएस के बिना, भाजपा शून्य है। धर्म के बिना, आरएसएस शून्य है। मैं एक हिंदू हूँ। मैं हिंदू धर्म के खिलाफ नहीं हूँ। लेकिन मैं आरएसएस के खिलाफ हूँ। उन्होंने कहा अगर आप तटीय और पहाड़ी इलाकों में मारे गए लोगों की जानकारी की जाँच करें, तो आपको सच्चाई पता चल जाएगी। जब चुनाव आते हैं, तो वे गणवेश धारण करते हैं।

रविवार को मुनिरत्न ने गणवेश धारण किया। उनके हाथ में गांधीजी की तस्वीर थी। उन्हें इतिहास की जानकारी नहीं है। उन्होंने आपत्ति जताई कि उनका इरादा हमें बांटना है। क्या वे मानेंगे अगर दूसरे संगठन लाठी लेकर घूमें? अगर दलित और पिछड़े संगठन लाठी लेकर घूमें, तो वे चिल्लाते हैं कि यह हिंसा भड़काने जैसा है। उन्होंने सवाल किया कि वे सिर्फ लाठी लेकर ही जुलूस कैसे निकाल सकते हैं। स्कूलों में आरएसएस के लोगों द्वारा ब्रेनवॉश करना बंद होना चाहिए। सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। आइए इतिहास के पन्ने पलटें और आरएसएस को पढ़ें, संघ के लोग आए और पटेल के चरणों में गिर पड़े। हम केंद्र के नियमों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध इसलिए हटाया गया क्योंकि हमने एक वचन लिखा था कि हमारी वफादारी राष्ट्रीय ध्वज के प्रति होगी। आपके घर में धर्म का पालन करने से कोई मना नहीं करेगा, गरीब बच्चों का जीवन बर्बाद मत कीजिए। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पूछा कि बच्चों को गणवेश क्यों पहनना चाहिए, उनके बच्चों के लिए एक नियम, गरीबों के बच्चों के लिए एक नियम?

हसनम्बा दर्शन के चौथे दिन भी उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

हसनम्बा दर्शन के चौथे दिन सोमवार को भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा और शिष्टाचार का कड़ाई से पालन किया जा रहा है, जिसकी श्रद्धालुओं ने सराहना की है। हजारों श्रद्धालु आधी रात से ही संटेपेटे सर्कल रोड पर कतारों में खड़े थे। बाद में, सुबह 8 बजे तक कतारें धीरे-धीरे कम होने लगीं और फिर दर्शन सुचारू रूप से शुरू हो गए। 1,000 रुपये और 300 रुपये के पास खरीदकर आने वालों की संख्या में भी वृद्धि हुई है।

राजस्व विभाग की अधिकारी हेमलता ने बताया कि रविवार सुबह 8 बजे तक पास और लड्डुओं की बिक्री से रिकॉर्ड 2.24 करोड़ रुपये एकत्र हुए हैं। हर साल, स्काउट गाइड और एनसीसी कैंपर हसनम्बा दर्शन उत्सव की पृष्ठभूमि में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। दर्शन के लिए आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को पेयजल और छाछ उपलब्ध कराने तथा वृद्धों व दिव्यांगों को देवी के दर्शन कराने में मदद करने के लिए सभी ने उनकी प्रशंसा की है।

शहर सहित मेला स्थल पर स्वच्छता बनाए रखने में नगर पालिका की भूमिका भी बढ़ गई है। हर साल की तरह इस बार भी मंदिर के आसपास और उन जगहों पर जहाँ हजारों श्रद्धालु कतारों में खड़े होते हैं और गुजरते हैं, स्वच्छता अत्यंत महत्वपूर्ण है और वे पूरी निष्ठा से अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं। हसनम्बा मंदिर के बाईं ओर एक नियंत्रण कक्ष खोला गया है और मेले की पृष्ठभूमि में यहाँ लगाए गए 280 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी 24 घंटे काम कर रही है। यहाँ श्रद्धालुओं, अधिकारियों और कर्मचारियों सहित सभी की आवाजाही पर नजर रखी जा रही है। श्रद्धालुओं की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है और राजस्व विभाग के अनुसार, रविवार सुबह 8 बजे तक मंदिर में कुल 2,24,57,400 रुपये की आय हुई है। मात्र तीन दिनों में 2 करोड़ 24 लाख 57 हजार 400 रुपये की कुल आय प्राप्त होना मंदिर के इतिहास में एक बहुत बड़ा रिकॉर्ड है। श्रद्धालुओं की भारी संख्या के कारण मेला सफल रहा है। इस बार दर्शन सुव्यवस्थित ढंग से हो रहे हैं और किसी की सिफारिश नहीं की जा रही है। सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी शिष्टाचार का पालन कर रहे हैं और टिकट लेकर दर्शन कर रहे हैं। सोमवार सुबह पूर्व मंत्री रेवन्ना अपने परिवार के साथ पहुँचे और 1 हजार रुपये का टिकट लेकर आम लोगों की तरह दर्शन किए। पूर्व विधायक वाई.एस.वी. दत्ता भी मंदिर पहुँचे, टिकट लिया और देवी के दर्शन किए। कुल मिलाकर, इस बार देवी हसनम्बा के दर्शन व्यवस्थित ढंग से हो रहे हैं और भक्तों ने देवी के दर्शन कर व्यवस्थाओं की सराहना की है।

कांग्रेस कर्नाटक में फिर कभी सत्ता में नहीं आएगी: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने खुली चुनौती देते हुए कहा कि हम आरएसएस के एजेंडे के साथ जनता के पास जाएँगे। अगर कांग्रेस इसका विरोध करती है, तो विधानसभा भंग करके जनता के पास आएँ। देखते हैं कौन जीतता है। राज्य के सरकारी परिसरों में आरएसएस समर्थित गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने संबंधी मंत्री प्रियांक खड़गे के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा हम संघ परिवार के एजेंडे के साथ आएंगे। अगर आप विरोध करते हैं, तो विधानसभा भंग करके जनता की अदालत में आएँ। देखते हैं किसे जनादेश मिलता है। कांग्रेस कर्नाटक में फिर कभी सत्ता में नहीं आएगी। लोग आपकी जीत पर पछता रहे हैं। यह आपकी जीत का अंत भी है। आप आम कार्यकर्ताओं को छीनकर राजनीति में फलने-फूलने लगे हैं। मंत्री प्रियांक खड़गे ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर संघ की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया है। उन्होंने उन्हें सार्वजनिक बहस में आकर हिस्सा लेने की चुनौती दी। अपने सौ साल के इतिहास में आरएसएस द्वारा आतंकवाद फैलाने का एक भी उदाहरण नहीं है। लेकिन मुसीबत और आपदा के समय मदद के लिए आगे आने के सैकड़ों उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस से प्रेरित होकर दर्जनों संगठन उभरे हैं। आरएसएस ने समाज में अपना सकारात्मक योगदान दिया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि ऐसे संगठन को नकारात्मक रूप से चित्रित करना उचित नहीं है। प्रियांक खड़गे को राजनीतिक विरासत आसानी से मिल गई। वह अपने अहंकार में बोल रहे हैं। कांग्रेस भ्रष्टाचार की पार्टी है, भ्रष्टाचार के जनक कांग्रेस में हैं। कांग्रेस वह पार्टी है जिसने आतंकवादी संगठनों का समर्थन किया और आतंकवादियों को पाला। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि संघ के बारे में बात करना अनैतिक है। आपकी पार्टी पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने वालों, गोहत्या और गोभक्षण का समर्थन करने वालों का समर्थन करने की नीचता रखती है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा नियुक्त समितियों ने कहा है कि गांधी की हत्या का संघ से कोई लेना-देना नहीं है। फिर भी आप बार-बार झूठ बोल रहे हैं कि गांधी की हत्या आरएसएस ने की थी। आपकी मानसिकता तानाशाही है, आपकी पार्टी का आपातकाल लगाने का इतिहास रहा है। तानाशाह शब्द आपकी पार्टी पर लागू होता है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा मंत्रियों के लिए आयोजित रात्रिभोज पर प्रतिक्रिया देते हुए, सी.टी. रवि ने कहा कि जब लोग मुसीबत में होते हैं तो मंत्री रात्रिभोज नहीं करते। संवेदनशील लोग ऐसी रात्रिभोज पार्टियाँ नहीं करते। क्या मुख्यमंत्री में संवेदनशीलता है? कर्नाटक के कित्तूर और कल्याण में भारी बारिश से भारी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से सर्वेक्षण किया और नीचे आकर किसानों की समस्याएँ नहीं सुनीं। उन्होंने केवल ऊपर से उड़ान भरी। विधान परिषद सदस्य बी.के. हरिप्रसाद ने शायद आरएसएस के पंजीकृत न होने की बात इसलिए कही क्योंकि उन्हें लगा कि अगर वह इस तरह बोलेंगे तो उन्हें मंत्रिमंडल में जगह मिल जाएगी।

युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित होगा एकता पदयात्रा: प्रीतम गौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश महासचिव प्रीतम गौड़ा ने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं को सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में जानकारी प्रदान करके एक जागरूक युवा समूह बनाने के उद्देश्य से एकता पदयात्रा आयोजित करेगी। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में पदयात्रा आयोजित की जाएगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि लोगों में यह भावना है कि सरकारें युवाओं तक सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में जानकारी पहुँचाने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि अंत में एक राष्ट्रीय पदयात्रा आयोजित की जाएगी। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने 6 तारीख को इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। केंद्र सरकार ने कई प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का निर्णय लिया है। एक निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। सरदार वल्लभभाई पटेल की उपलब्धियों पर रील बनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसे पोर्टल पर अपलोड करना होगा। 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक, प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में सभी लोगों के 8 से 10 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इसमें लोकसभा सदस्य, विधायक और निर्वाचित प्रतिनिधि भाग लेंगे। पटेल के जीवन और आदर्शों पर वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ और संगोष्ठियाँ आयोजित की जाएँगी। आम लोगों को यह समझाने का काम किया जाना चाहिए कि पटेल को समाज में लौह पुरुष क्यों कहा जाता है। उन्होंने कहा कि वे एक किसान नेता के रूप में और किसान संघर्ष के माध्यम से सामाजिक जीवन में आए। उन्होंने कहा कि समाज निर्माण और एकजुटता की दिशा में उनके कार्यों के बारे में बताया जाएगा। स्वदेशी सामग्रियों के उपयोग का संकल्प लिया जाएगा। स्वदेशी मेलों का भी आयोजन किया जाएगा। योग और स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जाएँगे। कॉलेज और स्कूली छात्रों को जोड़ने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने मॉल और पार्कों सहित उन जगहों पर सरदार पटेल के जीवन पर नुक्कड़ नाटक आयोजित करने की योजना बनाई है जहाँ युवा इकट्ठा होते हैं। सरदार पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 के विकसित भारत के विजन की नींव रखी। उन्होंने कहा कि भारत को एकजुट करने के लिए अथक प्रयास करने वाले सरदार पटेल के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। प्रतियोगिता जीतने वाले 5 युवाओं को राष्ट्रीय पदयात्रा में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश सचिव विनय, युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश महासचिव डॉ. मल्लिकार्जुन आदि उपस्थित थे।

क्रूजर के पेड़ से टकराने से दो लोगों की मौत

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो।

धारवाड़ तालुका के तेगुर गाँव में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह एक क्रूजर वाहन के चालक के नियंत्रण खो देने के बाद एक पेड़ से टकरा जाने से दो लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गदग हुडको कॉलोनी निवासी महंतम बसवनेप्पा तुप्पड़ा (85) और सुरेश बसवनेप्पा तुप्पड़ा (52) की इस दुर्घटना में मृत्यु हो गई। मूल रूप से गदग का रहने वाला यह परिवार महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित महालक्ष्मी मंदिर गया था और देवी के दर्शन करने के बाद क्रूजर वाहन से अपने गृहनगर लौट रहा था। सुबह लगभग 5.30 बजे, क्रूजर वाहन धारवाड़ तालुका के तेगुर गाँव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुल्ला डाबा के पास पहुँच रहा था, तभी चालक का नियंत्रण खो गया और वाहन सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया। टक्कर के जोरदार प्रभाव से क्रूजर वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। खबर मिलते ही गरगा थाना पुलिस मौके पर पहुँची और मुआयना किया।

देशपांडे का बयान इस बात का सबूत है कि कर्नाटक पतन के कगार पर पहुंच गया: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा वरिष्ठ कांग्रेस नेता आर.वी. देशपांडे का यह बयान कि गारंटी ने विकास को पीछे धकेल दिया है, इस बात का एक और उदाहरण है कि कैसे राज्य सरकार की अवैज्ञानिक नीतियों ने राज्य को गर्त की ओर धकेल दिया है। उन्होंने इस संबंध में एक्स पर सरकार के खिलाफ कई पोस्ट किए हैं और अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा है, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, यह बकवास कब तक चलेगी? आपका कुप्रबंधन बहुत हो गया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर किसी भी तरह सत्ता में आने की चाहत में गारंटी योजनाएँ बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि गारंटी अब गरम तेल बन गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सरकार को कंगाल बताने का रोना कांग्रेस पार्टी के भीतर ही उठ रहा है। इससे पहले, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने खुद स्वीकार किया था कि सरकार के पास सड़क पर एक टोकरी मिट्टी डालने के लिए भी पैसे नहीं हैं। सिद्धरामैया के आर्थिक सलाहकार, वरिष्ठ विधायक बसवराज रायरेड्डी ने याद दिलाया कि अगर हमें सड़क चाहिए, तो गारंटी योजना बंद करनी होगी।

अब, कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री आर.वी. देशपांडे ने कहा है कि अगर वे मुख्यमंत्री होते, तो गारंटी योजन-ाओं को लागू ही नहीं करते, जिससे एक बार फिर साबित हो गया है कि मुख्यमंत्री कितने अक्षम हैं। एक अन्य पोस्ट में, उन्होंने सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि कांग्रेस सरकार की राजनीतिक अक्षमता के कारण राज्य की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है, और जाति जनगणना सर्वेक्षण के लिए कर्मचारियों की तैनाती के बाद आम लोगों को अपने रोजमर्रा के काम करने में भी मुश्किल हो रही है। स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, बेस्कॉम और बीडब्ल्यूएसएस कार्यालयों में कर्मचारी नहीं हैं। आरटीओ कार्यालयों में कर्मचारी नहीं हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, अपनी कुर्सी बचाने के नाटक की सजा कन्नड़ लोगों को मिल रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि दिवाली पर अपने गृहनगर जाने के लिए आम आदमी को बसों के लिए संघर्ष करना पड़ेगा, इसके सारे संकेत दिखाई दे रहे हैं। परिवहन निगम के कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी माँगें नहीं मानी गईं तो वे 15 अक्टूबर से फिर हड़ताल पर चले जाएँगे। उन्होंने सुझाव दिया कि कांग्रेस सरकार को अब जागना चाहिए और परिवहन कर्मचारियों की माँगों को पूरा करने के लिए पहल करनी चाहिए। बसों के रखरखाव के लिए पैसे नहीं हैं। परिवहन कर्मचारियों के वेतन और बकाया वेतन के लिए पैसे नहीं हैं। बस अड्डों के रखरखाव के लिए पैसे नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लचर कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन के कारण परिवहन निगमों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है और वे ऐसी विकट स्थिति का सामना कर रहे हैं जहाँ उनके पास किसी भी चीज के लिए पैसे नहीं हैं। दशहरा की छुट्टियों के बाद जहाँ निजी स्कूलों के बच्चे स्कूल लौट रहे हैं, वहीं सरकारी स्कूलों के बच्चे बिना पढ़ाई के तड़प रहे हैं। सिद्धरामैया, सरकारी स्कूलों के गरीब बच्चों को उनकी राजनीतिक लापरवाही की सजा मिल रही है। अपनी राजनीतिक लापरवाही के लिए अपने बच्चों का भविष्य बर्बाद मत करो। शिक्षकों को सर्वेक्षण से मुक्त करो और तुरंत स्कूल फिर से शुरू करो। उन्होंने चेतावनी दी कि अपनी कुर्सी बचाने के लिए बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ मत करो।

उन्होंने जाति जनगणना सर्वेक्षण के लिए सरकारी स्कूल के शिक्षकों को नियुक्त किया और छात्रों का भविष्य बर्बाद करते हुए सरकारी स्कूलों को एक महीने के लिए बंद कर दिया। अब उन्होंने सर्वेक्षण के काम के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया है। सिद्धरामैया, आपको पता नहीं है कि जनता आपके जाति जनगणना के नाटक से कितनी तंग आ रही है। कुर्सी बचाने की आपकी जिद कन्नड़ लोगों के लिए एक अपमान है।

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा को अस्पताल से मिली छुट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री और जद(एस) के संरक्षक एच.डी. देवेगौड़ा, जिन्हें पिछले सप्ताह इलाज के लिए बेंगलूरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, सोमवार को ठीक होने के बाद घर लौट आए। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। 92 वर्षीय देवेगौड़ा को 7 अक्टूबर को मूत्र मार्ग में संक्रमण (यूटीआई) के साथ तेज बुखार और ठंड लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज चल रहा था। एक्स पर एक पोस्ट में, जद(एस) ने कहा कि 92 वर्षीय नेता को डॉक्टरों ने 15 दिन और आराम करने की सलाह दी है, और नेताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों से अनुरोध किया है कि वे उनसे मिलने के लिए उनके आवास पर न जाएं। इसमें आगे कहा गया है, देवेगौड़ा के पूरी तरह आराम करने के बाद, वह व्यक्तिगत रूप से जे.पी. भवन स्थित पार्टी मुख्यालय आएंगे और सभी से मिलेंगे। अस्पताल में भर्ती होने के बाद सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ ने कहा था, उन्हें यूटीआई के कारण ठंड लगने के साथ तेज बुखार हो गया था। उनके गुर्दे के पैरामीटर भी गड़बड़ा गए थे और उन्हें अस्पताल में देखभाल की जरूरत थी। वार्ड में स्थानांतरित होने से पहले उन्हें एक-दो दिन आईसीयू में रहना पड़ सकता है।

दक्षिण कन्नड़ में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानसून के मौसम में रुक-रुक कर हो रही बारिश के बावजूद, दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में इस साल डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल की तुलना में, डेंगू का प्रसार काफी हद तक नियंत्रण में रहा है। पिछले साल सितंबर तक, जिले में डेंगू के 300 से ज्यादा मामले सामने आए थे। हालाँकि, इस साल अब तक केवल 151 मामले ही सामने आए हैं। मानसून के बाद के मौसम की शुरुआत और रुक-रुक कर बारिश की संभावना को देखते हुए, स्वास्थ्य विभाग ने जनता से सतर्क रहने और डेंगू मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए निवारक उपाय करने का आग्रह किया है। जिला प्रशासन ने डेंगू के प्रसार को

नियंत्रित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। वेनलॉक अस्पताल के पैरामेडिकल छात्रों को अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ दी गईं, जिनमें से 25 छात्रों को अलग-अलग टीमों में विभाजित किया गया। उन्हें स्वास्थ्य विभाग की देखरेख में लार्वा सर्वेक्षण और घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाने जैसे काम सौंपे गए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रत्येक छात्र को 100 दिनों के लिए प्रतिदिन 400 रुपये का मानदेय दिया गया। स्कूलों में, विभाग प्रत्येक संस्थान में एक नोडल शिक्षक नियुक्त करके बच्चों में जागरूकता बढ़ा रहा है। ये शिक्षक छात्रों को डेंगू और अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के बारे में शिक्षित करने के लिए जिम्मेदार हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने डेंगू से बचाव के लिए स्वयं सावधानी बरतने के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने लोगों को नारियल के छिलके, टायर, ट्यूब और प्लास्टिक जैसे अपशिष्ट पदार्थों का उचित निपटान करने की सलाह दी है, क्योंकि इनमें पानी जमा हो सकता है और मच्छरों के प्रजनन का कारण बन सकता है। निवासियों से आग्रह किया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि घरों, छतों या गमलों के आसपास पानी जमा न हो, और पानी के भंडारण के बर्तनों और टंकियों के ढक्कन कसकर बंद रखें। डॉक्टरों ने लोगों को बुखार के लक्षणों को नजरअंदाज न करने और तुरंत चिकित्सा सहायता लेने की भी सलाह दी है। मच्छरदानी का उपयोग करना, केवल उबला और फिल्टर किया हुआ पानी पीना, और हर दो से तीन दिन में टंकियों या ड्रमों में पानी बदलना और साफ करना, प्रमुख निवारक उपायों में से हैं। डीके के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. थिम्मैया ने कहा पिछले साल की तुलना में, दक्षिण कन्नड़ में डेंगू अब काफी नियंत्रण में है। पिछले साल मामलों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई थी, जिससे स्वास्थ्य विभाग को जनता के सक्रिय सहयोग से मानसून शुरू होने से पहले ही समय पर निवारक उपाय करने के लिए प्रेरित किया गया।

क्या मंत्रियों का रात्रिभोज में शामिल होना अपराध है: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया न कहा कि क्या मंत्रियों का रात्रिभोज में शामिल होना अपराध है? इस बारे में बार-बार सवाल क्यों पूछे जा रहे हैं। विधानसभा के सामने कित्तूर उत्सव ज्योति प्रज्वलित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने सवाल किया हम मंत्री अक्सर रात्रिभोज में शामिल होते हैं, इसमें क्या गलत है? भाजपा कह रही है कि मंत्रियों को रात्रिभोज में शामिल नहीं होना चाहिए। क्या यह अपराध है? इस मुद्दे पर बार-बार चर्चा क्यों हो रही है? सिद्धरामैया, जिन्होंने भाजपा के रुख को न समझ पाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की, ने मंत्रियों के रात्रिभोज का पुरजोर बचाव किया। सिद्धरामैया ने स्कूल, कॉलेज और सरकारी संस्थानों के परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए मंत्री प्रियंक खड़गे के पत्र पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

शब्द की गोष्ठी में बही कविताओं की रसधार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की रविवार को मासिक काव्यगोष्ठी में गीतों, गजलों और कविताओं की रसधार बही।

काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता गीतकार आनंद मोहन झा ने की और संचालन युवा गीतकार लोकेश मिश्र ने किया। युवा कवि दीपक सोपोरी की शारदा वंदना से शुरू गोष्ठी में समुपस्थित कवियों तथा श्रोताओं का स्वागत करते हुए 'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने कविता को मनुष्यता का स्थाई प्रतिपक्ष बताया। उन्होंने कहा की कविता जिस आदर्श समाज की कामना करती है, उसके वास्ते वह निरंतर कल्पनाशील एवं सृजनशील रहती है। चूंकि यथार्थ का समाज कल्पना के आदर्श समाज जैसा नहीं होता, इसलिए कवि वर्तमान का गायक होकर भी वर्तमान का आलोचक होता है। इसीलिए कविता से सत्ता परहेज करती है

और इसीलिए प्लेटो ने अपने 'रिपब्लिक' में कवियों को देश निकाला दिया था। गोष्ठी अध्यक्ष आनंद मोहन झा ने अपने सुमधुर गीत सुनाने से पहले गोष्ठी में पढ़ी गई कविताओं की विषय विविधता तथा गुणवत्ता की प्रशंसा की। कविगोष्ठी की शुरुआत करते हुए वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर ने प्राण-जल और स्त्री विषयक दो भावपूर्ण कविताएँ सुनाईं। वरिष्ठ कवयित्री सुधा दीक्षित तथा रचना उनियाल की गजलों ने श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। नलिनी पोपट और विद्या कृष्णा की कविताओं और गजलों ने भी गोष्ठी में जमकर रसधार बहायी। उषारानी राव की लघु कविताएँ सुंदर थीं। शिवनंदन सिन्हा, रामरतन सिंह, कृष्ण कुमार पारीक और श्रीकांत शर्मा एवं राजेन्द्र गुलेच्छा की कविताएँ जीवन के यथार्थ की उड़ान थीं। दीपक सोपोरी, सुचित्रा कौल मिश्र और बिन्दु रायसोनी के गीत और गजलें सुन श्रोता भावविभोर हुए। गोष्ठी में नवोदित सदस्य पीयूष शर्मा की कविताएँ और बाँसुरी वादन तथा लोकेश मिश्र के गीतों का जादू सभागार में बोल रहा था। उनके संचालन का सधा अंदाज भी प्रशंसनीय था। डॉ उषारानी राव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गोष्ठी संपन्न हुई।

ज्ञान प्राप्त करने के लिए अभिमान का हटना जरूरी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में उत्तराध्ययन सूत्र का विवेचन करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि भगवान महावीर ने निर्वाण के पूर्व चतुर्वीध संघ के लिए उत्तराध्ययन सूत्र के रूप में शिक्षाओं का अनमोल और बहुमूल्य खजाना दिया है। प्रभु की प्रत्येक शिक्षा मानव को मानवता का पाठ पढ़ाती है और समझाती है कि मानव भव दुर्लभ नहीं है बल्कि मनुष्यत्व दुर्लभ है। इंदुप्रभा जी ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए अभिमान का हटना जरूरी है। मात्र विनय गुण से अभिमान हट सकता है। जो आज्ञाकारी नहीं होता है वो घर घर से दुत्कारा जाता है। विनय भी एक तप है। विनय से सहन शक्ति का विकास होता है। विनय से कर्मो की निर्जरा भी होती है। इंदुप्रभा जी ने आगे कहा कि यह संसार अध्रुव और अशाश्वत है। जीवन का कोई भरोसा नहीं है। इसलिए हम प्रत्याख्यान पर श्रद्धा करें और जीवन को मर्यादित करें। प्रत्याख्यान से जीवन चर्या में कोई कठिनाई नहीं आती है। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट द्वारा मेधावी छात्रों का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट ने रविवार को आरआर नगर तेरापंथ भवन में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 24-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों और किसी भी विश्वविद्यालय परीक्षा में टॉपर रहे छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे साध्वीश्री वर्धमानयशा जी के द्वारा गीतिका से हुई। टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट की टीम निशा कटारिया, सुमित धारेवा और निर्मल चावत ने मंगलाचरण किया। टीपीएफ वेस्ट के अध्यक्ष ललित बेगानी ने सभी छात्रों, अभिभावकों और श्रावक समाज सभा और टीपीएफ सदस्यों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्य और टीपीएफ की छात्रवृत्ति सुविधा के बारे में जानकारी दी। टीपीएफ साउथ जोन के अध्यक्ष विक्रम कोठारी ने टीपीएफ के बारे में जानकारी दी और छात्रों को धर्म संघ के साथ जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। आरआर नगर सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड ने भी छात्रों के साथ आध्यात्मिक और शैक्षणिक जीवन के महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राकेश खटेड ने अध्यात्म और विज्ञान के बीच संबंधों पर चर्चा की और महावीर स्वामी के बहुचर्चित सिद्धांतों को वर्तमान विज्ञान प्रयोगों के साथ जोड़ा। साध्वीश्री पुण्ययशा जी ने अपने उद्बोधन में छात्रों और अभिभावकों को अंकों के आगे की दुनिया के बारे में बताया और वर्तमान जीवन के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में टीपीएफ टीम ने सभी छात्रों और अभिभावकों का सम्मान पदक, प्रमाण पत्र और उपहार देकर किया। टीपीएफ वेस्ट के मंत्री कौशल खटेड ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यक्रम का संयोजन आशीष सिंघी और निशा कटारिया ने किया। कार्यक्रम में मंजू बोथरा, विक्रम मेहर, सरोज आर बैद, संजय मालू, सौरभ डागा, दीक्षा जैन, निहाल बैद, आशुतोष नाहर, गीतेश पारख, विकास सेठिया, रश्मि बोथरा की उपस्थिति रही।

दक्षिण पश्चिम रेलवे दीपावली के लिए विशेष ट्रेनों का करेगा संचालन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दीपावली त्योहार के मद्देनजर, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए विशेष ट्रेन सेवाएं संचालित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत ट्रेन संख्या 07353 एसएसएस हुब्बल्ली-मेंगलूरु जंक्शन एक्सप्रेस स्पेशल 17 अक्टूबर को 16:00 बजे एसएसएस हुब्बल्ली से रवाना होगी और 18 को 11:15 बजे मेंगलूरु जंक्शन पहुँचेगी। मार्ग में, यह एसएमएम हावेरी, हरिहर, दावणगेरे, बिरुर, अरसीकेरे, तुमकुरु, यशवंतपुर, कुनिगल, चन्नरायपटना, हासन, सकलेशपुर, सुब्रह्मण्य रोड, कबकापुत्तूर और बंटवाल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 07354 मेंगलूरु जंक्शन-यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल दिनांक 18 अक्टूबर को मेंगलूरु जंक्शन से 14:35 बजे प्रस्थान करेगी

और उसी दिन 23:15 बजे यशवंतपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन बंटवाल, कबकापुत्तूर, सुब्रह्मण्य रोड, सकलेशपुर, हासन, चन्नरायपटना और कुनिगल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 06229 यशवंतपुर - मेंगलूरु जंक्शन एक्सप्रेस स्पेशल 19 अक्टूबर को यशवंतपुर से 00:15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 11:15 बजे मेंगलूरु जंक्शन पहुँचेगी। ट्रेन कुनिगल, चन्नरायपटना, हासन, सकलेशपुर, सुब्रह्मण्य रोड, कबकापुत्तूर और बंटवाल स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 06230 मेंगलूरु जंक्शन-बेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस स्पेशल 19 अक्टूबर को मेंगलूरु जंक्शन से 14:35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 00:30 बजे बेंगलूरु छावनी पहुँचेगी। यह बंटवाल, कबकापुत्तूर, सुब्रह्मण्य रोड, सकलेशपुर, हासन, चन्नरायपटना, कुनिगल और एसएमवीटी बेंगलूरु स्टेशनों पर रुकेगी। दोनों जोड़ी विशेष रेलगाड़ियां (07353/07354 और 06229/06230) 20 कोचों से युक्त होंगी, जिनमें 01 प्रथम सह द्वितीय एसी, 01 एसी 2-टियर, 02 एसी 3-टियर, 10 स्लीपर क्लास, 04 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 02 एसएलआर डी कोच शामिल होंगे। ट्रेन संख्या 06507 बेलगावी-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल 18 अक्टूबर को बेलगावी से सुबह 8 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 19:45 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुँचेगी। वापसी सेवा, ट्रेन संख्या 06508, 18 अक्टूबर को 21:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से प्रस्थान करेगी और 19 अक्टूबर को सुबह 8:35 बजे बेलगावी पहुँचेगी। मार्ग में, ट्रेन लोंडा, अलनावर, धारवाड़, एसएसएस हुब्बल्ली, एसएमएम हावेरी, हरिहर, दावणगेरे, बिरुर, अरसीकेरे, तुमकुरु और चिकबानावर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी।

अमृत योजना के तहत 20 करोड़ रुपये की लागत से बागगुंडी झील का होगा पुनरुद्धार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वर्षों की नागरिक सक्रियता और पर्यावरण संरक्षण की वकालत के बाद, मेंगलूरु के कुलाई के पास लंबे समय से उपेक्षित बग्गुंडी झील आखिरकार एक बड़े पुनरुद्धार के लिए तैयार है। अमृत (अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन) योजना के तहत, सरकार ने झील के विकास के लिए 20 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, और हाल ही में आधिकारिक सर्वेक्षण कार्य शुरू हो गया, जो एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला प्रशासन और मेंगलूरु नगर निगम के अधिकारी मौजूद थे, जब सर्वेक्षणकर्ताओं ने झील की मौजूदा सीमाओं का मानचित्रण शुरू किया, जिसमें केआईएडीबी (कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास

बोर्ड) द्वारा पहले अधिग्रहित भूमि भी शामिल थी। मौके पर मौजूद एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा हमने झील के वर्तमान विस्तार की पहचान और अधिग्रहित क्षेत्र का सीमांकन शुरू कर दिया है। पहली प्राथमिकता झील की परिधि को सुरक्षित करना और रिटेनिंग वॉल का निर्माण करना होगा। पहले चरण का लक्ष्य संरक्षण और सीमा चिह्नांकन है। सरकारी रिकॉर्ड में मूल झील क्षेत्र 13 एकड़ दर्ज है, लेकिन केआईएडीबी, जो एक औद्योगिक परियोजना है, को पहले आवंटित 72 एकड़ अतिरिक्त भूमि को शामिल करने की योजनाएँ चल रही हैं। यह व्यापक भूमि आधार एक अधिक महत्वाकांक्षी पुनर्विकास दृष्टिकोण का द्वार खोलता है। स्पंदना फ्रेंड्स सर्कल - कुलाई, रोटरी क्लब और कई निवासी संघों सहित स्थानीय समूहों द्वारा अथक अभियान के बाद यह पुनरुद्धार हुआ है। स्वयंसेवकों ने पहले हवसे (एक आक्रामक जलीय खरपतवार) को हटाने के लिए नियंत्रित रासायनिक उपचार का सुझाव दिया था, लेकिन सरकार के सीमित हस्तक्षेप के कारण यह संक्रमण बार-बार लौट आया। स्पंदना फ्रेंड्स सर्कल के एक सदस्य ने कहा लगातार जमीनी प्रयासों के बावजूद, प्रशासनिक सहयोग की कमी के कारण खरपतवार लगातार हावी होते रहे।

स्थानीय निवासी अब पारिस्थितिक पुनरुद्धार के साथ-साथ एक स्थायी पर्यटन मॉडल की माँग कर रहे हैं। सुझावों में झील के चारों ओर पैदल पथ, नौका विहार की सुविधाएँ, एक सार्वजनिक पार्क और एक साइकिलिंग ट्रैक शामिल हैं।

त्योहारी भीड़ को कम करने के लिए बेंगलूरु और तुत्तुकोरिन के बीच विशेष ट्रेनें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने आगामी दीपावली त्योहार के कारण होने वाली अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए बेंगलूरु और तुत्तुकोरिन के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

ट्रेन संख्या 06297 केएसआर बेंगलूरु-तुत्तुकोरिन एक्सप्रेस स्पेशल 17 और 21 अक्टूबर को रात 10 बजे केएसआर बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11 बजे तुत्तुकोरिन पहुँचेगी। ट्रेन संख्या 06298 तुत्तुकोरिन-बेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस स्पेशल 18 और 22 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे तुत्तुकोरिन से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 4:15 बजे बेंगलूरु छावनी पहुँचेगी। रास्ते में, ट्रेन बेंगलूरु छावनी, होसूर, धर्मपुरी, ओमलूर, सेलम, नामक्कल, करूर, डिंडीगुल, कोडईकनाल रोड, शोलावंदन, मदुरै जंक्शन, तिरुपरनकुंद्रम, तिरुमंगलम, विरुद्धनगर जंक्शन, सतुर, कोविलपट्टी और टूटी मेलूर स्टेशनों पर रुकेगी।

भारतीय गौर की हृदय गति रुकने से मौत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के चन्नारायपटना कस्बे में दो बार बेहोश करने के बाद पकड़े गए एक भारतीय गौर की वन विभाग के अधिकारियों द्वारा उसे स्थानांतरित करने के दौरान ही मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, लगभग चार साल के इस नर गौर की हृदय गति रुकने से गंभीर रूप से मृत्यु हो गई। यह जंगली जानवर 11 अक्टूबर की सुबह कस्बे में देखा गया, जिससे निवासी चिंतित हो गए। यह इधर-उधर भागा, जिससे एक महिला घायल हो गई और एक कार तथा कुछ दोपहिया वाहनों

को नुकसान पहुँचा। वन विभाग के अधिकारियों को इसे पकड़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी क्योंकि यह शहरी इलाके में घूम रहा था। किसी तरह, कर्मचारी इसे बेहोश करने और पकड़ने में सफल रहे। हालाँकि, यह उस ट्रक से कूद गया, जिसे स्थानांतरण के लिए व्यवस्थित किया गया था। जानवर को फिर से बेहोश करके पकड़ लिया गया। हालाँकि, इसे स्थानांतरित करने के अधिकारियों के प्रयास सफल नहीं हुए। हासन के डीसीएफ सौरभ कुमार ने बताया कि कर्मचारियों ने जानवर को बचाने और उसे गौरों की मौजूदगी वाले वन क्षेत्र में छोड़ने के लिए हर संभव प्रयास किया। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, हमारे अथक प्रयासों के बावजूद जानवर की मौत हो गई। पशु चिकित्सा महाविद्यालय के डॉक्टरों की एक टीम ने वन्यजीव क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया। डॉक्टरों के अनुसार, जानवर की मौत हृदय गति रुकने से हुई।

खेलते समय कुएँ में गिरने से बच्चे की मौत

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। बीदर जिले के बसवकल्याण कस्बे की ईश्वर कॉलोनी में खेलते समय एक बच्चे की कुएँ में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शेख नुस्तकीम अकबरअली (6) के रूप में हुई है। बच्चा अपने घर के पास खेलते समय गलती से कुएँ में गिर गया। शुरुआत में किसी को इसकी जानकारी नहीं थी, लेकिन शनिवार रात घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुँचे और बच्चे का शव

बरामद किया। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। बसवकल्याण नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

कनाड़ा के साथ संबंधों को पटरी पर लाने के लिए सकारात्मक सोच से काम कर रहा है भारत: जयशंकर

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और कनाड़ा के बीच द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हो रही है और भारत संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के लिए सकारात्मक सोच से आगे बढ रहा है। भारत और कनाड़ा के विदेश मंत्रियों ने सोमवार को यहां विस्तार से बैठक की और व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, असैन्य परमाणु सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत की तीन दिन की यात्रा पर आई कनाड़ा की विदेश मंत्री अनीता आनंद और विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक सोच के साथ आगे बढना है।

डा. जयशंकर ने वार्ता के दौरान अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि पिछले कुछ महीनों में भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, हम अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक तंत्रों को फिर से स्थापित और सक्रिय करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री कनाड़ा के प्रधानमंत्री कार्नी के साथ कनानसकीस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की बात को दोहराया और कहा

कि भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना है। विदेश मंत्री ने कहा कि आज सुबह प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान भी आपको भारत के दृष्टिकोण और उसे साकार करने की सकारात्मक सोच का पता चला होगा।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, असैन्य परमाणु सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है।

डा.जयशंकर ने कनाड़ाई विदेश मंत्री के साथ मिलकर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि विदेश मंत्री के रूप में उन दोनों की ज़िम्मेदारी परस्पर सहयोग को मजबूत बनाने की प्रक्रिया का नेतृत्व करना और यह सुनिश्चित करना है कि यह दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की अपेक्षाओं और लोगों के हितों पर खरा उतरे। उन्होंने कहा, मैं आपके साथ मिलकर काम करते हुए ऐसा करने के लिए उत्सुक हूं।

कनाड़ा और भारत के बीच पिछले कुछ महीनों में विभिन्न स्तर पर हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए विदेश मंत्री ने कहा , जब हम कनाडा को देखते हैं, तो हमें एक पूरक अर्थव्यवस्था, एक खुला समाज, विविधता और बहुलवाद दिखाई देता है, और हमारा मानना है कि यही एक घनिष्ठ, टिकाऊ और दीर्घकालिक सहयोगात्मक ढाँचे का आधार है।

कनाड़ा और भारत के बीच विभिन्न वैश्विक मंचों पर सक्रिय साझेदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , भारत और कनाडा लंबे समय से विश्व मामलों में सक्रिय रहे हैं। हम जी-20 और राष्ट्रमंडल के सदस्य हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारा समन्व्य उल्लेखनीय है। हम प्रभावी बहुपक्षवाद, जलवायु कार्रवाई और सतत विकास लक्ष्य एजेंडा 2030 के प्रबल समर्थक हैं। हम बढ़ती व्यापकता और गहराई वाली मज़बूत साझेदारियों से अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को जोखिम-मुक्त करना चाहते हैं। यह यात्रा वैश्विक परिदृश्य की समीक्षा करने और विचारों के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती है।

बिहार विधानसभा के दूसरे चरण के चुनाव के लिए जारी हुई अधिसूचना

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने बिहार में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की 122 सीटों तथा सात अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेश की आठ सीटों के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी।

इसी के साथ पंजाब के तरनतारन, राजस्थान के अंता, ओडिशा के नुआपारा, झारखंड के घाटशिला, तेलंगाना के जुबली हिल्स, मिजोरम के डम्पा और केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर विधानसभा की नगरोटा व बडगांव की रिक़्त सीटों के उपचुनावों के लिए भी अलग-अलग अधिसूचना जारी की गयी हैं।

,बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीटों के लिए दो चरणों में छह और 11 नवंबर को चुनाव कराये जायेंगे। बिहार में दूसरे चरण के चुनाव के साथ ही पंजाब, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड,तेलंगाना, मिजोरम तथा जम्मू- कश्मीर के विधानसभा के उपचनाव 11 नवंबर को कराये जाने हैं।

इन सभी चुनाव की मतगणना 14 नवंबर को करायी जाएगी। अधिसूचनायें जारी होने के साथ ही बिहार की दूसरे चरण के चुनाव और अन्य राज्यों के उपचुनावों के लिए प्रत्याशियों के नामांकन की प्रक्रिया भी आज से शुरु हो जाएगी।

एनएचआरसी ने गुजरात में दो श्रमिकों की मौत का स्वत: संज्ञान लिया

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुजरात अहमदाबाद में एक विज्ञापन होर्डिंग गिरने से दो श्रमिकों की मौत और एक अन्य के गंभीर रूप से घायल होने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है।

एनएचआरसी ने सोमवार को बताया कि इस मामले में आयोग ने गुजरात सरकार के मुख्य सचिव और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

उन्होंने कहा कि आयोग ने उस मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया है कि अहमदाबाद के बोपल क्षेत्र में 27 सितंबर को एक सात मंजिला इमारत की छत से एक विज्ञापन होर्डिंग गिरने से दो श्रमिकों की मौत हो गई और एक

गंभीर रूप से घायल हो गया।

आयोग ने पाया है कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री यदि सत्य है तो मानवाधिकार उल्लंघन का यह एक गंभीर मामला है इसलिए मुख्य सचिव और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

उन्होंने कहा कि 29 सितंबर को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार लगभग 15 मज़दूर एक आवासीय इमारत पर लगभग 80 फीट ऊपर एक होर्डिंग लगा रहे थे तभी वह गिर गई।

नीचे गिरे 10 मज़दूरों में से दो की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया और सात अन्य को मामूली चोटें आईं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जम्मू कश्मीर राज्यसभा चुनाव

भाजपा प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

बडगाम व नगरोटा में विधानसभा उपचुनाव 11 नवंबर को

जम्मू, 13 अक्टूबर (ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर दिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतपाल शर्मा, डॉ. अली मुहम्मद मीर और राकेश महाजन ने श्रीनगर स्थित विधानसभा सचिवालय परिसर में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना, विपक्ष के नेता सुनील शर्मा और पार्टी के कई विधायक मौजूद थे।

राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने से पहले आज भाजपा और नेकां नेताओं के बीच छिड़े वाकयुद्ध के कारण राजनीतिक माहौल गर्मा गया। दोनों दलों

के नेताओं ने एक दूसरे को कठपुतली करार दिया था। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए उस पर पूरी तरह से नेशनल कांफ्रेंस के अधीन होने और केंद्र शासित प्रदेश में किसी भी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान का अभाव होने का आरोप लगाया। भाजपा पर पलटवार करते हुए, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में भाजपा नेताओं ने खुद को नई दिल्ली की कठपुतली बना लिया है और ऐसा लगता है कि महबूबा मुफ़्ती भी उनके सुर में सुर मिला रही हैं।

एनसीपी के नेता एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आगामी राज्यसभा चुनाव स्पष्ट रूप से यह उजागर कर देगा कि कौन से राजनीतिक दल और विधायक भाजपा के साथ हैं और कौन वास्तव में विपक्ष में हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा पर आरोप लगाया कि उसके पास बहुमत नहीं है, फिर भी वह एजेंसियों, धनबल और दबाव के जरिए सीटें जीतने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास केवल 28 विधायक हैं, ऐसे में अगर वह 3 सीटें जीतती है तो यह खरीद-फरोख्त का साफ संकेत होगा।

दूसरी तरफ, राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर की दो रिक्त विधानसभा सीटों, बडगाम और नगरोटा के लिए उपचुनावों की तारीख की घोषणा कर दी है। दोनों सीटों के लिए मतदान 11 नवंबर, 2025 को होगा। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। पूरी चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर से पहले पूरी हो जाएगी। बडगाम निर्वाचन क्षेत्र मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे के बाद खाली हुआ था, जबकि नगरोटा सीट वरिष्ठ नेता देवेंद्र सिंह राणा के निधन के बाद खाली हुई थी। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है, जिसके बाद 22 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 24 अक्टूबर तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं।

बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे के लद्दाख को है सरकार से मरहम का इंतजार : कांग्रेस

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने कहा है कि जिस मंगोलिया के राष्ट्रपति उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में है वहां के लोगों में लद्दाख के बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे अत्यंत लोकप्रिय हैं लेकिन उनका लद्दाख इन दिनों उद्वेलित है और सरकार से मरहम की प्रतीक्षा में है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश मंगोलिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा का जिक्र करते हुए लद्दाख का मुद्दा उठाया और कहा कि केंद्र सरकार को लद्दाख के लोगों की मांग पर विचार कर उनकी समस्या का समाधान करना चाहिए।

उन्होंने कहा, मंगोलिया के राष्ट्रपति आज एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली पहुंच चुके हैं।

भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंध वर्ष दिसंबर 1955 में स्थापित हुए थे। भारत ने अक्टूबर 1961 में मंगोलिया को संयुक्त राष्ट्र में शामिल कराने में अहम भूमिका निभाई थी। इस रिश्ते में निर्णायक मोड़ तब आया जब प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अक्टूबर 1989 में लद्दाख के अत्यंत लोकप्रिय एवं सम्मानित बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे को मंगोलिया में भारत का राजदूत नियुक्त किया। उन्होंने जनवरी 1990 में पदभार संभाला और असामान्य रूप से दस वर्षों तक वहाँ भारत के राजदूत रहे।

श्री रमेश ने कहा कि 1990 में साम्यवाद के पतन के बाद मंगोलिया को उसकी बौद्ध विरासत से दोबारा जोड़ने और उसे पुनर्जीवित करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। मंगोलिया में आज भी उन्हें एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के रूप में सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाता है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा कुशोक बकुला रिनपोछे का सम्मान किया है और यही वजह है कि 20 जून 2005 को प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने लेह हवाई अड्डे का नाम बदलकर कुशोक बकुला रिनपोछे हवाई अड्डा रखा और उन्हें आधुनिक लद्दाख के शिल्पकार के रूप में सम्मानित किया। बौद्ध धर्म का पुनर्जागरण- न केवल मंगोलिया और पूर्व सोवियत संघ में, बल्कि भारत में भी -काफ़ी हद तक उनके प्रयासों का परिणाम है।

कांग्रेस नेता ने कहा, आज 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे का लद्दाख देश से मरहम की प्रतीक्षा कर रहा है, ख़ास तौर पर उस पार्टी के नेतृत्व से जिसने 2020 के स्थानीय हिल काउंसिल चुनावों के अपने घोषणापत्र में छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा का वादा किया था,लेकिन अब वह सत्ता में हो कर उसे पूरा करने से पीछे हट रही है।

स्कूली छात्र करेंगे विकसित और समृद्ध भारत का निर्माण : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 2047 तक विकसित भारत का सपना 'विकसित भारत बिल्डथॉन' (वीबीबी) जैसे परिवर्तनकारी प्रयासों के माध्यम से साकार होगा और हमारे प्रतिभाशाली स्कूली छात्र एक विकसित एवं समृद्ध भारत का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

श्री प्रधान ने आज यहां विकसित भारत बिल्डथॉन (वीबीबी) 2025 का उद्घाटन करते हुये अपने संबोधन में इस विशाल स्कूल नवाचार पहल में उत्साहपूर्वक भागीदारी के लिए देश भर के तीन लाख से अधिक स्कूलों और प्रतिभागी छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कट्टरपंथियों ने हिंदू युवक को गला रेत कर मार डाला

नफीस, अब्दुल, असद समेत 8 गिरफ्तार

अलीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के जवां थाना क्षेत्र में 18 साल के युवक करन सिंह पुत्र मेघ सिंह की कुछ मुस्लिम युवकों ने बेरहमी से चाकू मार कर हत्या कर दी। यह हत्या तब हुई जब करन ने एक बीमार मुस्लिम महिला की मदद की थी, जो उन्हें नागवार गुजरी।

करन नोएडा में मजदूरी करता था और छुट्टी लेकर घर आया था। तेजपुर में एक बीमार मुस्लिम महिला को नर्सिंग होम से दवा दिलाने से कट्टरपंथियों को मिर्ची लग गई। उन्होंने करन को अगवा कर लिया और एक खंडहर में ले जाकर उसका गला रेत डाला। घटना की सूचना पुलिस को रात 12 बजे मिली। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और इलाके में तनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। मृतक के परिवार और स्थानीय लोगों ने थाने का घेराव कर हंगामा किया।

पुलिस ने कुछ ही घंटों में हत्या में शामिल नफीस खान, शमशाद खान, असद खान, इदरीस समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और कानूनी कार्रवाई के बाद उन्हें जेल भेजा जाएगा।

मोदी ने मजबूत हो रही अर्थव्यवस्था के आत्मविश्वास पर पुरी का लेख किया साझा

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का एक लेख साझा किया है जिसमें व्यापकता, कौशल और आत्मनिर्भरता के माध्यम से विकास के प्रति भारत के विशिष्ट दृष्टिकोण का उल्लेख किया गया है।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर उनका लेख साझा करते हुए लिखा, ' श्री पुरी ने इस लेख में इस बात पर प्रकाश डाला है कि जहां विकसित देश सीमित हो रहे हैं वहीं भारत व्यापकता, कौशल और आत्मनिर्भरता के माध्यम से एक अलग रास्ता अपना रहा है।

उन्होंने कहा कि सुधार, डिजिटल नवाचार और युवा कार्यबल भारत को विश्व के विकास इंजन के रूप में उभरने में सहायता कर रहे हैं।'

श्री पुरी ने एक अंग्रेजी दैनिक में लिखा 'जैसे पूरे भारत में दीपक जलाए जाते हैं, रामायण का एक कालातीत दृश्य हमारे वर्तमान को बयां करता है।

हनुमान अपनी ताकत के बारे में अनिश्चित होकर समुद्र के किनारे खड़े हैं, जब तक जाम्बवंत उन्हें याद नहीं दिलाते कि उनके पास क्या है। इसके बाद जो छलांग लगती है वह कोई चमत्कार नहीं है बल्कि आत्म-विश्वास का प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय अर्थव्यवस्था को इसी के लिए तैयार कर रहे हैं - एक ऐसी अर्थव्यवस्था जो वैश्विक उथल-पुथल से उबरने के लिए अपने आंतरिक शक्ति जुटा रही है। जैसे-जैसे दुनिया नये वीजा बाधाओं और टैरिफ के कारण सिमट रही है, वहीं श्री मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को व्यापक रूप देकर प्रतिकूल परिस्थितियों में आगे बढ रहा है।

चित्रकूट में ईसाई धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़

बजरंग दल की सूचना पर 2 गिरफ्तार, एक फरार

चित्रकूट (यूपी), 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में पुलिस ने रायपुरा थाना क्षेत्र के घुनुवा गांव में एक ईसाई धर्मांतरण रैकेट को नाकाम किया। यह कार्रवाई तब हुई जब विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इलाके में हो रहे जबरन धर्मांतरण की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने दो पुरुषों को गिरफ्तार किया, जबकि एक आरोपी फरार हो गया। मौके से ईसाई धार्मिक साहित्य भी जब्त किया गया। बजरंग दल के जिला सह-समन्वयक शिवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इलाके में करीब 40 प्रतिशत गरीब हिंदू पहले ही ईसाई मजहब में परिवर्तित हो चुके हैं। बजरंग दल की तरफ से पुलिस को जानकारी मिली कि घुनुवा गांव में भारत वर्मा के घर पर धर्मांतरण को लेकर बैठकें हो रही हैं। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रायपुरा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत घर पर छापा मारा और दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कई लोग मौके से भाग निकले। शुरुआत में पुलिस ने पूछताछ के लिए सात लोगों को हिरासत

में लिया। शुरुआती पूछताछ के बाद चार ग्रामीणों को छोड़ दिया गया। तीन लोगों पर स्थानीय लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए पैसे देने का आरोप लगा। मौके से पुलिस ने कई नोटबुक और ईसाई मजहब से संबंधित धार्मिक सामग्रियां जब्त कीं।

छापे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने घुनुवा गांव के भारत वर्मा और रामविशाल तथा मौ थाना क्षेत्र के हटवा गांव के महेश पर आरोप लगाया कि वे करीब एक साल से उन्हें जबरन ईसाई मजहब अपनाने के लिए मजबूर कर रहे थे। आरोपितों ने पैसे देने के साथ-साथ हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां भी कीं। आरोपित गरीब हिंदू परिवारों को प्रभावित करने के लिए प्रार्थना बैठकें और बाइबल की कहानियां सुनाने के कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे।

बजरंग दल के शिवेंद्र सिंह और अश्विनी तिवारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में बताया गया कि भारत वर्मा, रामविशाल और महेश की मदद से एक साल से अधिक समय से प्रार्थना बैठकें आयोजित कर रहा था। इन लोगों ने गरीब हिंदू परिवारों को पैसे देकर ईसाई मजहब में परिवर्तित किया। बैठकों के दौरान वे हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते और ईसा मसीह की तारीफ करते थे। पता चला कि चित्रकूट में कई ईसाई और इस्लामिक समूह धर्मांतरण रैकेट में शामिल हैं। स्थानीय गरीब हिंदू आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा पहले ही ईसाई धर्म में परिवर्तित हो चुका है। हम उनके लिए घर वापसी का प्रयास कर रहे हैं,

रायपुरा थाना के थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर विनोद शुक्ला ने पुष्टि की कि दो आरोपियो भारत वर्मा और रामविशाल सविता को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। तीसरा आरोपी महेश फरार हो गया है और उसे पकड़ने के लिए तलाश शुरू कर दी गई है। जब्त किए गए मजहबी साहित्य की जांच की जा रही है और ग्रामीणों के बयान दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले ने स्थानीय लोगों में चिंता पैदा कर दी है और दक्षिणपंथी समूह जिले में गैरकानूनी धर्मांतरण गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मुस्लिम लड़की से शादी की तो हिंदू युवक पर किया जानलेवा हमला

मुजफ्फरनगर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में जसोई गांव में एक युवक सूरज पर उसकी मुस्लिम बीवी के परिजनों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया। यह हमला तब हुआ जब सूरज ठाकुर दुकान के काम से अपने भाई के साथ बाहर गया था। हमले में सूरज और उसके भाई गंभीर रूप से घायल हुए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और सूरज को मेरठ रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि सूरज ठाकुर और अर्शी ने 1.5 साल पहले कोर्ट मैरिज की थी और उनकी एक बेटी भी है। युवती के परिजनों ने शादी को नागवार मानते हुए बदला लेने की योजना बनाई। हमले का पूरा घटनाक्रम पास की दुकान के सीसीटीवी में कैद हो गया है। यह सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है। सूरज के परिवार ने हमलावर नसीम अलवी, वकार, नईम, कयूम, कैफ और अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया।

मौलाना ने हिंदू युवक का धर्मांतरण कर मुस्लिम युवती से कराया निकाह

प्रयागराज, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रयागराज में झूंसी थाना क्षेत्र में एक धर्मांतरण का मामला सामने आया है। आरोपी मौलाना हिदायतुल्लाह ने हिंदू युवक राम बिहारी का धर्म परिवर्तन कराकर उसका नाम ताज मोहम्मद रखा और मुस्लिम युवती सलमा से उसका निकाह करा दिया।

हिदायतुल्लाह भी मूल रूप से हिंदू था जिसने करीब 40 साल पहले इस्लाम धर्म अपना लिया और प्रयागराज आकर मौलाना बन गया। यहां वो मुस्लिम बच्चों को उर्दू पढ़ाने के साथ-साथ हिंदू युवकों को बहला-फुसलाकर धर्मांतरित कर मुस्लिम लड़कियों के साथ उनका निकाह करवाता था। मामला तब सामने आया जब झूंसी के एक अधिवक्ता ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने राम बिहारी का नाम बदलकर निकाह कराने की बात कबूल की। तलाशी में उसके पास से फर्जी निकाह सर्टिफिकेट, मुहरें और दस्तावेज बरामद हुए।

बरेली हिंसा प्रकरण: पेट्रोल बम से दहशत फैलाने वाला आरिफ गिरफ्तार

बरेली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बरेली हिंसा के मामले में पुलिस ने फरार आरिफ को गिरफ्तार कर लिया। आरिफ ने ही 26 सितंबर को शाहमत गंज में हिंसा के दौरान पुलिस टीम पर पेट्रोल बम से हमला किया था। बरेली पुलिस ने कहा कि इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के उकसाने पर हुई हिंसा में आरिफ ने अहम भूमिका निभाई। उसके खिलाफ कई गंभीर आरोप दर्ज किए गए हैं। पूछताछ में आरिफ ने स्थानीय नगर पार्षद और तौकीर रजा के करीबी अनीस सकलैनी का सहयोगी होने की बात स्वीकार की। आरिफ ने कबूल किया कि अनीस ने उसे स्थानीय युवकों को विरोध प्रदर्शन में लाने का निर्देश दिया था, जहां उन्होंने भड़काऊ नारे लगाए थे। बारादरी थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) धनंजय पांडेय के अनुसार समूह ने हथियार लेकर इस्लामिया ग्राउंड की ओर मार्च करने की कोशिश की, लेकिन शाहमतगंज में पुलिस ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने कहा कि आरिफ ने अन्य लोगों के साथ कथित तौर पर पुलिस अवरोधक तोड़ दिए और अधिकारियों से दुर्व्यवहार किया।

मीट कारोबारियों पर इनकम टैक्स का छापा

संभल, बरेली और हापुड़ में मीट माफियाओं के यहां ली गई तलाशी

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में मीट कारोबारियों पर इनकम टैक्स और जीएसटी की टीमों ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार की सुबह संभल, बरेली और हापुड़ में एक साथ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई दिल्ली से आई टीम ने की, जिसमें आयकर विभाग, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और जीएसटी के अफसर शामिल थे।

छापेमारी के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीएसी भी तैनात की गई थी। संभल में हाजी इमरान और हाजी इरफान के ठिकानों पर छापा पड़ा, जो कि इरफान इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी का मालिक है। दोनों भाइयों का करीब एक हजार करोड़ रुपए का कारोबार बताया जा रहा है। टीम ने उसके घर और फैक्ट्री के साथ-साथ कंपनी के चार कर्मचारियों के घरों पर भी छापेमारी की।

वहीं बरेली में मीट कारोबारी शकील कुरैशी के मार्या फ्रोजन स्लॉटर हाउस पर छापा मारा गया। संभल में जिस बिल्डिंग में इंडियन फ्रोजन फूड चलती है, वह शकील कुरैशी की ही है। इसके अलावा हापुड़ में हाजी यासीन के घर और फैक्ट्री पर छापेमारी हुई। उसकी मीट फैक्ट्री गाजियाबाद में है। इसके अलावा हापुड़ में ही कारोबारी असलम कुरैशी और वकील नितिन गर्ग के घर पर भी छापा पड़ा है। ये दोनों हाजी यासीन की कंपनी से जुड़े हुए हैं।

बसपा नेता आकाश आनंद पर बौखलाए अखिलेश

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लखनऊ में बीते दिनों हुई बसपा की सफल रैली के बाद सपा नेता अखिलेश यादव बौखला उठे हैं। बसपा नेता आकाश आनंद पर अखिलेश निशाने साध रहे हैं।

बौखलाहट में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा-बसपा में अंदरूनी साठगांठ का आरोप लगाना शुरू कर दिया। यह भी कहा कि बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की जरूरत भाजपा को ज्यादा है। इसे इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि आकाश आनंद बसपा में मायावती के उत्तराधिकारी के तौर पर लिए जाते हैं। वे मायावती के भतीजे हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने 9 अक्टूबर को अपनी रैली में सपा के पीडीए अभियान पर खुलकर निशाना साधा था।

सपा और बसपा ने वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था और उसके बाद से अखिलेश यादव, मायावती या उनके परिवार के राजनीतिक सदस्यों पर सीधा हमला करने से बचते रहे हैं। इसलिए जब अखिलेश ने आकाश आनंद को लेकर अपने एक्स एकाउंट पर टिप्पणी की तो इसके राजनीतिक निहितार्थ तलाशे जाने लगे। इस बयान से साफ है कि सपा अध्यक्ष अब बहुजन समाज पार्टी पर सीधे राजनीतिक हमले के मूड में हैं। राजनीति के जानकार कहते हैं कि सपा अच्छी तरह समझती है कि वर्ष 2027 के चुनाव में सत्ता तक पहुंचने के लिए दलित मतदाताओं का साथ जरूरी है। कभी दलित वोट बैंक पर बसपा का दबदबा रहा है, लेकिन पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने इसमें अच्छी खासी सेंध लगाई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा भी दलितों का वोट पाने में सफल रही।

इसलिए अखिलेश ने पार्टी नेताओं को दलितों के बीच सक्रियता बढ़ाने का न सिर्फ संदेश दिया है, बल्कि जहां कहीं भी दलितों के साथ अत्याचार हो रहा है, उसे प्रमुखता से उठाने का फैसला भी किया है। रायबरेली में वाल्मीकि युवक की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। हालांकि, आकाश आनंद पर अखिलेश की टिप्पणी का भाजपा के किसी प्रमुख नेता की ओर से कोई जवाब नहीं आया है।

निजीकरण के खिलाफ बिजलीकर्मियों ने किया आर-पार की लड़ाई का ऐलान

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी में बिजली के निजीकरण के प्रयास के खिलाफ बिजलीकर्मियों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ ने लखनऊ में रविवार को मंथन शिविर का आयोजन किया। इसमें संकल्प लिया गया कि निजीकरण प्रस्ताव किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके खारिज होने तक लड़ाई जारी रहेगी। साथ ही दीपावली पर उपभोक्ताओं को भरपूर बिजली मुहैया कराने का संकल्प लिया गया। इसके लिए 16 अक्टूबर को सभी जिलों में संघ की आमसभा का निर्णय लिया गया।

शिविर में अभियंताओं ने अब तक चले आंदोलन पर चर्चा की और पावर कारपोरेशन की कार्यप्रणाली की निंदा की। कहा, कारपोरेशन प्रबंधन उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी कर रहा है।

कभी स्मार्ट मीटर तो कभी निजीकरण के नाम पर शोषण किया जा रहा है। इसका भी हर स्तर पर विरोध होगा। निजीकरण के विरोध में आंदोलन और तेज करने का निर्णय लिया गया। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने पावर कारपोरेशन की ओर से पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण के बाद कर्मचारियों दिए जा रहे तीनों विकल्पों पर चर्चा की। इसके बाद सर्वसम्मति से तीनों विकल्पों को खारिज कर दिया गया। संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर, आलोक श्रीवास्तव, जगदीश पटेल आदि ने लखनऊ की व्यवस्था फ्रेंचाइजी के जरिए चलाने की निंदा की।

प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर विरोध के सुर तेज होते जा रहे हैं। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद सहित अन्य संगठनों ने इसका हर स्तर पर विरोध करने का ऐलान किया है। क्योंकि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) में उपभोक्ताओं को दिए गए प्रीपेड और पोस्टपेड के विकल्प चुनने के अधिकार में किसी तरह के बदलाव का प्रस्ताव नहीं दिया गया है। इसके बाद भी बिजली कंपनियां संशोधन विधेयक का हवाला देकर उपभोक्ताओं के अधिकार का हनन कर रही हैं।

प्रदेश में अब तक लगभग 43.44 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं। करीब 20.69 लाख उपभोक्ताओं के मीटर को बिना उनकी अनुमति लिए ही प्रीपेड में बदल दिया गया है। विभिन्न निगमों की ओर से उपभोक्ताओं को यह दलील दी जा रही है कि संशोधित विधेयक में प्रीपेड स्मार्ट मीटर अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया गया है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) में उपभोक्ताओं को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर का विकल्प चुनने का अधिकार है।

दो दिन पहले जारी संशोधन विधेयक 2025 के प्रस्ताव में इस अधिकार में बदलाव का कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया है।

अलीगढ़ में करवा चौथ की रात को हुई अजीबोगरीब घटना

12 दुल्हनें ले उड़ीं 30 लाख से ज्यादा के जेवरात और नकदी

अलीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

करीब दर्जनभर 12 युवकों की दुल्हन बनीं युवतियां करवा चौथ का पूजन करने के बाद जेवरात और नगदी लेकर गायब हो गईं। अभी तक चार परिवारों ने मुकदमे लिखवा दिए हैं जबकि बाकी आठ भी पुलिस के संपर्क में हैं।

पुलिस का कहना है कि दुल्हनें 30 लाख से अधिक का माल उड़ा ले गईं हैं। पुलिस की टीमें दुल्हनों के घर रवाना हुई हैं। कुछ दुल्हनें बिहार की हैं और कुछ पूर्वी उत्तर प्रदेश की। करवा चौथ के दिन सभी दुल्हनों ने ससुरालियों द्वारा भेंट किए गए जेवरात पहने। महंगी-महंगी साड़ियां भी सबों को दी की गई थीं। इन सभी ने करवा चौथ का व्रत भी रखा था। रात को चांद देखकर व्रत का परायण किया। घरों में पकवान बनाए गए।

इगलास के तीन और अलीगढ़ शहर के एक परिवार द्वारा जो रिपोर्ट दर्ज कराई गई है उसमें कहा गया है कि खाना खाने के बाद परिवार के सभी लोग गहरी नींद में सो गए। उनकी आंख सुबह को ही खुली। उस समय घर पर न तो दुल्हन ही थी और न उसे दिए गए जेवरात।

सासनी गेट के निहाल शर्मा ने दर्ज कराए मुकदमे में कहा है कि उनके बेटे प्रतीक से शादी करने वाली युवती घर से 4 लाख रुपए का कैश और छह लाख रुपए से अधिक के जेवरात ले गई है। वहीं इगलास के मुहल्ला कैलाश नगर के वीर सिंह ने बताया कि उनके बेटे प्रेमवीर से शादी करने वाली दुल्हन दो लाख के जेवरात लेकर गायब हो गई। भौंरा गौरवा के प्रवीन उर्फ कालू और रनवीर उर्फ नैहना ने दर्ज कराए मुकदमे में दो- दो लाख के जेवरात ले जाने की बात कही है। अभी मुकदमे चार परिवारों की तरफ से दर्ज कराए गए हैं। वहीं पुलिस जांच में अन्य आठ परिवारों से भी दो-दो लाख रुपए के जेवरात ले जाने का अनुमान लगाया जा रहा है।

सीओ (प्रथम) मयंक पाठक ने कहा कि शनिवार को दर्ज हुए पहले मुकदमे में नामजद इगलास निवासी मुकेश की पत्नी से पूछताछ की जा रही है। यह महिला बिहार की है। इससे पूछताछ कर भागीं लुटेरी दुल्हनों के पते, मोबाइल नंबर, भागने के ठिकानों आदि के बारे में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। उसी आधार पर आज एक टीम बिहार भेजी जाएगी। बिचौलिये की भी तलाश की जा रही है।

होमगार्ड बनने के नियमों में हुआ बदलाव

शासकीय और अर्द्ध शासकीय कर्मी आवेदन नहीं करेंगे

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी में होमगार्ड बनने के नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब सार्वजनिक, शासकीय व अर्ध शासकीय सेवाओं में नियमित रूप से कार्यरत व्यक्ति आवेदन नहीं कर सकेंगे। नए नियम के तहत अब प्रदेश में होने वाली 44 हजार पदों पर होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती में सार्वजनिक, शासकीय व अर्ध शासकीय सेवाओं में नियमित रूप से कार्यरत व्यक्ति आवेदन नहीं कर सकेंगे। पहले ऐसे कर्मी होमगार्ड बनने के लिए पात्र होते थे। होमगार्ड विभाग ने इसमें बदलाव करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। इसे मंजूरी मिलने के बाद सार्वजनिक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय सेवाओं में कार्यरत कर्मी होमगार्ड भर्ती के लिए बनने वाले एनरोलमेंट बोर्ड में आवेदन के लिए पात्र नहीं होंगे।

होमगार्ड भर्ती के लिए एनरोलमेंट की प्रक्रिया भी तय कर दी गई है। इसके आवेदन जिलेवार ऑनलाइन लिए जाएंगे। एनरोलमेंट वास्तविक रिक्तियों के सापेक्ष होगा जिससे लाखों युवाओं को आवेदन करने का मौका मिलेगा। होमगार्ड विभाग द्वारा तैयार की नई नियमावली में केंद्रीय स्तर पर एनरोलमेंट बोर्ड के गठन कर आवेदन लेने की व्यवस्था की गई है जिसमें 18 वर्ष से 30 वर्ष की आयु वाले ही आवेदन कर सकेंगे। सिर्फ पात्र व्यक्तियों को ही आयु सीमा में छूट दी जाएगी। यदि रिक्तियों की संख्या 11 हजार से अधिक है तो बोर्ड द्वारा वास्तविक रिक्तियों के सापेक्ष आवेदन लिया जाएगा।

आवेदक जिस जिले का निवासी है उसका जिले की रिक्ति के सापेक्ष आवेदन लिया जाएगा। किसी न्यायालय में आपराधिक मुकदमा विचाराधीन होने पर भी वह आवेदन नहीं कर सकेगा। केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा अथवा इन दोनों के स्वामित्व एवं नियंत्रणाधीन किसी निगम या निकाय द्वारा बर्खास्त व्यक्ति भी आवेदन नहीं कर सकेगा।

दरअसल, होमगार्ड संगठन की स्थापना के बाद यह प्रतिष्ठित सेवाओं में शुमार थी। डॉक्टर, प्रोफेसर, पत्रकार समेत तमाम अन्य सेवाओं में कार्यरत लोग वर्दी पहनकर जनता की सेवा करने के उद्देश्य से अल्पकालिक समय के लिए भर्ती होते थे। पहले होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती 50 वर्ष की आयु तक हो जाती थी जिससे इस सुविधा का लाभ तमाम लोग उठाते थे। बाद में इसमें भ्रष्टाचार की शिकायतें आने पर इस पर अंकुश लगाना शुरू कर दिया गया। अब नई नियमावली में इस व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त करने की तैयारी है।

संपादकीय

शिल्पकार वीरभद्र की मूर्ति

एक राजा ने चुना वर्षों टहलना, रिज ने उसे आंचल में बसा लिया। ऐतिहासिक रिज की मूर्ति पर राजनीतिक अवतार के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का सफर बताता रहेगा कि 'निकले थे हम तो खिदमत में तेरी, तूने हमें अपना किरदार बना लिया।' यादगार लम्हे, श्रद्धा के पल और प्रदेश की सहमति अर्जित करके इस पुरुष ने प्रतिमा को प्रदेश का घर बना लिया। मूर्तियों पर बहस हो सकती है या प्रतिमाओं की योग्यता में पौरुष पर चर्चा हो सकती है, लेकिन वीरभद्र सिंह की हस्ती में हिमाचल का एक युग दर्ज होता है। यह युग अपने संघर्ष में विकास के मानदंड चुनते हुए हिमाचली समाज को आदर्श बना देता है, जहां हम साक्षरता के राष्ट्रीय फलक पर उच्च शिखर पर पहुंच जाते हैं। वीरभद्र सिंह दरअसल हिमाचल की संभावनाओं के चित्रकार थे, जिन्होंने विभिन्न संस्थान पैदा करते हुए शिक्षा व चिकित्सा के सफर को दक्षता के दरवाजे पर खड़ा कर दिया। एक जननायक के रूप में वीरभद्र सिंह ने न केवल राजनीति, शासन, प्रशासन व प्रगति के खाके बनाए, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन के नए पैमाने भी तय किए। सियासत से ऊपर उनकी संवेदनशीलता और प्रदेश की क्षमता से आगे उनका शिल्प हिमाचल को राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की अग्रणी पंक्ति तक ले गया। शिमला से प्रदेश के विभिन्न भागों में कार्यालयों का स्थानांतरण, विधानसभा परिसर को तपोवन में सजाने का मंत्र या मुख्यमंत्री के शीतकालीन प्रवास की प्रथा अपनाने जैसे प्रयोगों ने उन्हें समाज के दिल से जोड़ा। शिमला से राजधानी के अक्स को धर्मशाला में शीतकालीन राजधानी पर उतारने के उनके प्रयास से कांगड़ा की राजनीति बेहद प्रभावित रही। उनके आलोचक भी उन्हें हिमाचल के विकास का श्रेय देते हैं। दूसरी ओर राजनीति के प्रभाव व दबाव में उनकी दबंगता से मुकाबिल किश्तियां टूटती रहीं। वह टूटते कांग्रेस के घरौंदे को जीवनपर्यंत बुनते रहे और अपनी महारत से सत्ता में बुलंद रहे। बहरहाल रिज पर वीरभद्र सिंह की याद में कुछ दीप जलते रहेंगे और यह भी कि अपनी सदी की हिस्ट्री में उनका उल्लेख होता रहेगा। हिमाचल की राजनीतिक जागरूकता ने जिन नेताओं को अदब से स्वीकार किया, उनमें वाईएस परमार, वीरभद्र सिंह के अलावा शांता कुमार व प्रेम कुमार धूमल भी अपने-अपने कार्यों, नीतियों और मिजाज के कारण श्रद्धेय हो जाते हैं। ऐसे में रिज अब नेताओं की प्रमाणिकता का ठौर बन रहा है। राजधानी के कलश में पूरे प्रदेश की नदियों का पानी और नेताओं के कद की कहानी का चित्रण दिखाई दे रहा है। प्रदेश के कुछ कालेजों, भवनों व बस अड्डों का नामकरण भी राजनेताओं से जुड़ता है। इसी सरकार में टीएमसी की एक इमारत और धर्मशाला का बस अड्डा पूर्व मंत्री आर एस बाली के नाम का स्मरण करा रहे हैं। ऐसे में हिमाचल के विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों की प्रतिमाएं भी प्रदेश की प्रतिष्ठा के साथ जुडनी चाहिएं। रिज अगर मूर्ति गृह बनने का दिल रखता है, तो जोराबर सिंह व बजीर राम सिंह पठानियां सरीखे योद्धाओं के उल्लेख भी होने चाहिएं। राष्ट्रगान की धुन बनाने वाले कै. राम सिंह और पझौता आंदोलन के नायक वैद्य सूरत सिंह की याद में राज्य स्तरीय सम्मान स्थल चिन्हित होने चाहिएं। नाहन में किंकरी देवी की मूर्ति का रखरखाव न होने से पर्यावरण संरक्षण की देवी के प्रति हमारी श्रद्धा पूरी नहीं होती। हिमाचल में शिक्षाविदों, प्रशासकों, साहित्यकारों, खिलाडियों, चिकित्सकों, कला साधकों व अन्य क्षेत्रों में नाम कमाने वालों की यादगार सेवाओं के लिए भी कुछ तो सम्मान के तराने होने चाहिएं।

यादगार लम्हे, श्रद्धा के पल और प्रदेश की सहमति अर्जित करके इस पुरुष ने प्रतिमा को प्रदेश का घर बना लिया। मूर्तियों पर बहस हो सकती है या प्रतिमाओं की योग्यता में पौरुष पर चर्चा हो सकती है, लेकिन वीरभद्र सिंह की हस्ती में हिमाचल का एक युग दर्ज होता है। यह युग अपने संघर्ष में विकास के मानदंड चुनते हुए हिमाचली समाज को आदर्श बना देता है, जहां हम साक्षरता के राष्ट्रीय फलक पर उच्च शिखर पर पहुंच जाते हैं। वीरभद्र सिंह दरअसल हिमाचल की संभावनाओं के चित्रकार थे, जिन्होंने विभिन्न संस्थान पैदा करते हुए शिक्षा व चिकित्सा के सफर को दक्षता के दरवाजे पर खड़ा कर दिया। एक जननायक के रूप में वीरभद्र सिंह ने न केवल राजनीति, शासन, प्रशासन व प्रगति के खाके बनाए, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन के नए पैमाने भी तय किए। सियासत से ऊपर उनकी संवेदनशीलता और प्रदेश की क्षमता से आगे उनका शिल्प हिमाचल को राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की अग्रणी पंक्ति तक ले गया। शिमला से प्रदेश के विभिन्न भागों में कार्यालयों का स्थानांतरण, विधानसभा परिसर को तपोवन में सजाने का मंत्र या मुख्यमंत्री के शीतकालीन प्रवास की प्रथा अपनाने जैसे प्रयोगों ने उन्हें समाज के दिल से जोड़ा। शिमला से राजधानी के अक्स को धर्मशाला में शीतकालीन राजधानी पर उतारने के उनके प्रयास से कांगड़ा की राजनीति बेहद प्रभावित रही। उनके आलोचक भी उन्हें हिमाचल के विकास का श्रेय देते हैं। दूसरी ओर राजनीति के प्रभाव व दबाव में उनकी दबंगता से मुकाबिल किश्तियां टूटती रहीं। वह टूटते कांग्रेस के घरौंदे को जीवनपर्यंत बुनते रहे और अपनी महारत से सत्ता में बुलंद रहे। बहरहाल रिज पर वीरभद्र सिंह की याद में कुछ दीप जलते रहेंगे और यह भी कि अपनी सदी की हिस्ट्री में उनका उल्लेख होता रहेगा।

कुछ अलग

फटे लिफाफे की पीड़ा

वहां बहुत सारे फटे हुए लिफाफे उस दिन एक-दूसरे के आंसू पौंछ रहे थे। वे सभी अब बेकार और व्यर्थ थे, क्योंकि इनके भीतर से उपहार के पैसे बाहर निकल गए थे। पैसों से भरे लिफाफों की देह भाषा बड़ी नाजुक होती है। जिसने दिया वह इसकी कितनी भी रक्षा कर ले, लेकिन जिसे मिलता है, उसके हाथ में जाते ही कमबख्त टुकड़े-टुकड़े हो जाता है। लिफाफे भी खूब आंख मिचौनी करते हैं। एक-दूसरे से छुप कर खुद की बात करते हैं। लिफाफे आपस में घुलते-मिलते नहीं। अपनी-अपनी अकड़ में रहते हैं। न्याय और निर्णय का भी अब कोई न कोई लिफाफा बंद होने लगा है। फटे हुए लिफाफों को यह समझ नहीं आ रहा था कि उनके बीच सबसे सभ्य, सुशील और धैर्यवान कौन है। वे बहस करने लगे। दफ्तर में चलने वाले लिफाफे ने कहा, 'मैं ही हूं सर्वगुण संपन्न। न देने वाले और न ही मुझे स्वीकार करने वाले के बीच कभी मत भिन्नता हुई। मैं अलिखित समझौतों का वारिस हूं, फिर भी सारे कार्य मेरे कारण ही होते हैं।' दफ्तरी लिफाफा दादागिरी दिखा रहा था। उसने बाकायदा लिफाफों के बीच अपनी सत्ता बना रखी थी। उसके सामने शगुन के लिफाफे खामोश थे। देखने में अति सुंदर और अदब से भरे हुए। उनमें से अधिकांश साबुत थे, लेकिन शांत थे। एक नेता का जन्मदिन मनाकर लौटा शगुन का लिफाफा खुद को नहीं रोक पाया, 'भाई यह मत भूलो कि केवल दफ्तरी लिफाफा ही भारी होता है। हम भी अब नेताओं, सरकारी अफसरों और नौकरशाहों के जन्मदिन, बच्चों की शादियों या शादी की सालगिरहों पर वजन में भारी होने लगे हैं।' शगुन के अन्य फटे जैसे लिफाफे उसे रोक रहे थे। वे तमाम लिफाफों में भाईचारा चाहते थे।

विश्व मानक दिवस- 14 अक्टूबर, 2025

मेरा लेख विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

ललित गर्ग

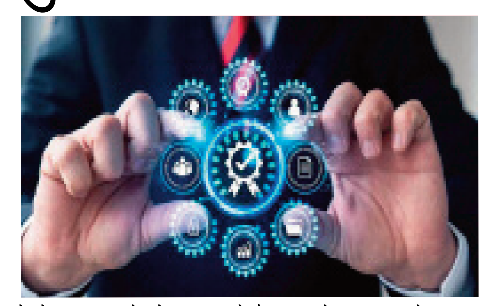

विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह दिवस उस अदृश्य व्यवस्था का उत्सव है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों। यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात्‌ स्वास्थ्य सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम 'सहयोग' है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने हिस्सों के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने इस वर्ष की थीम को 'सतत विकास लक्ष्यः लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी' के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिवस को मनाने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है। यही कारण है कि मानकीकरण को विश्व व्यापार की आत्मा कहा जाता है। इससे केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को भी सुनिश्चित करता है। विश्व मानक दिवस के इस सन्देश के विपरीत आज की राजनीति में कई बार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो विश्व व्यापार और आपसी सहयोग की भावना को कमजोर करते हैं। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई जा रही अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ नीति इसका उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के नाम पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाकर एक प्रकार से व्यापार युद्ध का वातावरण बना दिया है। यह नीति केवल व्यापारिक हितों को नहीं बल्कि वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। टैरिफ की यह दीवारें देशों के बीच अविश्वास बढ़ाती हैं, कीमतों में वृद्धि करती हैं और आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित करती हैं। आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गति धीमी पड़ जाती है। विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बार अपने आर्थिक हितों की आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिकार के रूप में अपने दरवाज़े बंद करने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि जो विश्व पहले एक साझा बाज़ार की ओर बढ़ रहा था, वह फिर से सीमाओं और अविश्वास की जंजीरों में बँधने लगता है। ऐसे में विश्व मानक दिवस यह सन्देश देता है कि दुनिया को जोड़ने का वास्तविक माध्यम व्यापारिक शुल्क नहीं बल्कि मानकीकरण है। मानक देशों को एक साझा धरातल प्रदान करते हैं, जहाँ उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा का विश्वास इतना मजबूत होता है कि किसी अतिरिक्त शुल्क या रोक की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। मानकीकरण दरअसल विश्वास का पुल है जो सीमाओं के आर-पार लोगों, वस्तुओं और विचारों को जोड़ता है। जब एक देश दूसरे देश के मानकों को स्वीकार करता है, तो यह आपसी सम्मान और पारदर्शिता का प्रतीक होता है। इसी प्रक्रिया से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सरलता आती है, सुरक्षा और गुणवत्ता की गारंटी मिलती है और उपभोक्ता हित सुरक्षित रहते हैं। मानकीकरण की यह प्रक्रिया न केवल औद्योगिक या व्यापारिक है बल्कि यह मानवीय भी है। इसके मूल में समानता, निष्पक्षता और सहयोग की भावना निहित है। यह वह दर्शन है जो कहता है कि विश्व एक परिवार है और सबकी भलाई में ही अपनी भलाई है। अतः जब कोई राष्ट्र टैरिफ या प्रतिबंधों की दीवार खड़ी करता है, तो वह इस वैश्विक परिवार के बीच विभाजन की रेखा खींचता है। मानक उन रेखाओं को मिटाते हैं और संबंधों को जोड़ते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि मानकीकरण केवल औद्योगिक मंच तक सीमित न रहे, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय नीति का भी आधार बने। विश्व के सभी देश मानकों के निर्धारण में समान भागीदारी करें ताकि कोई भी राष्ट्र या कंपनी इस प्रक्रिया पर वर्चस्व न जमा सके। छोटे और विकासशील देशों को भी अंतरराष्ट्रीय मानक संस्थाओं में समान अवसर मिले ताकि वे अपने उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से वैश्विक व्यापार में समान रूप से शामिल हो सकें। इसके साथ ही प्रमाणन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना आवश्यक है ताकि छोटे उद्योग भी मानक के अनुरूप अपने उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रस्तुत कर सकें। विश्व मानक दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानवता की प्रगति केवल आर्थिक शक्ति में नहीं बल्कि उस सहयोग और विश्वास में है जो मानकीकरण के माध्यम से संभव होता है। अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ जैसी नीतियाँ क्षणिक राजनीतिक लाभ तो दे सकती हैं, पर वे विश्व के समन्वित विकास और आपसी विश्वास को नष्ट करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि सभी राष्ट्र मानकीकरण की भावना को अपनाएँ और विश्व व्यापार को किसी प्रतिस्पर्धा या प्रतिशोध का माध्यम न बनाकर साझेदारी और साझा उन्नति का माध्यम बनाएँ। मानकीकरण ही वह अदृश्य तंतु एवं बुनियादी आधार है जो दुनिया को एकजुट रखता है। यह न केवल उत्पादन और व्यापार में गुणवत्ता लाता है बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में विश्वसनीयता और सुरक्षा का भाव जगाता है। विश्व मानक दिवस इस विचार का प्रतीक है कि जब तक हम समान मानकों और साझा मूल्यों से नहीं जुड़ते, तब तक विश्व की एकता अधूरी है। इसलिए इस दिवस पर यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि हम ऐसी नीतियों से दूर रहें जो विभाजन उत्पन्न करें, और मानकीकरण की उस साझा राह पर चलें जो सबके लिए विश्वास, सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। संपूर्ण मानक प्रणाली सहयोग पर आधारित है।

विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों। यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया।

देश दुनिया से

अफ़ग़ान महिलाओं के अधिकारों का यक्ष प्रश्न

क्या आप करवा चौथ का व्रत रखती हैं'? यहां कोई गलती न रहे, यह महज एक 'गुगली' है, न कि एक सवाल, जो सालों से उत्तर भारतीय महिलाओं से पूछा जाता रहा है। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि अगर आप रखती हैं तो आपका मजाक बनाया जाएगा (नारीवादियों द्वारा कनखियों से देखते हुए) या अगर नहीं रखती हैं तो भी हिकारत से देखा जाएगा (मध्य वर्गीय भारत के बढ़ते संस्कृतिकरण की वजह से, जिसका मानना है कि किसी भी पहेली का सिर्फ़ एक ही जवाब हो सकता है), बल्कि इसलिए कि यह सवाल अपने आप में संकुचित है। इस पर चुप्पी साधना बेहतर। बढ़िया रहेगा कि रूही तिवारी द्वारा हाल ही में लिखी गई किताब 'महिलाएं क्या चाहती हैं' पढ़ें। सुश्री तिवारी की किताब भारत में 'महिला मतदाता को समझने' के बारे में है, लेकिन सवाल का परिदृश्य बृहद है। अगर आपमें कल्पनाशीलता है, तो आप इसके दायरे को और भी व्यापक बना सकते हैं, जिसमें पड़ोसी अफ़ग़ानिस्तान भी शामिल है, जहां का तालिबान शासन अपनी ही महिलाओं के ख़िलाफ़ सबसे दमनकारी कार्रवाइयां चलाए हुए है। दरअसल, दिल्ली से खबर आई थी कि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी, जो भारत के छह दिवसीय दौरे पर हैं और इस दौरान वे प्रेम के प्रतीक ताजमहल और देवबंद मदरसे का भी दौरा करेंगे, पर उन्होंने बीते शुक्रवार को राजधानी में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसी भी भारतीय महिला पत्रकार की मौजूदगी पर रोक लगा दी। शायद मुत्ताकी को इस बात की चिंता थी कि उन्हें भारतीय महिलाओं के साथ वार्तालाप करते देख स्वदेश में क्या संदेश जाएगा। भले ही प्रेस वार्ता अफ़ग़ान दूतावास में हुई थी, जोकि तकनीकी रूप से अफ़ग़ानिस्तान की धरती है, तालिबान नेता ने अपने देश की आधी आबादी को यह संकेत देने का एक बड़ा मौका गंवा दिया कि अफ़ग़ानिस्तान के इस्लामी अमीरात को अंधकारमय युग से बाहर निकलने का एक और छोटा-सा मौका क्यों दिया जाना चाहिए। क्या पता, भारतीय महिला पत्रकार मुत्ताकी से ऐसा कुछ पूछ बैठतीं जिसका उनके पास कोई जवाब न होता : मसलन, अफ़ग़ान महिलाएं क्या चाहती हैं? और अगर उनकी हसरत अपना हक पाने भर की है, तब कंधार के मुल्ला उन्हें वह क्यों नहीं देते? लेकिन, अगर आप वाकई देखना चाहें, तो तमाम जवाब मौजूद हैं। यह लेखिका अगस्त 2022 में तालिबान द्वारा काबुल पर कब्ज़ा किए जाने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर वहां मौजूद थी, और इंदिरा गांधी बाल चिकित्सालय के आईसीयू में यह देखने गयीं कि महिला नर्सें और डॉक्टर सबसे कठिन मामलों से कैसे निबटते हैं। आईसीयू साफ़ और सैनिटाइज़्ड था। महिला डॉक्टरों और नर्सों ने वर्दी पहनी हुई थी, लेकिन चेहरे ढके हुए नहीं। वहां वे जान बचाने को थीं, खासकर जिंदगी की लड़ाई लड़ते नवजात शिशुओं की, इसलिए नहीं कि वे महिला थीं, बल्कि इसलिए कि उनके पास ये कौशल, विशेषज्ञता व प्रतिबद्धता थी। दिल्ली में, निश्चित रूप से, भारत और अफ़ग़ान शासन, महिला पत्रकारों को दूर रखने के मामले को रफ़ा-दफ़ा कर इस पर विवाद न्यूनतम रखना चाहेंगे और सभी से चीज़ों को व्यापक परिदृश्य के मुताबिक देखने का आग्रह करेंगे- यानी भारत तालिबानों के रवैये को लेकर अपने एतराजों से पीछे हट चुका है और अब काबुल में अपने राजनयिक मिशन को पूर्ण दूतावास में अपग्रेड करेगा। यह न केवल पड़ोस को लेकर भारत की नीति में वाकई बड़ा कदम, बल्कि व्यावहारिकता की ओर स्वागत योग्य वापसी का संकेत भी है। दुःखद यह कि अफ़ग़ानिस्तान के मामले में अपनी गलतियों को समझने में भारत सरकार को करीब एक दशक लग गया। भारत ने अमेरिकियों, खासकर काबुल में अफ़ग़ान मूल के पूर्व अमेरिकी राजदूत ज़ल्माय खलीलज़ाद से अति प्रभावित होकर भुला दिया कि इस क्षेत्र में उसकी स्थिति कितनी मज़बूत है। होना चाहिए था कि अमेरिका भारत के इस ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य व मौजूदा विश्लेषणों पर निर्भर रहता, जबकि हुआ उलट। अफगान परिदृश्य में सत्ता वितरण में भारत को भूमिका निभानी चाहिए थी - सबसे पहले, हामिद करज़ई और अब्दुल्ला अब्दुल्ला के बीच सत्ता संघर्ष सुलटाने में मदद करके; फिर जब अशरफ़ ग़नी को अमेरिकी स्थापित कर रहे थे, तो उन्हें बताना चाहिए था कि यह गलत निर्णय है; लेकिन जब ग़नी काबुल की गद्दी पर बैठ ही गए, तो भारत को चाहिए था कि उभरते तालिबान के ख़िलाफ़ एक गठबंधन बनाने में मदद करे, सभी पक्षों में समझौता कराने को उदारवादी तालिबान से भी बात कर सकता था। इस बीच दिल्ली में चर्चा चली कि देखा भारत ने कितनी चतुराई से तालिबान को अपने पाले में कर लिया है! जबकि विडंबना है कि तालिबान तो बहुत पहले से भारत के साथ आने को तैयार था। काबुल या अफ़ग़ानिस्तान में किसी भी तालिबान परस्त या गैर-तालिबान अफ़ग़ान से बात कीजिए, चाहे वह पुरुष हो या महिला, पश्तून, ताजिक या हज़ारा, तो आपको अफ़ग़ानों में भारतीयों के प्रति अविश्वसनीय स्नेह-सम्मान महसूस होगा। करवा चौथ या ऐसे दृश्यों से इतर, बॉलीवुड के नायक और नायिकाएं आज भी वहां बहुत लोकप्रिय हैं। यह न भूलें कि तालिबान भी अफ़ग़ान हैं - हामिद करज़ई से यदि बात करें तो वे आपको हर बार इस मूल सच की याद दिलाते हैं। इसका अहम पहलू यह कि वास्तव में उन्हें अरबों के रहमो-करम पर रहना मंजूर नहीं। यह सवाल कि ओसामा बिन लादेन तोरा बोरा की पहाड़ियां छोड़ एबटाबाद में, पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान से चंद कदम दूर, रहने क्यों आया, इसके अपने जवाब हैं। सच तो यह कि भारतीय विदेश मंत्रालय मौजूदा स्थिति पर पहुंचने को कई जटिल मोड़ों से गुज़रा - यानी भारत व अफगानिस्तान के बीच सदियों पुराना ख़ास रिश्ता है। यहां, दूसरा सच है : भारत अपने ही पास-पड़ोस से दूर हो गया और दूसरे देशों को बढ़त पाने का मौका दिया। चीन, रूस, अमेरिका और पाकिस्तान, भारतीय उपमहाद्वीप में ये सब अहम खिलाड़ी हैं –काराकोरम पर्वत श्रृंखलाओं से लेकर हिंद महासागर तट पर कॉक्स बाज़ार तक फैले, इन सभी देशों से बने इलाके में - जहां उनकी भूमिका का स्वागत है वहीं दूसरी ओर भारत को इस क्षेत्र में अपने प्रमुख स्थान पर लौटना होगा। आमिर ख़ान मुत्ताक़ी की मेज़बानी कर पहला कदम उठाया जा चुका है। दूसरा होना चाहिए, हेरात, जलालाबाद, कंधार और मजार-ए-शरीफ स्थित भारत के वाणिज्य दूतावास फिर खोलना - जिन्हें किसी न किसी बहाने बंद कर दिया था, पहले ज़्यादातर अमेरिकी दबाव में और बाद में, 2021 में तालिबान के कब्ज़े के डर से। कदाचित्, विदेश मंत्रालय को अपनी कुछ बेहतरीन महिला राजनयिकों को इन वाणिज्य दूतावासों में तैनात करना चाहिए, ठीक वैसे जैसा 2001 में किया गया था जब अफ़ग़ानिस्तान-पाकिस्तान मामलों को देखने वाली तेजतर्रार राजनयिक विजय ठाकुर सिंह को 9/11 के हमलों के बाद, अमेरिका द्वारा तालिबान को बमबारी कर घुटनों पर लाने के बाद के काल में, काबुल भेजा गया था– उनके साथ गौतम मुखोपाध्याय, रुद्रेंद्र टंडन के अलावा बतौर भारतीय राजदूत विवेक काटजू थे; काटजू इन दिनों द ट्रिब्यून के स्तंभकार भी हैं, वे दिसंबर 1999 में उस टीम का हिस्सा भी थे, जिसने आईसी-814 के यात्रियों की सुरक्षित घर वापसी के लिए कंधार की हवाई पट्टी पर हफ़्ताभर तालिबान के साथ मोल-तोल किया था। कौन कहता है कि भारत तालिबान को नहीं जानता? काबुल में एक भारतीय राजदूत की नियुक्ति कोई मुश्किल काम नहीं है।

आप का नजरिया

नोबेल से अहम 'शांतिदूत'

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलना 'एंटी क्लाइमेक्स' रहा। उन्हें यह सर्वोच्च सम्मान मिलना ही नहीं था, क्योंकि उनका नामांकन ही नहीं था। राष्ट्रपति ट्रंप निराश न हों और गुस्से में 'व्हाइट हाउस' से तल्ख प्रतिक्रियाएं बंद होनी चाहिए। नोबेल पुरस्कार के बीते 125 सालों में, सिर्फ 143 पुरुषों और महिलाओं को छोड़ कर, असंख्य दावेदार यह पुरस्कार हासिल करने में नाकाम रहे हैं। वे पराजित नहीं हुए और न ही बैठ गए, बल्कि अपने मिशन में पागलों की तरह जुट गए। अंततः कुछ नोबेल पुरस्कार पाने में सफल रहे। बेशक नोबेल पुरस्कार सर्वोच्च और दुर्लभ सम्मान है, तो अमरीकी राष्ट्रपति होना भी 'दुर्लभतम' है। अमरीकी समाज में लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन करने का संवैधानिक अधिकार भी 'सर्वोच्च स्तर' का है। राष्ट्रपति के खिलाफ भी आंदोलित भीड़ सडक़ों पर सामान्य तौर पर देखी जा सकती है। लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप तालियां बजाएं और खुश रहें और युद्ध समाप्त करवा शांति स्थापित कराने, असंख्य जिंदगियां बचाने और प्रताड़ित, पीड़ित, विस्थापित लोगों के पुनर्वास के अत्यंत मानवीय मिशन में जुट जाएं। बेशक भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, लेकिन वह नोबेल शांति पुरस्कार पाने के उतावलेपन के मद्देनजर लगातार झूठा और खोखला दावा करते रहे। बहरहाल रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप ने गंभीर शांति-प्रयास किए हैं, यह रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी मानते हैं। पुतिन का यह भी मानना है कि नोबेल पुरस्कार अब अपनी प्रतिष्ठा खो चुके हैं। ट्रंप कंबोडिया, थाईलैंड, अर्मीनिया आदि देशों के युद्धों पर भी नकली दावे करते रहे हैं। ईरान-इजरायल युद्ध के दौरान, यदि, अमरीका अपनी भारी और विनाशकारी बमबारी न करता, तो न जाने उस युद्ध के नतीजे क्या होते? ईरान-इजरायल की व्यापक तबाही और बर्बादी हो सकती थी! प्रख्यात उपन्यासकार जॉर्ज ओरवेल ने अपने उपन्यास '1984' में एक विरोधाभासी नारा लिखा था- युद्ध ही शांति है। स्वतंत्रता गुलामी है। युद्ध की स्थिति में नागरिक शांति और सुरक्षा का अनुभव करते हैं। ऑरवेल यह भी कहना चाहते थे कि दरअसल शांति ही युद्ध है। दक्षिण अमरीकी देश वेनेजुएला में विपक्ष की नेता और तानाशाही ताकतों के खिलाफ लोकतंत्र के लिए लडऩे वाली मारिया मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना गया है। ऑरवेल के कथन को उनके संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। बहरहाल इस साल नोबेल शांति के लिए 338 नामांकन स्वीकारे गए। राष्ट्रपति ट्रंप! यह याद रखें कि यदि आपने किसी भी युद्ध को समाप्त कराने की कोशिश भी की है, तो यकीनन वह निस्वार्थ सेवा है। इस पर सोचते हुए आप अपने शांति-प्रयासों पर गर्व महसूस कर सकते हैं। नोबेल कमेटी भी 2026 में सोचने को बाध्य होगी कि वाकई शांति के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। यदि फिलिस्तीन की गाजा पट्टी में वाकई युद्धविराम लागू हुआ है। पीड़ित, उजड़े हुए लोग अपने घरों को लौट रहे हैं। फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के चेहरों पर खुशी और राहत साफ दिख रही हैं, तो उसका बुनियादी श्रेय राष्ट्रपति ट्रंप को दिया जाना चाहिए। उन्होंने ही कूटनीति और दबाव से अरब देशों को मनाया, शांति समझौते के लिए तैयार किया और इजरायल, हमास को भी अपने सूत्र मानने को विवश किया। गाजा में करीब 2 लाख टन बारूद विस्फोटित किया जा चुका है। हिरोशिमा पर जो परमाणु बम गिराया गया था, वैसे 13 परमाणु बमों से विनाश किया जा चुका है। प्रत्येक 10 में से 1 आदमी की या तो मौत हो चुकी है अथवा वह घायल है। 64,000 से अधिक मौतें हुई हैं। औसतन 10 में से 9 लोग बेघर हैं। संयुक्त राष्ट्र के डाटा के मुताबिक, 1,02,067 इमारतें तबाह हो चुकी हैं। 10 में से 9 घर मिट्टी-मलबा हो चुके हैं। खेतों की औसतन 10 में से 8 एकड़ जमीन बंजर हो चुकी है। करीब 5.4 करोड़ टन मलबा हटाने में कमोबेश 10 साल लग सकते हैं। करीब 90 फीसदी साफ पानी और ड्रेनेज बर्बाद हो चुके हैं। औसतन 6 लीटर पानी प्रतिदिन प्रति व्यक्ति के लिए शेष है। 38 में से 25 बड़े अस्पताल मलबा हो चुके हैं। यदि ऐसे इलाके में शांति बहाल कराई जाती है, राहत सामग्री लगातार मिलती है, हमास और इजरायल अपने वायदों को निभाते हैं, तो शांति पुरस्कार ऐसे विराट काम के सामने बौना है। बहरहाल इस बार ट्रंप के बजाय किसी और को शांति का नोबेल देने का तात्पर्य यह भी है कि इस मामले में स्वतंत्र चयन की सोच रहती है।

राष्ट्रपति ट्रंप निराश न हों और गुस्से में 'व्हाइट हाउस' से तल्ख प्रतिक्रियाएं बंद होनी चाहिए। नोबेल पुरस्कार के बीते 125 सालों में, सिर्फ 143 पुरुषों और महिलाओं को छोड़ कर, असंख्य दावेदार यह पुरस्कार हासिल करने में नाकाम रहे हैं। वे पराजित नहीं हुए और न ही बैठ गए, बल्कि अपने मिशन में पागलों की तरह जुट गए। अंतत: कुछ नोबेल पुरस्कार पाने में सफल रहे। बेशक नोबेल पुरस्कार सर्वोच्च और दुर्लभ सम्मान है, तो अमरीकी राष्ट्रपति होना भी 'दुर्लभतम' है। अमरीकी समाज में लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन करने का संवैधानिक अधिकार भी 'सर्वोच्च स्तर' का है। राष्ट्रपति के खिलाफ भी आंदोलित भीड़ सडक़ों पर सामान्य तौर पर देखी जा सकती है। लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप तालियां बजाएं और खुश रहें और युद्ध समाप्त करवा शांति स्थापित कराने, असंख्य जिंदगियां बचाने और प्रताड़ित, पीड़ित, विस्थापित लोगों के पुनर्वास के अत्यंत मानवीय मिशन में जुट जाएं।

दृष्टि कोण

मुक्त व्यापार समझौतों की नई अहमियत

इस समय भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से निर्यात और निवेश बढऩे का अभूतपूर्व परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत के द्वारा मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए की प्रगति से संबंधित जो नए आंकड़े प्रकाशित हुए हैं, उनके मुताबिक जहां इन देशों के साथ व्यापार तेजी से बढ़ा है, वहीं इन देशों में निर्यात भी बढ़े हैं। हाल ही में 8-9 अक्टूबर को भारत दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विगत 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच एफटीए के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण रणनीतिक विचार मंथन किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए से मिलने वाले अवसर बेजोड़ होंगे। भारत के साथ एफटीए आर्थिक वृद्धि का लांचपैड है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। गौरतलब है कि भारत में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एफटीए को मंजूरी दे दी है, अब ब्रिटेन के द्वारा संसद की मंजूरी ली जाएगी। इसी तरह भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इतना ही नहीं, वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इस समय भारत तेजी से नए एफटीए की ओर कदम बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि एक अक्टूबर से भारत और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच एफटीए लागू हो गया है। इस व्यापार समझौते पर 10 मार्च 2024 को हस्ताक्षर किए थे, लेकिन प्रक्रिया संबंधी औपचारिकताओं के कारण यह समझौता अब लागू हुआ है। वस्तुतः मुक्त व्यापार समझौता दो या दो

से अधिक देशों के बीच एक ऐसी व्यवस्था है जहां वे साझेदार देशों से व्यापार की जाने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म कर देते हैं या कम करने पर सहमत होते हैं। भारत और एफ्टा देशों के बीच लागू हुआ यह व्यापार समझौता यूरोप के एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक ब्लॉक के साथ भारत के विदेश व्यापार को नई दिशाएं देगा। इस समझौते के तहत भारत ने एफ्टा देशों की 80-85 प्रतिशत वस्तुओं पर शुल्क शून्य किया है। इसके बदले में भारत को 99 प्रतिशत वस्तुओं पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच मिलेगी। जहां कृषि, डेयरी, सोया व कोयला सेक्टर को इस व्यापार समझौते से दूर रखा गया है, वहीं प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से जुड़े सेक्टर के लिए भी भारतीय बाजार को नहीं खोला गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ग्रीन व विंड एनर्जी, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल्स के साथ उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी के क्षेत्र में एफ्टा देश भारत में निवेश करेंगे जिससे इन सेक्टर में हमारा आयात भी कम होगा और भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। निःसंदेह भारत के हिसाब से इस व्यापार समझौते का सबसे बड़ा लाभ एफ्टा देशों से मिली निवेश प्रतिबद्धता है। अब यह समझौता लागू होने के बाद आगामी 10 वर्षों के भीतर एफ्टा देशों से भारत में 50 अरब डॉलर का निवेश और अगले 5 वर्षों में अतिरिक्त 50 अरब डॉलर निवेश की उम्मीद है। इससे 15 वर्षों में भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की आस है। बहरहाल भारत ने ऐसा पहला समझौता किया है, जिसमें बाजार तक पहुंच निवेश से जुड़ी हुई है।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

दुनिया के दूसरे देशों में पहुंचा जहरीला कफ सिरप डब्ल्यूएचओ की बढी चिंता

जेनेवा,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश के कई राज्यों में जहरीले कफ सिरप के कारण करीब दो दर्जन बच्चों की जान चली गई। इन मौतों के चलते कोल्ड्रिफ नामक इस सिरप को लेकर डब्ल्यूएचओ की चिंता बढ़ी है। आशंका इस बात की है कि ये सिरप किसी अन्य देशों में सप्लाई हुआ या नहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी कि अनियंत्रित चैनलों के जरिए इन प्रोडक्ट्स को दूसरे देशों में निर्यात करने का जोखिम हो सकता है। डब्ल्यूएचओ की ओर से 1 अक्टूबर को भेजे गए पत्र का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने जवाब दिया है।

इसमें पुष्टि की गई कि 3 सिरप दवाओं में घातक रसायन डाइएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया, लेकिन इनमें से कोई भी प्रोडक्ट भारत से निर्यात नहीं किया गया। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता ने कहा, फिलहाल यह पुष्टि करने का कोई विश्वसनीय तंत्र नहीं है कि प्रोडक्ट्स को अवैध या अनियंत्रित चैनलों से निर्यात किया गया, क्योंकि ऐसे निर्यात आमतौर पर कोई निशान नहीं छोड़ते। यही बात इस जोखिम को चिंताजनक बनाता है। इस बीच, कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडु राव ने कहा कि राज्य ने सितंबर में अपनी रैंडम जांच शुरू की थी और लगभग 300-400 सैंपल्स लिए गए थे। उन्होंने कहा, इनमें से कोई भी नमूना एनएसक्यू (गैर-मानक गुणवत्ता) नहीं पाया गया। संदिग्ध सिरप को राज्य में प्रतिबंधित कर दिया गया है। डीईजी और एथिलीन ग्लाइकॉल विषाक्त पदार्थ हैं, जिनका इस्तेमाल औद्योगिक सॉल्वेंट और एंटीफ्रीज एजेंट के रूप में होता है। ये छोटी मात्रा में भी बच्चों के लिए घातक हो सकते हैं।

खतरनाक प्रोडक्ट्स की पहचान कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश टीआर और रीलाइफ के तौर पर हुई है। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता ने बताया, फिलहाल इस बात का कोई सबूत नहीं है कि इन उत्पादों को अनियंत्रित चैनलों से निर्यात किया गया, लेकिन इस जोखिम को खारिज नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों को अनियंत्रित बाजारों में टारगेटेड मार्केट निगरानी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

सरकार ने दी परिवार वालों को जानकारी- हमास के बंधक नेपाली नागरिक विपिन जोशी अब जीवित नहीं

काठमांडू। पिछले तीन साल से हमास के कब्जे में रहे नेपाली नागरिक विपीन जोशी के जीवित नहीं रहने की आधिकारिक जानकारी नेपाल सरकार और जोशी के परिवार वालों को दे दी गई है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने सुबह ही तेल अवीव स्थित नेपाली राजदूतावास और विपिन के परिवार वालों को एक साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उनके जीवित नहीं रहने की आधिकारिक जानकारी दी है। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों और नेपाली राजदूत धन प्रसाद पंडित की उपस्थिति में आईडीएफ ने विपिन की मां और बहन तथा नेपाल के धनगढ़ी में रह रहे उसके भाई को विपिन जोशी के हमास के कब्जे में जीवित नहीं रहने की जानकारी दी। तेल अवीव में नेपाली राजदूत ने इस बात की जानकारी नेपाल के विदेश मंत्रियों के अधिकारियों को भी दी है। दरअसल, हमास की तरफ से युद्ध विराम के बाद छोड़े जा रहे 20 बंधकों की सूची में भी विपिन जोशी का नाम शामिल नहीं है। हालांकि, बीते दिनों इजराइल के मीडिया में जोशी के जीवित होने का दावा किया था। कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विपिन जोशी अन्य दर्जनभर छात्रों के साथ सितंबर, 2023 में इजराइल पहुंचे थे। इसके बाद 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल पर हमले के दौरान विपिन जोशी को बंधक बना लिया था। उस दौरान 10 नेपाली छात्रों की हत्या कर दी गई थी। तीन साल के बाद अब विपिन जोशी के जीवित नहीं रहने की आधिकारिक जानकारी दी गई है।

पहली बार बनी मॉ हट्टा-कट्टा बच्चा देखकर हुई हैरान, अब वीडियो हो रहा वायरल

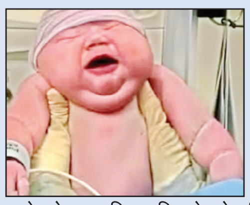

वॉशिंगटन। टेनेसी स्थित नैशविल में रहने वाली एक महिला ने हाल ही में ऐसे बच्चे को जन्म दिया है, जिसे देखते वो हैरान हो गई। ट्राईस्टार सेंटेनियल वुमेन्स हॉस्पिटल में शेल्बी मार्टिन ने काफी हट्टे-कट्टे बच्चे को जन्म दिया। जिसने पूरे दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। शेल्बी मार्टिन नाम की यह महिला पहली बार मां बनी हैं। उन्होंने ट्राईस्टार सेंटेनियल वुमेन्स हॉस्पिटल में एक हट्टे-कट्टे बच्चे को जन्म दिया। इस बच्चे का नाम कैसियन रखा गया है, जिसका वजन 12 पाउंड 14 आउंस (लगभग 5.8 किलोग्राम) था। डॉक्टरों और नर्सों के अनुसार, कैसियन का जन्म अस्पताल के इतिहास में पिछले तीन वर्षों में सबसे भारी बच्चे के रूप में दर्ज हुआ है। यह डिलीवरी सी-सेक्शन के जरिये की गई और सफल रही। राहत की बात यह है कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। शेल्बी मार्टिन की कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। वह पहले से ही टिकटॉक पर अपने गर्भावस्था के अनुभव साझा करती रही थीं, जिनमें उनके असाधारण रूप से बड़े बेबी बंप को देखकर लोग हैरान रह जाते थे। उनके एक वीडियो में उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा था, 'जब लोग कहते हैं कि उनका बच्चा बड़ा हैज मुझसे बड़ा कोई नहीं जानता। यह वीडियो 44 लाख से अधिक लाइक्स और हजारों कमेंट्स हासिल कर चुका है। कई यूज़र्स ने मजाक में पूछा कि क्या वह 'एक टॉडलर (छोटे बच्चे)' को जन्म देने वाली हैं, जबकि अन्य ने उन्हें हौसला और शुभकामनाएं दीं। हालांकि शेल्बी ने अपने वीडियो में गर्भावस्था के शारीरिक दर्द, भावनात्मक चुनौतियों और मां बनने की खुशी के बारे में भी ईमानदारी से बात की।

टैरिफ से बढ़ेगी चीन और अमेरिका में तनातनी, वैश्विक सप्लाई पर पड़ेगा असर

बीजिंग। अमेरिका द्वारा चीन पर अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद बीजिंग ने रविवार को वॉशिंगटन पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। इस तनातनी के बीच जानकारों का अनुमान है कि दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ेगा। इससे वैश्वक सप्लाई पर विपरीत असर पड़ेगा, जिससे कई देश प्रभावित होंगे। अमेरिका और चीन के बीच यह नई तनातनी उस समय बढ़ी है जब दोनों देशों के शीर्ष नेता डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग आगामी एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन में मिलने वाले थे। विश्लेषकों का कहना है कि चीन की यह प्रतिक्रिया संकेत देती है कि बीजिंग भी संभावित प्रतिशोधात्मक कदम पर विचार कर सकता है, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन और बाजारों पर असर पड़ सकता है। चीन की ओर से आई इस प्रतिक्रिया में कहा गया कि अमेरिका एक ओर वैश्विक व्यापार में मुक्तता की बात करता है, जबकि दूसरी ओर खुद संरक्षणवादी नीतियों को लागू करता है। उन्होंने कहा, अमेरिका अपने हितों के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय नियमों की व्याख्या करता है और जब अन्य देश वही सिद्धांत अपनाते हैं तो उन्हें दोषी ठहराता है।चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बिना नाम बताए कहा, अमेरिकी बयान तथाकथित दोहरे मानदंडों का एक उदाहरण है।

दुर्लभ धातुओं को लेकर चीन का प्रतिबंध पाकिस्तान से अलग? अमेरिका से तनाव के बीच ड्रैगन ने साफ किया रुख

बीजिंग,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दुर्लभ धातुओं को लेकर चीन और अमेरिका के बीच तनाव जारी है। ऐसे में एक बार फिर सख्ती दिखाते हुए चीन ने ये सपष्ट कर दिया कि उसने दुर्लभ धातुओं और उनकी तकनीकों के निर्यात पर सख्त प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन इसका पाकिस्तान के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इन धातुओं के नमूने देने से कोई संबंध नहीं है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती मजबूत है और पाकिस्तान के अमेरिका के साथ संबंध बढ़ाने के बावजूद यह दोस्ती बरकरार रहेगी।

बता दें कि चीन ने हाल ही में दुर्लभ पृथ्वी की खनिजों पर अपने नियंत्रण को बढ़ाया है, क्योंकि वह मानता है कि कुछ विदेशी कंपनियां इन धातुओं का सैन्य इस्तेमाल कर रही हैं। चीन विश्व की करीब 70% दुर्लभ धातुओं की खनन क्षमता रखता है और 90% की प्रोसेसिंग करता है, इसलिए यह इन धातुओं का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

धातुओं को लेकर इससे पहले अफवाहें चलीं कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को दिए गए धातु के नमूने दुर्लभ धातुएं हैं। हालांकि अब इस मामले में चीन ने स्पष्ट किया कि ये नमूने जेम के रत्न हैं, दुर्लभ धातुएं नहीं। लिन ने कहा कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती हर मौसम की रणनीतिक साझेदारी है, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है। चीन के प्रतिबंध कानूनी कार्रवाई हैं, जो विश्व शांति, क्षेत्रीय स्थिरता और गैर-प्रसार जैसे अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए हैं।

गौरतलब है कि यह बयान चीन ने उस वक्त दिया है जब अमेरिका ने चीन के इस कदम पर कड़ा रुख अपनाया है और व्यापारिक टकराव बढ़ने की आशंका जताई है। दूसरी ओर पाकिस्तान और अमेरिका के बीच खनन सहयोग की बातचीत हो रही है और पाकिस्तान ने आश्वासन दिया है कि उसका अमेरिका के साथ व्यापार चीन के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

हमले की दूसरी बरसीः प्रेमिका को गोली मारने की घटना नहीं भुला पाए प्रेमी ने दी जान

तेलअवीव,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

7 अक्टूबर, 2023 को हमास के फिलिस्तीनी लड़ाकों ने गाजा से इजरायल में घुसपैठ की। इन लोगों ने नोवा ओपन-एयर म्यूजिक फेस्टिवल और आसपास के इलाकों पर हमला बोला, जिसमें 378 लोग मारे गए। अक्टूबर 2023 में नोवा म्यूजिक फेस्टिवल में हमास के नरसंहार से बचने के 2 साल बाद उस इजरायली व्यक्ति ने सुसाइड कर लिया, जिसकी प्रेमिका को उसकी आंखों के सामने मार दिया गया था। 30 वर्षीय रोई शालेव का शव दूसरी बरसी के कुछ दिनों बाद उसकी जली हुई कार में मिला। अपनी मृत्यु से कुछ घंटे पहले उसने ऑनलाइन एक मैसेज पोस्ट किया था, जिसमें कहा गया कि वह अब और नहीं जी सकते।

बीते 10 अक्टूबर को हमास हमले की दूसरी बरसी के तीन दिन बाद रोई शालेव ने सोशल मीडिया पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसे लेकर उसके दोस्त और परिवार वाले चिंतित हो गए। उन्होंने लिखा, कृपया मुझसे नाराज न हों। कोई भी मुझे कभी नहीं समझेगा और यह ठीक है क्योंकि आप समझ नहीं सकते। मैं बस इस दुख को खत्म करना चाहता हूं। मैं जीवित हूं, लेकिन अंदर सब कुछ मर चुका है। इसके कुछ घंटों बाद उन्हें तेल अवीव में उनकी जलती हुई कार के अंदर मृत पाया गया। उसे आखिरी बार उसी दिन कैन में फ्यूल खरीदते हुए देखा गया था। रोई शालेव की मां उसकी प्रेमिका मपल एडम की बहुत करीब थीं। उन्होंने भी हमास हमले के कुछ दिनों बाद अपनी कार में आग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। नरसंहार के दिन शालेव, एडम और उनके सबसे अच्छे दोस्त हिली सोलोमन ने फेस्टिवल पर हमले के दौरान कार के नीचे छिपने की कोशिश की थी। शालेव ने एडम के ऊपर लेटकर उनकी रक्षा करने की कोशिश की और दोनों ने घंटों तक मृत होने का नाटक किया। हालांकि, दोनों को गोली मार दी गई और एडम की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मपल एडम की बहन मायान ने अपनी बहन और शालेव की तस्वीर पोस्ट की है। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा, रोई की हत्या तो 7 अक्टूबर को ही हो गई थी मगर कल उन्होंने अलविदा कहा। मेरे पास शब्द नहीं हैं और उन्हें खोजने में समय लगेगा। उम्मीद है कि दोनों अब गले मिल रहे हैं और मुस्कुरा रहे हैं। उनके दिल फिर से एक-दूसरे से जुड़ गए हैं।

परंपरा: दक्षिण कोरिया में जूतों या मछली से पीटते हैं दूल्हा को

सियोल। दुनिया में शादी कुछ परंपराएं ऐसी हैं जो बेहद खतरनाक और अजीब मानी जाती हैं। ऐसी ही एक परंपरा दक्षिण कोरिया की है। इस रस्म में शादी के बाद जब दूल्हा और दुल्हन अपने नए घर पहुंचते हैं, तो दूल्हे के पैरों को रस्सी से बांध दिया जाता है। उसके दोस्त और रिश्तेदार उसे जूतों या मछली से पीटते हैं। यहां की परंपरा को बोक-जोरी या जेओक-चेओल कहा जाता है, जिसका अर्थ है पैर की कोड़ाबंदी। माना जाता है कि इस प्रक्रिया से दूल्हे की सहनशक्ति और शादीशुदा जीवन में मजबूती परखी जाती है। पुराने समय में दुल्हन को दूल्हे को बचाने के लिए पैसा देना पड़ता था। इस रस्म में कभी-कभी दूल्हे को गंभीर चोटें भी लग जाती थीं। हालांकि, अब इसे ज्यादातर हंसी-खुशी और मनोरंजन की रस्म के रूप में निभाया जाता है। सिर्फ दक्षिण कोरिया ही नहीं, दुनिया के अन्य हिस्सों में भी अजीब शादी की परंपराएं मौजूद हैं। स्कॉटलैंड में ब्लैकनिंग रस्म होती है। इसमें दूल्हा और दुल्हन को शादी से पहले सार्वजनिक रूप से सड़क पर ले जाकर कीचड़, सड़े अंडे, आटा, सिरप और पंख फेंके जाते हैं।

फिलीपींस में एक बार फिर आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर 5.7 रही तीव्रता

मनीला,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फिलीपींस में अभी 10 अक्टूबर को 7.6 तीव्रता से भूकंप आया था। इससे उबरने की कोशिश कर रहा है, जिसने मिंदानाओ क्षेत्र में भारी दहशत और सुनामी अलर्ट पैदा कर दिया था। उस भूकंप की गहराई लगभग 62 किलोमीटर थी, जिसके बाद इंडोनेशिया ने अपने उत्तरी सुलावेसी और पापुआ क्षेत्रों में सुनामी चेतावनी जारी की थी। इस दहशहत से बाहर निकलता कि रविवार रात को एक बार फिर धरती हिली। लेयते द्वीप के तट के पास रिक्टर पैमाने पर 5.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के अनुसार, यह झटका स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5:05 बजे आया। भूकंप का केंद्र टाम्बोंगन से करीब 2 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में और 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लेयते और सेंट्रल विसायस क्षेत्र में झटके महसूस किए गए, हालांकि अब तक किसी तरह के नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। प्रशासन ने बाद के झटकों की संभावना को देखते हुए स्थानीय आपदा प्रबंधन टीमों को सतर्क कर दिया है। इमारतों और पुलों की जांच के लिए टीमें भेजी गई हैं। उससे पहले, फिलीपींस ने पिछले महीने की सबसे घातक भूंकपीय आपदा झेली थी, जब सेबू द्वीप के पास 6.9 तीव्रता के भूकंप ने कम से कम 72 लोगों की जान ले ली थी और सैकड़ों इमारतों को नुकसान पहुंचाया था। जानकारों के अनुसार, फिलीपींस की यह स्थिति भूगर्भीय संरचना के कारण है। यह देश प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर में स्थित है, वह क्षेत्र जहां कई टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं। इन प्लेट्स की हलचल के कारण फिलीपींस दुनिया के सबसे अधिक भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। फिलहाल, स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है, जबकि फिलवॉल्क्स और यूएसजीएस स्थिति की निगरानी में जुटे हुए हैं।

ट्रंप ने पुतिन को दी खुली चेतावनी कहा- युद्ध नहीं रोका तो यूक्रेन को देंगे खतरनाक हथियार

वाशिंगटन,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन की जंग को लंबा समय हो गया है। यहां सैकड़ों लोगों की मौतें हुई हैं और इंफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान हुआ है। शांति के प्रयासों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को एक बार फिर कड़ी चेतावनी दे डाली है। उन्होंने धमकी वाले अंदाज में स्पष्ट रूप से यह कह दिया है कि अगर रूस जल्द ही युद्ध समाप्त नहीं करता तो वह यूक्रेन पर सबसे खतरनाक हथियार दे सकते है। बता दें कि रूस ने अपने हमले से यूक्रेन में भारी तबाही मचाई है। रूसी हमलों से यूक्रेन के कई पावर ग्रिड ध्वस्त हो गए हैं। जिससे बड़े शहरों में बिजली गुल हो गई है। इस आक्रामक कार्रवाई के बाद से ही ट्रंप बौखलाहट में हैं।

इजराइल के लिए उड़ान भरते समय पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं कह सकता हूं, देखिए अगर यह युद्ध नहीं सुलझता तो मैं यूक्रेन को लंबी दूरी वाली टॉमहॉक मिसाइल भेजूंगा। टॉमहॉक एक अविश्वसनीय हथियार है, जो काफी आक्रामक है। और सच कहूं तो रूस इसका सामना नहीं करना चाहेगा। ट्रंप का यह बयान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत के बाद आया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उस बातचीत के दौरान टॉमहॉक भेजने की संभावना का जिक्र किया था। उधर, रूस ने भी अमेरिका द्वारा यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें दिए जाने की संभावना पर भी बेहद चिंता व्यक्त की है। पुतिन ने खुद पहले कहा था कि अमेरिका द्वारा यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें दिए जाने से मॉस्को और वाशिंगटन के संबंधों को गंभीर नुकसान होगा ।वहीं, जेलेंस्की ने ट्रंप के साथ अपनी हालिया बातचीत को बेहद उपयोगी बताया। इसके साथ ही कहा कि दोनों ने यूक्रेन की वायु रक्षा और लंबी दूरी की क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित विवरणों पर भी चर्चा की। इधर एक साक्षात्कार में जब जेलेंस्की से पूछा गया कि क्या ट्रंप ने टॉमहॉक मिसाइलों को मंजूरी दे दी है, तो उन्होंने कहा कि हम इस पर काम कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि मैं ट्रंप के हां कहने का इंतजार कर रहा हूं।

ट्रंप का सेमी-एनुअल फिजिकल टेस्ट..................जाने क्यों चर्चा में हैं ये जांच

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, राजनीति के साथ-साथ अपनी सेहत को लेकर भी हमेशा सुर्खियों में बने रहे हैं। हाल ही में उनका सेमी-एनुअल फिजिकल यानी साल में दो बार होने वाला मेडिकल चेकअप फिर चर्चा का केंद्र बन गया है। डॉक्टर ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप का दिल उनकी उम्र से 14 साल अधिक जवान हैं। सवाल यह है कि क्या यह कोई खास टेस्ट है या एक साधारण रुटीन जांच असलियत यह है कि सेमी-एनुअल फिजिकल कोई एक टेस्ट नहीं, बल्कि पूरा स्वास्थ्य मूल्यांकन होता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि कोई शख्स मानसिक और शारीरिक रूप से सक्षम है या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति या शीर्ष पद पर बैठे नेताओं की मेडिकल पारदर्शिता हमेशा से एक परंपरा रही है। जनता को भरोसा दिलाने के लिए व्हाइट हाउस डॉक्टर उनके वजन, दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, यहां तक कि याददाश्त और निर्णय लेने की क्षमता तक की जांच करते हैं। ट्रंप, जो अब 79 के हैं, ऐसी रिपोर्ट्स जारी कर यह संदेश देना चाहते हैं - मैं पूरी तरह फिट हूं। सेमी-एनुअल फिजिकल को लेकर इंटरनेट पर कई तरह की अटकलें हैं, कुछ लोग गुप्त न्यूरोलॉजिकल टेस्ट मानते हैं, कुछ इस जांच को बीमारी छिपाने का तरीका समझते हैं।

सूर्यकुमार और उनकी पत्नी ने महाकालेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की

उज्जैन,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ रविवार को उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। सूर्यकुमार और देविशा यहां दिव्य संध्या आरती में भी शामिल हुए। सूर्यकुमार और देविशा ने बाबा महाकाल के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इन्होंने संध्या आरती के दौरान मंदिर के नंदी हाल में भी कुछ समय बिताया और भगवान शिव की अराधना की। वहीं इससे पहले महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सूर्य कुमार का विधिवत स्वागत किया गया। मंदिर की परंपरा के अनुसार, उन्हें भगवान महाकाल का प्रसाद और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस दौरान, मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और प्रशंसक भी उपस्थित थे जो उनकी एक झलक पाने का प्रयास कर रहे थे। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल ही में यूएई में हुए एशिया कप को जीता है। सूर्यकुमार कप्तान के तौर पर तो काफी सफल रहे हैं पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पिछले कुछ समय से उनके बल्ले से रन नहीं आ रहे। ऐसे में अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले वह अपनी लय हासिल करने का प्रयास करेंगे।

विराट और रोहित 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलकर टीम को जीत दिलायें : रोहन जेटली

नई दिल्ली। दिल्ली क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली जेटली चाहते हैं कि विराट और रोहित शर्मा आगामी विश्व कप में साथ खेलें और देश को एक और आईसीसी ट्रॉफी जिताएं। विराट और रोहित अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं हालांकि बढ़ती उम्र को देखते हुए इन दोनो को विश्वकप के लिए टीम में जगह मिले ये अभी तय नहीं है। विश्व कप से पहले उन्हें कम ही एकदिवसीय खेलने को मिलेंगे। ऐसे में इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू क्रिकेटर खेलने की सलाह दी गयी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी दोनों को विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए देखना चाहती है। जेटली ने कहा कि ये विराट कोहली पर निर्भर करता है कि वह विजय हजारे ट्रॉफी खेलते हैं या नहीं। जेटली के अनुसार दिल्ली विराट का घर है और उन्हें यहां खेलने के लिए किसी से पूछने की आश्वयकता नहीं है। विराट दिल्ली की ओर से क्रिकेट खेलते रहे हैं। जेटली ने कहा, 'विराट दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे या नहीं, वो समय के साथ पता चलेगा क्योंकि अभी विजय हजारे के लिए शिविर लगेंगे।

न्यूज ब्रीफ

किपलिमो की शिकागो मैराथन जीत पर युगांडा में जश्न

कंपाला। युगांडा के जैकब किपलिमो की ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई है। किपलिमो ने रविवार को शिकागो मैराथन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार किसी युगांडाई खिलाड़ी के रूप में वर्ल्ड मैराथन मेजर का खिताब अपने नाम किया। किपलिमो ने 2 घंटे 02 मिनट 23 सेकंड का समय लेकर रेस पूरी की। उन्होंने केन्या के एमोस किपरूटो (2:03:54) और एलेक्स मसाई (2:04:37) को पीछे छोड़ते हुए यह ऐतिहासिक जीत दर्ज की। युगांडा की शिक्षा एवं खेल मंत्री जेनेट काताहा मुसवेनी ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर बधाई संदेश में लिखा, बधाई हो जैकब, शिकागो में हमारे देश का झंडा ऊंचा लहराने के लिए! तुम्हारी जीत पूरे युगांडा के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। राज्य खेल मंत्री पीटर ओगवांग ने भी किपलिमो की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा, किपलिमो ने एक बार फिर युगांडा का नाम रोशन किया है। हम उनके इस गौरवशाली पल का जश्न मना रहे हैं। किपलिमो, जो मौजूदा विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियन हैं, ने इस साल की शुरुआत में लंदन मैराथन में अपना डेब्यू किया था और दूसरा स्थान हासिल किया था। शिकागो मैराथन दुनिया की छह प्रतिष्ठित वर्ल्ड मैराथन मेजर्स में से एक है। बाकी मैराथन बोस्टन, लंदन, बर्लिन, न्यूयॉर्क और टोक्यो में होती हैं।

घाना ने कोमोरोस को हराकर पांचवीं बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

अकारा। घाना ने रविवार को अपने अंतिम क्वालिफायर मुकाबले में कोमोरोस को 1-0 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। मैच में सिर्फ एक अंक की जरूरत होने के बावजूद घाना ने आक्रामक शुरुआत की। कोमोरोस, जिसने क्वालिफायर में घाना को एकमात्र हार दी थी, ने कड़ा मुकाबला पेश किया और तीसरे मिनट में ही गोल करने का मौका बनाया। हालांकि पहला हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही टोटेनहम हॉटस्पर के मिडफील्डर मोहम्मद कुदुस ने 47वें मिनट में गोल दागकर लगभग 35 हजार दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस जीत के साथ घाना ने ग्रुप ढ्ढ में 25 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया। मदागास्कर 19 अंकों के साथ दूसरे और माली 18 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। वहीं कोमोरोस, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक और चाड क्रमशः 15, 8 और 1 अंक के साथ पीछे रहे। घाना इससे पहले 2006, 2010, 2014 और 2022 में फीफा विश्व कप खेल चुका है। टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2010 में रहा था, जब वह क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी।

रमीज ने बाबर पर कसा तंज, सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट हमेशा से ही विवादों में रहा है। इसी में अब एक और विवाद जुड़ गया है। पूर्व कप्तान रमीज राजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में कमेंट्री के दौरान ही अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के आउट होने पर तंज कस दिया। रमीज ने कहा कि ये आउट हैं पर ड्रामा जरुर करेगा। इस दौरान वह कमेंट्री बॉक्स में लगे माइक को बंद करना भूल गए। इससे ये बातें सभी ने सुन ली और और सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गयीं। यह मामला 49वें ओवर का था। उस समय बाबर 1 रन पर खेल रहे थे। तभी वह कैच आउट दिये गये। जैसे ही बाबर ने डीआरएस रिव्यू के लिए इशारा किया। रमीज ने कहा ये आउट हैं पर ड्रामा जरुर करेगा। वहीं रिप्ले में बाबर को आउट नहीं दिया गया। इस मैच में पाक ने सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक और कप्तान शान मसूद के 161 रनों की सहायता से अच्छी शुरुआत की। इमाम 93 रन पर जबकि मसूद 76 रन पर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद मध्य क्रम ढ़ह गया और पाक टीम ने 200 रनों के अंदर ही पांच विकेट गंवा दिये। बाबर इसके बाद खेलते रहे लेकिन 48 गेंदों पर केवल 23 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा ने पारी को संभला। इन दोनो के बीच 114 रन की नाबाद साझेदारी हुई।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथे दिन का खेल खत्म, क्लीन स्वीप के नजदीक टीम इंडिया

नई दिल्ली,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत को दिल्ली टेस्ट जीतने के लिए 121 रनों का टारगेट मिला। मैच का नतीजा पांचवें दिन निकलेगा हालांकि, टीम इंडिया क्लीन स्वीप के करीब है। सोमवार को स्टंप तक भारत ने दूसरी पारी में 18 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 63 रन जोड़े। केएल राहुल (25) और साई सुदर्शन (30) नाबाद हैं। वहीं युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 8 रन बनाकर अपना विकेट गंवा दिया।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा है। जहां भारत को दिल्ली टेस्ट जीतने के लिए 121 रनों का टारगेट मिला। मैच का नतीजा पांचवें दिन निकलेगा हालांकि, टीम इंडिया क्लीन स्वीप के करीब है। सोमवार को स्टंप तक भारत ने दूसरी पारी में 18 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 63 रन जोड़े। केएल राहुल (25) और साई सुदर्शन (30) नाबाद हैं। वहीं युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 8 रन बनाकर अपना विकेट गंवा दिया।

फिलहाल, फॉलोऑन के बाद वेस्टइंडीज की दूसरी पारी 390 रनों पर सिमटी। जस्टिन ग्रीव्स और जेन सील्स ने भारत को आखिरी विकेट के लिए तरसाया। दोनों ने दसवें विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी पूरी की।

ग्रीव्स 85 गेंदों में 50 रन बनाकर नाबाद रहे। सील्स ने 67 गेंदों में 32 रनों का योगदान दिया। जसप्रीत बुमराह ने सील्स को 119वें ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट कर वेस्टइंडीज को ढेर किया। इस दौरान बुमराह और कुलदीप ने 3-3 विकेट लिए जबकि सिराज ने दो और वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा को एक-एक सफलता मिली।

वहीं वेस्टइंडीज के लिए जॉन कैंपबेल ने शतक जड़ा और शाई होप ने भी अपना शतक पूरा किया। जिसके दम पर मेहमान टीम दूसरी पारी में 300 के पार पहुंचने में कामयाब रही। कैम्पबेल ने अपने टेस्ट करियर का पहला तो होप ने 8 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक जड़ा। भारत ने इस मैच में पहली इनिंग में 518 रन की पारी खेलकर घोषित की जिसके जवाब में मेहमान टीम ने पहली पारी में 248 रन बनाए।

रणजी ट्रॉफी के पहले दो मैचों के लिए बिहार की टीम घोषित, वैभव सूर्यवंशी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

पटना (बिहार),13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) ने रविवार को रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के पहले दो मैचों के लिए वरिष्ठ टीम की घोषणा कर दी। चयन समिति की बैठक के बाद 14 सदस्यीय टीम को अंतिम रूप दिया गया। टीम की कमान साकिबुल गनी को सौंपी गई है, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे।

बिहार क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हर्षवर्धन ने कहा, यह टीम अनुभव और युवा जोश का शानदार मिश्रण है। हमें विश्वास है कि यह टीम रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करेगी। वैभव ने हाल के दिनों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और यह बिहार में क्रिकेट प्रतिभा की गहराई को दर्शाता है। हमें भरोसा है कि यह टीम इस सीजन में मजबूत दावेदारी पेश करेगी।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे अंडर-19 वनडे में वैभव सूर्यवंशी ने मात्र 52 गेंदों में तूफानी शतक जमाया था। तब ही बीसीए अध्यक्ष ने कहा था कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य में कई रिकॉर्ड तोड़ेगा। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की ओर से खेलते हुए वैभव ने सात मैचों में 252 रन बनाए और वह इस सीजन के उभरते सितारों में से एक रहे। इसके अलावा, वैभव को इस वर्ष पटना में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का भी अवसर मिला था।

बिहार की 14 सदस्यीय टीम:

पियूष कुमार सिंह, भास्कर दुबे, साकिबुल गनी (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अर्नव किशोर, आयुष लोहुरुका, बिपिन सौरभ, अमोद यादव, नवाज खान, साकिब हुसैन, राघवेंद्र प्रताप सिंह, सचिन कुमार सिंह, हिमांशु सिंह, खालिद आलम और सचिन कुमार।

सपोर्ट स्टाफ:

विनायक सामंत (हेड कोच), कुमार मृदुल (असिस्टेंट कोच), डॉ. हेमेंदु कुमार सिंह (फिजियोथेरेपिस्ट), गोपाल कुमार (एस एंड सी कोच)।

कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध, अरशद नदीम की मुश्किलें बढ़ीं

लाहौर। पाकिस्तान के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। इसका कारण है कि अरशद के कोच सलमान इकबाल पर पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ (पीएएएफ) ने आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। कोच पर ये प्रतिबंध पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया है। अब सलमान किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में शामिल नहीं हो पायेंगे। इसके अलावा वह किसी भूमिका में भी भाग नहीं ले पायेंगे। महासंघ के अनुसार इकबाल ने अगस्त में पंजाब एथलेटिक्स संघ के चुनाव कराकर नियमों को तोड़ा है। इसी के बाद एक जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में सलमान पर इकबाल पर आजीवन प्रतिबंध लगाने को कहा था। वहीं हाल ही में पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने भी इस कोच से टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अरशद के खराब प्रदर्शन के लिए जवाब मांगा था। सलमान कई वर्षों से अरशद नदीम के मुख्य कोच और मेंटर रहे हैं और उन्होंने पाकिस्तान के लिए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एथलीट को तैयार किया है पर अब उनकी सेवाएं अरशद को नहीं मिल पायेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार से निराश कोच मजूमदार बोले, 20 रन और बनाये होते तो परिणाम अलग होता

विशाखापत्तनम,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में हार पर निराशा जताते हुए कहा कि हमारी टीम ने अगर कुछ रन और बनाये होते तो परिणाम अलग होता। इस मैच में भारतीय टीम ने 330 रनों का विशाल स्कोर बनाया था पर वह इसका बचाव नहीं कर पायी और उसे तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कोच मजूमदार ने कहा कि अच्छी शुरुआत के साथ ही बेहतर तरीके से मैच को समाप्त करना आना भी जरुरी है। उन्होंने कहा कि हमें इस मैच में जिस प्रकार की शुरुआत मिली उसके अनुसार टीम को करीब 20 रन अधिक बनाने थे।

मजूमदार ने कहा, 'हमारे बल्लेबाजों ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर 330 रनों का काफी अच्छा स्कोर किया था। इससे हमारी टीम की बल्लेबाजी की गहरायी पता चलती है।'

उन्होंने कहा, ' किसी भी मैच में जीत के लिए बेहतर फिनिशिंग की जरुरत होती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में हम जीतते-जीतते अंतिम पांच ओवरों में अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाने से हार गये थे। इस मैच में भी यही हुआ। अगर टीम अंतिम ओवरों में

करीब 20 रन और बनाती तो उसे इस मैच में जीत मिल जाती। टीम हालांकि मैचों को फिनिश करने की तरकीब सीख रही है।'

टीम को एक अतिरिक्त विशेषज्ञ गेंदबाज की कमी महसूस होने की बात भी कोच ने मानी है। उन्होंने कहा, 'हम आत्ममंथन करेंगे और देखेंगे कि क्या एक और गेंदबाज की जरूरत है। टीम प्रबंधन इस पर विचार करके अगले मैच से पहले सही फैसला लेगा.'

वहीं उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम की तारीफ करते हुए कहा कि उसने विशाल लक्ष्य का जिस प्रकार से पीछा किया उससे वह जीत की अधिकारी बनती है। एक ओवर पहले ही 331 रन का लक्ष्य हासिल करना कठिन है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आया संत समाज, 'सनातन क्रिकेट लीग' में धर्म, सेवा और खेल का होगा संगम

नई दिल्ली,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर भारत में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए अब सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं भी आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में सनातन न्यास फाउंडेशन द्वारा एक विशेष आयोजन 'सनातन क्रिकेट लीग (एससीएल)' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 18 अक्टूबर 2025 को सुबह 9:30 बजे, नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम, पहाड़गंज में होगा। इस आयोजन से जुटाई गई धनराशि बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए समर्पित की जाएगी।

इस वर्ष हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में सामान्य से कई गुना अधिक बारिश के कारण हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। कई परिवारों के घर, रोज़मर्रा की ज़रूरत की वस्तुएं और आजीविका के साधन नष्ट हो गए हैं। सैकड़ों लोग आज भी राहत शिविरों में रहकर पुनर्वास की कोशिश कर रहे हैं। इस

स्थिति में हर वर्ग का सहयोग अहम है। इसी उद्देश्य से यह विशेष लीग आयोजित की जा रही है।

इस आयोजन में देशभर से आठ टीमें टी-20 फॉर्मेट में हिस्सा लेंगी। मुकाबलों का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया और यूट्यूब चैनलों पर किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। दर्शक और आमंत्रित अतिथि भी मौके पर आर्थिक सहयोग देकर बाढ़ पीड़ितों की मदद में योगदान दे सकेंगे।

इस आयोजन की विशेषता यह है कि इसमें देश के चार प्रतिष्ठित संतजन भी अपनी उपस्थिति और सहभागिता से इस जनसेवा अभियान को सशक्त बनाएंगे। इन संतों में देवकी नंदन ठाकुर महाराज, संस्थापक, प्रियाकान्तजू मंदिर, वृंदावन, धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज, बागेश्वर पीठाधीश्वर, इन्द्रेश उपाध्याय महाराज, सरस कथा प्रवक्ता और चिन्मयानंद बापू महाराज, रामकथा प्रवक्ता शामिल होंगे। सनातन न्यास फाउंडेशन ने बताया कि आयोजन में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। आयोजन समिति का लक्ष्य है कि इस मंच के माध्यम से अधिक से अधिक सहयोग जुटाकर बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत और पुनर्वास में ठोस सहायता दी जा सके।

देवताले और गिब्सन के अच्छे प्रदर्शन से राजपुताना ने तीरंदाजी प्रीमियर लीग खिताब जीता

नई दिल्ली। ओजस देवताले और एला गिब्सन के अच्छे प्रदर्शन से राजपुताना रॉयल्स ने तीरंदाजी प्रीमियर लीग के पहले सत्र का खिताबी जीता है। रॉयल्स ने पृथ्वीराज योद्धा के बीच खेले गये शूट-ऑफ में खिताब पर कब्जा किया। टाईब्रेकर शूट-ऑफ में मुकाबला बराबरी पर रहा, रॉयल्स की ओर से ने का प्रदर्शन अच्छा रहा। वहीं पृथ्वीराज को कोई भी खिलाड़ी पीले बिंदु तक नहीं पहुंच पाया। रॉयल्स की ओर से रिकर्वर्स मेटे गाजोज और अंकिता भक्त ने गिब्सन और देवताले के साथ मिलकर अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को ट्रॉफी जिताई। योद्धाओं को पहले सेट में 78-77 से जीत मिली। वहीं दूसरे सेट में रॉयल्स ने 78-75 के अंतर से वापसी की और स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे सेट में योद्धाज के तीरंदाजों ने सभी आठ तीरों पर 10 अंक बनाकर इतिहास 80-77 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की। रॉयल्स ने 78-77 से सेट जीतकर स्कोर 4-4 कर दिया, जिसमें विजेता का फैसला शूटऑफ से हुआ। बाकी काम गिब्सन और देवताले ने शूटऑफ के लक्ष्य को दो बार भेदकर पूरा किया।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

दिवाली से पहले ड्राई फ्रूट्स की मांग में उछाल

मुम्बई,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिवाली नजदीक आते ही देशभर में ड्राई फ्रूट्स की मांग में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। बाजार पूरी तरह सज चुका है और घरों की खरीदारी के साथ-साथ कॉर्पोरेट गिफ्टिंग और शादियों के लिए भी मेवों की डिमांड बढ़ गई है।

गिफ्टिंग और शादियों से बढ़ी खपत, टैरिफ और वैश्विक अस्थिरता से दाम चढ़े

इस समय अगस्त से दिसंबर तक का समय ड्राई फ्रूट्स की सबसे अधिक बिक्री का होता है। इंडस्ट्री विशेषज्ञों के अनुसार सांस्कृतिक परंपराएं और त्योहारों में गिफ्टिंग का चलन ड्राई फ्रूट्स की मांग को तेजी से बढ़ाता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर पारस जसराई का कहना है कि त्योहारी सीजन में मांग अचानक बढ़ जाती है, जिससे घरेलू बाजार पर दबाव बनता है और आयात तेज होता है।

हालांकि, अमेरिका की टैरिफ नीतियों और वैश्विक व्यापार अस्थिरता ने बादाम, पिस्ता और अखरोट जैसे मेवों की कीमतों को प्रभावित किया है। काजू का आयात त्योहारी महीनों में 173.9 मिलियन डॉलर (1445 करोड़) रहा, जबकि सालाना औसत 134.8 मिलियन डॉलर (1120 करोड़) था। काजू में अगस्त-दिसंबर 2024 के दौरान औसत महंगाई 9.4 फीसदी रही।

ऑस्ट्रेलिया, यूएई, ओमान और सऊदी अरब जैसे देशों से ड्राई फ्रूट्स के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया से बादाम का आयात अप्रैल-जुलाई में 93 फीसदी तक बढ़ गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मांग के दबाव में कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं, खासकर जब सप्लाई चेन को एडजस्ट होने में समय लगता है। ऐसे में आने वाले सालों में घरेलू उत्पादन बढ़ाना और आयात स्रोतों में विविधता लाना जरूरी होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

उड़ता पंजाब...

यहां के युवाओं के बीच यह 420 कल्चर अब एक तरह के बगावत के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।केरल के युवाओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर 420 शब्द वाले हैशटैग और स्लैंग खुलेआम देखे जा सकते हैं। इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और फेसबुक पर 420 से जुड़ी मीम्स और वीडियो यह दर्शाते हैं कि किस तरह नशे की संस्कृति को अब जीवन के अनुकूल बना दिया गया है और यह युवाओं के बीच लोकप्रिय होता जा रहा है। गांजा को अक्सर एक हल्का नशा मान लिया जाता है। लेकिन जमीनी हकीकत देखने पर समझ आता है कि यह नशे की लत को बढ़ाता ही जाता है। कई किशोर नशेड़ियों ने अधिकारियों को दिए बयानों में बताया कि उनका नशे की लत का सफर स्कूल के दिनों में दोस्तों के साथ गांजा पीने से शुरू हुआ और फिर धीरे-धीरे यह मेथाइलीन-डायोक्साई-मेथमफेटामाईन (एमडीएम), कोकीन और मेथ जैसे खतरनाक ड्रग्स तक पहुंच गया।प्रशासन का कहना है कि यह 420 कल्चर बच्चों का बचपन और भविष्य दोनों छीन रहा है। माता-पिता जहां अपने बच्चों को स्कूल और कॉलेज में सुरक्षित समझते हैं, वहीं अब यही कैंपस नशे के फैलाव के सबसे बड़े अड्डे बन चुके हैं। इडुक्की जिले में तो एक हैरान करने वाला मामला सामने आया, जब एक स्कूल टूर पर गए कुछ छात्रों ने एक्साइज विभाग के दफ्तर में जाकर गांजा वाली बीड़ी जलाने के लिए माचिस मांगी।कई सर्वे बताते हैं कि स्कूल के बच्चों में नशे के प्रयोग का स्तर चौंकाने वाला है। एक सरकारी अध्ययन में पाया गया कि केरल के 10वीं कक्षा के 37 प्रतिशत और 8वीं कक्षा के करीब 23 प्रतिशत छात्रों ने कभी न कभी कोई अवैध नशा या इनहेलेंट आजमाया है। इनमें सबसे अधिक प्रचलित गांजा ही है। स्थानीय मीडिया ने इस संकट को उड़ता केरल नाम दिया है, ठीक उसी तरह जैसे उड़ता पंजाब फिल्म ने पंजाब के नशे की हकीकत उजागर की थी। अधिकतर मामलों में केरल के युवाओं की नशे की शुरुआत गांजा से होती है लेकिन अब यह आसानी से उपलब्ध भी है। राज्य की पुलिस और एक्साइज विभाग के मुताबिक, आज केरल के बाजार में हाइड्रोपोनिक गांजा नाम की एक बेहद शक्तिशाली किस्म फैली हुई है जिसमें टीएचसी (टीएचसी) का स्तर 40 प्रतिशत से भी अधिक होता है।

यह गांजा खेतों में नहीं बल्कि लैब में तैयार किया जाता है और अधिकतर दक्षिण-पश्चिम एशिया से तस्करी करके लाया जाता है। 2022 में ऐसे गांजे की तस्करी लगभग ना के बराबर थी, लेकिन 2024-25 में ही अधिकारियों ने 89 किलो से अधिक गांजा एयरपोर्ट्स पर पकड़ा। 2025 के शुरुआती 7 महीनों में यह जब्ती 129.7 किलो तक पहुंच गई है। यह थाई-ग्रोन यानी थाईलैंड में उगाया गया गांजा बेहद ताकतवर होता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक किलो पर एक करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। दिलचस्प बात यह है कि जब भारत में गांजे की एंट्री पर निगरानी बढ़ी तो तस्करों ने अपना रास्ता बदलकर मध्य-पूर्व के जरिए इसे भारत लाना शुरू कर दिया। 420 कल्चर भले ही गांजे को कूल की निशानी की तरह पेश करता हो लेकिन सच्चाई यह है कि इसने केरल के युवाओं को नशे के गहरे दलदल में धकेल दिया है।केरल में नशे की समस्या कोई रातों-रात नहीं आई। इसके पीछे कई गहरे और आपस में जुड़े कारण हैं, जिन्होंने इस राज्य को नशे की लत के प्रति बेहद संवेदनशील बना दिया है।

भौगोलिक स्थिति यहां वरदान भी है और अभिशाप भी। केरल का 590 किलोमीटर लंबा समुद्र तट अरब सागर से जुड़ा है। यह जहां अंतरराष्ट्रीय व्यापार को आसान बनाता है, वहीं दूसरी ओर मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक खुला दरवाजा भी बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में तस्करों ने केरल के तटवर्ती अंतरराष्ट्रीय जहाज मार्गों का खुलकर फायदा उठाया है। इसके अलावा, राज्य की नजदीकी बड़े ट्रांजिट हब्स जैसे बेंगलुरु और चेन्नई से होने के कारण यहां जमीन के रास्ते बनी नशे की सप्लाई चेन और भी मजबूत हो गई है।कुछ उदाहरण देखें तो बेंगलुरु से एमडीएम (जिसे एक्स्टेसी या पार्टी ड्रग भी कहा जाता है) और मेथामफेटामाइन जैसे घातक ड्रग्स केरल पहुंचते हैं। वहीं, गांजा आंध्र प्रदेश और ओडिशा के पहाड़ी इलाकों से तमिलनाडु के रास्ते आता है। यह समस्या इतनी गहराई तक फैली है कि पुलिस ने पूरे राज्य में करीब 1,300 ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित किए हैं यानी ऐसे इलाके जहां से नशे की खरीद-फरोख्त होती है, इसमें शहर और गांव दोनों इलाके शामिल हैं। इंटरनेट का इस्तेमाल भी केरल में इस संकट को और गहराता है। नशा तस्कर अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और डार्क वेब के जरिए कारोबार करते हैं और भुगतान क्रिप्टोकरेंसी में लेते हैं। इससे पुलिस के लिए इन नेटवर्क्स को ट्रैक करना और भी मुश्किल हो गया है।केरल में अब नशे की होम डिलीवरी उसी तरह हो रही है जैसे पिज्जा ऑर्डर किया जाता है। बाइक पर घूमने वाले डिलीवरी एजेंट्स ग्राहकों के दरवाजे तक नशा पहुंचा रहे हैं। कई पेडलर (तस्कर) सुपरबाइक्स पर नकली नंबर प्लेट लगाकर घूमते हैं और शक से बचने के लिए खुद को युवा जोड़ों के रूप में पेश करते हैं। इस ई-कॉमर्स स्टाइल नशे के धंधे ने पुलिस की नींद उड़ा दी है क्योंकि उन्हें लगातार अपनी जांच और ट्रैकिंग तकनीक को अपडेट करना पड़ रहा है ताकि इन स्मार्ट तस्करों से निपटा जा सके।सप्लाई चेन के अलावा, केरल के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं ने भी नशे के लिए उपजाऊ जमीन तैयार की है। फिल्मों और सोशल मीडिया पर गैंगस्टर कल्चर और तथाकथित माचो कूलनेस को ग्लैमरस तरीके से दिखाया जाता है। इससे कई युवा अपराधी जीवनशैली की नकल करने लगे हैं। नशे के गिरोह इस मनोविज्ञान को भांप चुके हैं और स्थानीय गुंडे और संगठित गिरोह अब छात्रों को अपने चेले की तरह फंसाते हैं, उन्हें छोटा पेडलर बना देते हैं। इस तरह, नेटवर्क फैलता जाता है और बड़े तस्कर खुद को सुरक्षित रखते हैं।एक्साइज विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तस्कर जानबूझकर स्कूल और कॉलेज के छात्रों को ही डीलर बनाते हैं, क्योंकि नाबालिगों पर पुलिस का शक कम जाता है। कोच्चि के एक पॉलीटेक्निक कॉलेज में हाल ही में पुलिस ने छापा मारा तो पाया कि कई छात्र कैंपस में गांजा बेच रहे थे। पहली बार पकड़े गए छात्रों पर मुकदमा नहीं चला लेकिन इस घटना ने यह साफ कर दिया कि नशे का नेटवर्क अब स्कूल-कॉलेजों तक पहुंच चुका है। केरल में बेरोजगारी भी इस समस्या को बढ़ाने वाला बड़ा कारण है। राज्य में हर साल हजारों ग्रेजुएट निकलते हैं लेकिन उनके सपनों के मुकाबले अवसर बहुत कम हैं। कई युवा बिना नौकरी के खाली बैठे रहते हैं और इसी खालीपन को नशा भर देता है। धीरे-धीरे कई लोग खुद नशा बेचने लगते हैं ताकि कुछ कमाई कर सकें।इसके अलावा, केरल से बड़ी संख्या में लोग विदेशों खासकर खाड़ी देशों में काम करने जाते हैं। उनके बच्चे यहां अकेले रह जाते हैं। मां-बाप की गैरमौजूदगी में बच्चों को वही भावनात्मक सहारा और मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। ऐसे किशोर अक्सर भावनात्मक खालीपन या विद्रोह के चलते नशे की तरफ मुड़ जाते हैं। नशे की यह समस्या केवल केरल में रहने वालों तक सीमित नहीं है बल्कि उन लोगों में भी फैल रही है जो विदेश से लौटकर आते हैं। उत्तर केरल के एक नशामुक्ति केंद्र में 28 वर्षीय युवक ने बताया कि अबू धाबी में काम करते वक्त उसके साथी मलयाली साथियों ने ही उसे कल्लू यानी क्रिस्टल मेथ से परिचित कराया। उसकी कहानी इस नए चलन की झलक देती है, जहां प्रवासी जीवन, विदेशी माहौल और डिजिटल पहुंच मिलकर नशे के नए अंतरराष्ट्रीय जाल बना रहे हैं।खुफिया एजेंसियों के अनुसार, भारत के कुल नशीले पदार्थों के व्यापार का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान से जुड़ी डी-कंपनी (दाऊद इब्राहिम सिंडिकेट) के नियंत्रण में है, जो परंपरागत रूप से उत्तर भारत के रास्ते ड्रग्स की सप्लाई करती थी। लेकिन अब केरल इस नेटवर्क का नया ठिकाना बन चुका है। 2024 से राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ अपने अभियानों को तेज किया है। ऑपरेशन डी-हंट के तहत विशेष दस्तों ने अचानक छापेमारी अभियान चलाए। बताया जाता है कि 22 फरवरी से 1 मार्च 2025 के बीच पुलिस ने 17,256 संदिग्धों की जांच की, 2,762 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए और 2,854 लोगों को गिरफ्तार किया।

उसी हफ्ते के दौरान, एजेंसियों ने 1.3 किलो एमडीएम, 153.5 किलो गांजा, और थोड़ी मात्रा में हेरोइन व हैश ऑयल जब्त किया। इसके बाद 11 सितंबर 2025 को पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई, जिसमें 146 गिरफ्तारियां और 140 नए केस दर्ज हुए। एमडीएम और गांजा दोनों बरामद हुए। प्रमुख कार्रवाइयों में अगस्त 2024 में हैदराबाद में एक फार्मा यूनिट के नाम पर चल रही एमडीएम लैब का भंडाफोड़ और सितंबर 2024 में ओडिशा में गांजा की खेती चला रहे एक केरल निवासी की गिरफ्तारी शामिल थी। हालांकि, गिरफ्तारियों का पैटर्न अभी भी ठीक नहीं नजर आता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एन-सीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में केरल में एनडीपीएस कानून के तहत हुई कुल गिरफ्तारियों में से करीब 93.7 प्रतिशत मामले निजी इस्तेमाल के थे। लगभग 26,600 गिरफ्तारियों में से केवल 1,660 तस्कर थे जबकि 24,959 लोग कम मात्रा में ड्रग्स रखने वाले उपभोक्ता थे।

नशे के नेटवर्क इस कानून का फायदा उठाते हैं और वे माल को व्यावसायिक मात्रा की सीमा से कम-कम बाँट देते हैं (जैसे 0.5 ग्राम एमडीएम से कम या 1 किलो गांजा से कम) ताकि गिरफ्तारी होने पर जमानत मिल सके और सजा से बचा जा सके। पुलिस अब फॉलो-अप छापों के जरिए इन छोटी मात्राओं को जोड़कर बड़े केस तैयार कर रही है और सरकार से कम मात्रा की परिभाषा पर पुनर्विचार की मांग कर रही है। नाबालिगों और पहली बार पकड़े गए लोगों के मामलों में अधिकारियों के पास कुछ विवेकाधिकार भी होता है। उदाहरण के लिए, 2023 में कोच्चि के एक हॉस्टल में कुछ छात्रों को थोड़ी मात्रा में ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था। पुलिस ने उन पर केस दर्ज नहीं किया बल्कि निगरानी में रखा। रिपोर्टों के अनुसार, राज्य में हर साल हजारों लोगों को एनडीपीएस के तहत सजाएं दी जाती हैं लेकिन इनमें अधिकतर छोटे विक्रेता और उपभोक्ता ही होते हैं।प्रवर्तन एजेंसियां खासकर एमडीएम और मेथामफेटामाइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स और बड़े सप्लाई नेटवर्क पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। हालांकि, हैरानी की बात यह है कि 590 किलोमीटर लंबे तट की निगरानी के लिए फिलहाल सिर्फ एक कोस्ट गार्ड पोत ही उपलब्ध है। राज्य अब स्कैनर, ड्रोन और साइबर मॉनिटरिंग सिस्टम में निवेश कर रहा है ताकि तस्करी और डार्कनेट पर हो रही डील्स पर नजर रखी जा सके। चिंता की बात यह है कि राज्य में नशामुक्ति की क्षमता मांग के अनुपात में बहुत कम है।

इजराइल और ...

बंधकों के बदले इजराइल 250 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा और 1,700 बंदियों को सौंप देगा। इसी बीच इजराइल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग ने रेड कार्पेट स्वागत किया। राष्ट्रपति हर्जोग ने कहा, ब्लेस्ड आर द पीसमेकर्स। इजराइल आपका बहुत प्यार और कृतज्ञता के साथ स्वागत करता है। हमारे बंधकों को घर वापस लाने के लिए आपने जो कुछ भी किया है, उसके लिए धन्यवाद। हमारे क्षेत्र में भविष्य को लेकर आपकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद। ईश्वर इजराइल का भला करे। ईश्वर अमेरिका का भला करे। डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली संसद को भी संबोधित किया। इजराइली संसद के स्पीकर ने उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए समर्थन देने की बात कही। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा युद्ध समाप्त करने और बंधकों की रिहाई में भूमिका के लिए ट्रंप की तारीफ की और उन्हें इजराइल-प्राइज के लिए नामांकित किया।

इजराइल और गाजा के बीच शांति समझौता करने के लिए इजराइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है। ट्रंप यह सम्मान पाने वाले पहले गैर इजराइली नागरिक हैं। इजराइली संसद को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अंधेरे और कैद में दो खौफनाक साल बिताने के बाद 20 बहादुर बंधक अब अपने परिवारों के पास वापस लौट रहे हैं। ट्रंप ने दोहराया, हमने आठ महीनों में आठ युद्ध निपटाए हैं, जिनमें यह भी शामिल है। ट्रंप ने कहा, अगर हम जंग में उतरते हैं, तो हम इसे ऐसे जीतेंगे जैसा पहले कभी किसी ने नहीं जीता। ट्रंप ने कहा, यह इजराइल और पूरी दुनिया के लिए एक अद्भुत सफलता है कि इन सभी देशों ने शांति के साझेदार के रूप में मिलकर काम किया। उन्होंने आगे कहा, आने वाली पीढ़ियां इसे उस क्षण के रूप में याद रखेंगी, जब सब कुछ बदलना शुरू हुआ।इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई को लेकर ट्रंप की सराहना की। नेतन्याहू ने नेसेट (इजराइली संसद) में अपने भाषण में ट्रंप की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ट्रंप के प्रस्ताव ने हमास के साथ युद्ध खत्म कर दिया। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप का प्रस्ताव युद्ध को समाप्त कर चुका है और हमारे सभी लक्ष्य पूरे हो गए हैं। मैं इस शांति के प्रति प्रतिबद्ध हूं। नेतन्याहू ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में इजराइल के सबसे बड़े मित्र रहे हैं। नेसेट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप, हम आपका यहां स्वागत करते हैं ताकि हम आपको उस महत्वपूर्ण नेतृत्व के लिए धन्यवाद दे सकें, जो आपने उस प्रस्ताव को लेकर दिखाया, जिसे पूरी दुनिया का समर्थन मिला। यह वह प्रस्ताव है जो हमारे सभी बंधकों को घर वापस ला रहा है। यह वह प्रस्ताव है जो हमारे सभी उद्देश्यों को पूरा करते हुए युद्ध को समाप्त कर रहा है। नेतन्याहू ने कहा, मैंने अब तक कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों को देखा है, लेकिन मैंने कभी किसी को इतनी तेजी और निर्णायक तरीके से दुनिया को बदलते नहीं देखा, जैसा कि हमारे मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप ने किया है। नेतन्याहू ने ट्रंप को इजराइल के सर्वोच्च सम्मान इजराइल-प्राइज के लिए नामांकित किया है।

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की कि नेतन्याहू मिस्र में होने वाले सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। उनके कार्यालय ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आज मिस्र में हो रहे सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन कहा कि वह त्यौहार के शुरू के नजदीक होने की वजह से सम्मेलन में भाग नहीं ले पाएंगे।

देश तोड़ना चाहती...

द्रविड़ राजनीति की शुरुआत ब्रिटिश भारत में 20 नवंबर 1916 को मद्रास के विक्टोरिया पब्लिक हॉल में जस्टिस पार्टी के गठन के साथ हुई, जिसे सी नटेसा मुदलियार ने टीएम नायर और पी. थेगरया चेट्टी के साथ मिलकर बनाया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री, राजनयिक और लेखक मणिशंकर अय्यर ने कहा कि सनातन धर्म पर डीएमके के रुख को लेकर अनावश्यक हंगामा देश को बेहद खतरनाक स्थिति में ले जा सकता है। डीएमके के सनातन विरोधी रुख में कुछ भी नया नहीं है, सिवाय इसके कि देश में अब प्रधानमंत्री के रूप में सनातन धर्म में आस्था रखने वाला व्यक्ति है। डीएमके वही कह रही है जो वह पिछले कई सालों से कहती आ रही है। अय्यर ने कहा, इसी वजह से मेरे पिता को चेन्नई छोड़कर लाहौर में बसना पड़ा, क्योंकि उन्हें लगा कि वहां नौकरी मिलने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, अगर द्रविड़ों को उकसाया जाता रहा, तो देश का पूर्व, पश्चिम और दक्षिण ख़तरे में पड़ जाएगा। इसके अलावा, अगर केंद्र सरकार दक्षिण भारतीयों पर हिंदी थोपने पर अड़ी रही, तो इससे दक्षिण, पूर्व और उत्तर भी ख़तरे में पड़ जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर पर अपनाई गई नीति पर सवाल उठाते हुए अय्यर ने कहा कि राज्य के साथ 5 अगस्त, 2019 के बाद से अब तक प्रदर्शित की जा रही नीति से कहीं अधिक विचार और सहानुभूति के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे डर है कि हम भारत के उत्तर में, कश्मीर में और संभवतः पंजाब में बहुत खतरनाक स्थिति में पहुंचने वाले हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता एक ऐसा विचार है जिसमें अल्पसंख्यकों का ध्यान रखा जाता है। लेकिन अब ऐसा नहीं लगता। संसद में पिछले दिन जो हुआ, वह देश के हालात का संकेत है। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ अल्पसंख्यक जन्मजात भारतीय हैं, और उनके साथ वैसा व्यवहार नहीं किया जा रहा जैसा होना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत को एकजुट करना हम सभी के लिए सबसे बड़ा काम है।

जम्मू-कश्मीर भारत ...

कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के पीड़ित लोगों के न्याय के लिए किए जा रहे संघर्ष से मुंह मोड़ लिया है, जिससे इतिहास और मुस्लिम उम्माह, दोनों के साथ अन्याय हो रहा है।

वहीं, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्तकी ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संघर्ष पर भी खुलकर अपनी बात रखी। मुत्तकी ने कहा कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की ओर से हुई गोलीबारी का जवाब दिया और अपनी सीमाओं की रक्षा की। उन्होंने बताया कि हालिया संघर्ष में दर्जनों लोग मारे गए हैं, लेकिन अब स्थिति नियंत्रण में है। मुत्तकी ने कहा कि अगर पाकिस्तान शांति नहीं चाहता, तो अफगानिस्तान के पास अन्य विकल्प भी हैं। उन्होंने साफ किया कि अफगानिस्तान अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा और अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी के खिलाफ नहीं होने देगा।वहीं, पाकिस्तान की तरफ से लगातार यह आरोप लगाया जा रहा है कि अफगानिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी छिपे हैं, लेकिन मुत्तकी ने इसे सिरे से नकार दिया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा 2400 किलोमीटर लंबी है, जिसे इतिहास में न चंगेज खान नियंत्रित कर सका, न अंग्रेज। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर पाकिस्तान के पास इतनी बड़ी सेना और खुफिया एजेंसियां हैं, तो वह अपने देश में आतंक को क्यों नहीं रोक पा रहा?

भारत ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने लिए सकारात्मक बताया है। भारत का कहना है कि यह बयान दिखाता है कि भारत और अफगानिस्तान दोनों पड़ोसी हैं और साझा सीमाएं रखते हैं, क्योंकि पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) की सीमा अफगानिस्तान से लगती है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत अफगानिस्तान की शांति, स्थिरता और विकास का शुभचिंतक है। इस तरह तालिबान की यह नई स्थिति न सिर्फ पाकिस्तान के लिए कूटनीतिक झटका है, बल्कि दक्षिण एशिया की राजनीति में एक बड़ा संकेत भी है कि तालिबान अब भारत के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा है और पाकिस्तान से उसका रिश्ता पहले से कहीं ज्यादा तनावपूर्ण होता जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने...

टीवीके के सचिव आधव अर्जुना ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने एसआईटी का गठन किया था, जिसे टीवीके ने चुनौती दी थी। भगदड़ के तुरंत बाद विवाद और आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए थे। करूर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर टीवीके के करूर (उत्तर) जिला सचिव माधियाझगन, जनरल सेक्रेटरी बसी आनंद, और ज्वाइंट जनरल सेक्रेटरी सीटीआर निर्मल कुमार के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, और अन्य की जान जोखिम में डालना जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। पुलिस का कहना है कि भगदड़ में कोई खुफिया चूक नहीं हुई। रैली में विजय देर से पहुंचे, और लोग कई घंटे से इंतजार कर रहे थे।पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों से कहा था कि विजय की विशेष रैली बस को निर्धारित स्थान से कम से कम 50 मीटर पहले रोक दें। लेकिन आयोजकों ने तय जगह पर ही बस खड़ी की। पुलिस के अनुसार, 10 मिनट तक नेता बस से बाहर नहीं आए, जिससे भीड़ असंतुष्ट हो गई। लोग उन्हें देखने के लिए बेताब थे। बता दें कि, इस रैली के लिए टीवीके ने 10,000 लोगों के लिए अनुमति मांगी थी, लेकिन रैली में लगभग 25000 लोग जमा हो गए। पुलिस ने कहा कि पार्टी ने पर्याप्त पानी, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं नहीं कीं और अनुमति की शर्तों का पालन नहीं किया।

आईआरसीटीसी भ्रष्टाचार...

जबकि राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर भी साजिश और धोखाधड़ी के कई अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। लालू प्रसाद यादव, राबड़ी यादव और तेजस्वी यादव तीनों ने आरोपों को स्वीकार करने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वो ट्रायल का सामना करेंगे।दिल्ली की कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ उनकी कथित भूमिका के आधार पर अलग-अलग धाराओं में आरोप तय किए थे। राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर धोखाधड़ी और षड्यंत्र रचने के अपराध के लिए आईपीसी की धारा 420 और 120बी के तहत आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वे मुकदमे का सामना करेंगे। कोर्ट ने अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। हालांकि, सभी आरोपियों पर आपराधिक षड्यंत्र रचने का आरोप है। लालू प्रसाद यादव ने खुद को निर्दोष बताया है और उनका कहना है कि वे मुकदमे का सामना करेंगे।बीती 24 सितंबर को विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी व बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनके बेटे व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपियों को उक्त तारीख पर पेश होने का निर्देश दिया था। अदालत ने मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 29 मई को अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था। यह मामला 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल के दौरान आईआरसीटीसी होटलों के रखरखाव के ठेकों के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि आईआरसीटीसी घोटाले की जांच करने वाली सीबीआई ने अदालत को बताया है कि वर्ष 2004 से 2009 तक केंद्रीय रेल मंत्री रहे लालू यादव ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए निजी कंपनी सुजाता होटल्स को रांची और पुरी में आईआरसीटीसी के दो होटलों को अनुचित तरीके से ठेके दिए थे।

वोट चोरी की...

याचिकाकर्ता अपनी शिकायत वहां दर्ज कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया या परिणामों से जुड़े मामलों में न्यायपालिका का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं है।

याचिकाकर्ता रोहित पांडेय ने अपनी याचिका में राहुल गांधी की 7 अगस्त 2024 को की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस का हवाला दिया था, जिसमें राहुल ने बेंगलुरु सेंट्रल में मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप लगाया था। पांडेय ने दावा किया कि उन्होंने स्वतंत्र रूप से इन आरोपों की पुष्टि की और प्रथम दृष्टया साक्ष्य पाए, जो यह साबित करते हैं कि ये आरोप वैध मतों को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कोर्ट से मांग की थी कि मतदाता सूचियों का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए और तब तक सूचियों में कोई संशोधन न किया जाए।सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि इस तरह के मामले जनहित याचिका के दायरे में नहीं आते। कोर्ट ने यह भी माना कि याचिकाकर्ता ने पहले ही चुनाव आयोग के सामने शिकायत दर्ज की थी, लेकिन आयोग ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बावजूद कोर्ट ने चुनाव आयोग को कोई समय सीमा तय करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। याचिकाकर्ता चाहें तो चुनाव आयोग के सामने अपनी बात रख सकते हैं।राहुल गांधी और कांग्रेस ने पिछले कुछ महीनों में वोट चोरी के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। खासकर बेंगलुरु सेंट्रल में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा था। इन आरोपों ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी थी, जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राहुल गांधी के आरोपों की एसआईटी जांच की संभावना खत्म हो गई है। अब याचिकाकर्ता के पास एकमात्र रास्ता चुनाव आयोग के सामने अपनी शिकायत को और मजबूती से रखने का है।

पीएम के हस्तक्षेप से ...

64 विधानसभा सीटों पर जहां पार्टी तीसरे या उससे नीचे स्थान पर रही, उसे जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिले। इन सीटों में से चिराग की पार्टी ने 27 सीटों पर जदयू को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचाया, जहां वह दूसरे स्थान पर रही।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, लोजपा (रामविलास) को अभी भी अपनी योग्यता से ज्यादा सीटें मिली हैं। हम शुरू में पार्टी के लिए 20 से ज़्यादा सीटों के पक्ष में नहीं थे। फिर इसे बढ़ा कर 23 और फिर 26 कर दिया गया क्योंकि चिराग लगातार दबाव बना रहे थे। गठबंधन को मजबूत और एकजुट बनाए रखने के लिए, हम 29 सीटों पर सहमत हुए हैं। चिराग पासवान ने बहुत जोर लगाया। चूंकि वह केंद्र में एक प्रमुख सहयोगी हैं, इसलिए हमें उनकी मांगें माननी पड़ीं। लोजपा ने 40 सीटों से शुरुआत की, फिर 35 और अंततः 29 सीटों पर समझौता कर लिया। प्रधानमंत्री के फोन के बाद मांझी छह सीटों पर राजी हो गए। बताया जा रहा है कि उन्होंने भविष्य में एक एमएलसी पद की मांग की है। संजय झा ने बताया, महत्वपूर्ण बात यह है कि एनडीए पहले आगे बढ़ रहा है जबकि महागठबंधन सीटों को लेकर माथापच्ची कर रहा है। यह दर्शाता है कि हम एकजुट हैं।

आरएलएम ने छह सीटों पर सहमति जताई, क्योंकि उसे आश्वासन दिया गया था कि उपेंद्र कुशवाहा को अगले अप्रैल में कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी राज्यसभा सीट दी जाएगी। आरएलएम महुआ, उजियारपुर, सासाराम, दिनारा, मधुबनी और बाजपट्टी सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, हमने देखा कि कैसे उपेंद्र कुशवाहा (जिन्होंने एक अन्य छोटे गठबंधन में चुनाव लड़ा था) ने पिछली बार एनडीए को प्रभावित किया था, खासकर शाहाबाद और मगध क्षेत्र में। लोजपा (रामविलास) की तरह कुशवाहा भी हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी हैं।यह पहली बार था जब भाजपा ने सहयोगियों के साथ चर्चा का नेतृत्व किया, जबकि जदयू ने स्पष्ट कर दिया था कि वह छोटे सहयोगियों के साथ बातचीत से दूर रहेगी। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी ने गठबंधन में खुद को बड़ा भाई स्थापित करने के लिए भाजपा से एक सीट ज्यादा मांगी थी। पार्टी का तर्क था कि पिछले साल लोकसभा चुनावों में उसका स्ट्राइक रेट भाजपा से थोड़ा बेहतर था (उसने 16 में से 12 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने 17 सीटों पर चुनाव लड़कर 12 सीटें जीती थीं)। भाजपा ने जदयू की मांग से असहमति जताते हुए कहा कि 2020 में जदयू को मिली 43 सीटें उसकी 74 सीटों से काफ़ी कम थीं। अंत में नीतीश के नेतृत्व वाली पार्टी ने सीट-बंटवारे के फ़ॉर्मूले पर सहमति जता दी। सीटों के इस बंटवारे में नए सदस्यों या अप्रत्याशित उम्मीदवारों के लिए कोई जगह नहीं बची है, जिससे संभवतः मुकेश सहनी की वीआईपी की एनडीए में वापसी की संभावना भी खत्म हो गई है।बिहार चुनाव के लिए एनडीए ने सीटों का बंटवारा तो कर लिया, लेकिन यह सवाल कायम है कि पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट जीतने वाली लोजपा को 29 सीटें कैसे मिल गईं? यह सवाल ज्यादा जरूरी इसलिए भी है क्योंकि पिछले चुनाव में मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा ने एनडीए के लिए चार सीटें जीती थीं, लेकिन उन्हें इस बार एक सीट और कम दी गई है। ऐसे में चिराग पर इतना विश्वास क्यों दिखाया गया?बिहार में दलित वोटबैंक काफी अहम माने जाते हैं, वहां भी बात जब चिराग पासवान की आती है तो उनकी पकड़ी दुसाध समुदाय में सबसे ज्यादा है। चिराग के पिता रामविलास पासवान ने इसी दुसाध समुदाय को सशक्त कर बिहार की राजनीति में अपनी अलग जगह बनाई थी। 2023 की जातिगत जनगणना बताती है कि बिहार में दुसाध समुदाय की आबादी 5.31 फीसदी के आसपास है, इन्हें 70 से 80 लाख माना जा सकता है। दलित समुदाय में दुसाध को सबसे प्रभावशाली जाति के रूप में देखा जाता है। हाजीपुर, समस्तीपुर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, और गया कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर दुसाध समुदाय हार-जीत तय कर जाते हैं। बिहार की 20 से 25 सीटें ऐसी हैं जहां पर दुसाध समुदाय की सीधी भागीदारी है और बिना उनके समर्थन किसी भी प्रत्याशी का जीतना मुश्किल है। इसके अलावा 70 से 80 सीटों पर भी दुसाध समुदाय अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। इसी वोटबैंक के दम पर चिराग पासवान अपनी पार्टी के लिए ज्यादा सीटें भी मांग रहे थे। यहां भी हाजीपुर, लालगंज, महनार, रोसड़ा, वारिसनगर, हसनपुर सीट इस वोट बैंक के लिहाज से ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है।चिराग पासवान ने पिछले विधानसभा चुनाव में बगावत करते हुए 137 सीटों अपने उम्मीदवार उतारे थे। वे खुद को मोदी का हनुमान तो बता रहे थे, लेकिन नीतीश कुमार के साथ उनका तालमेल नहीं बैठ रहा था। इस वजह से उन्होंने उन सीटों पर खास फोकस रखा जहां पर जदयू को नुकसान पहुंच सकता था। चुनावी परिणाम बता रहे हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव में चिराग की पार्टी ने सीट सिर्फ एक जीती, लेकिन जदयू को कई सीटों पर भारी नुकसान दिया। पिछले विधानसभा चुनाव में तो चिराग पासवान की पार्टी ने जदयू को नुकसान पहुंचाया, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने 100 फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ सभी 5 सीटों पर जीत दर्ज की। पासवान समुदाय से होने के बावजूद चिराग ने खुद को किसी एक जाति तक सीमित नहीं रखा है, वे जातियों की ज्यादा बात भी नहीं करते हैं। उनके मुद्दे तो बिहारी अस्मिता, रोजगार, कानून व्यवस्था हैं। ऐसे में मुद्दों की राजनीति करने में विश्वास रखने वाले चिराग खुद को सिर्फ एक वोटबैंक तक सीमित नहीं रखना चाहते हैं।इस चुनाव में उन्होंने बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट का नारा दिया है। वे हर जनसभा में बिहार के विकास, उद्योग और रोजगार को प्राथमिकता दे रहे हैं। वे युवा वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश में लगे हैं। यह वही वोटबैंक जिस पर तेजस्वी यादव की भी खास नजर है। बिहार के युवाओं पर चिराग पासवान का अच्छा प्रभाव है। एनडीए नेतृत्व इस प्रभाव के सियासी प्रतिफल को अच्छी तरह समझ रहा है।

दीपावली से पहले खरीदारी का महा मुहूर्त

दीपावली पर महालक्ष्मी पूजन से 7 दिन पहले खरीदी का महा मुहूर्त पुष्य नक्षत्र 14 एवं 15 अक्टूबर को 24 घंटे 6 मिनिट रहेगा। खरीदी के इस महा मुहूर्त पर सिद्ध और साध्य योग रहेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि नक्षत्रों का राजा पुष्य मंगलवार को दिवस पर्यंत एवं बुधवार को उदयातिथि में रहने से चल-अचल संपत्ति की खरीदी स्थाई फल प्रदान करेंगी। इस दौरान सोना-चांदी, भूमि-भवन, वाहन के साथ ही अन्य चल-अचल संपत्ति कल्याणकारी रहेगी। इस अवसर पर शहर के नए-पुराने बाजारों में खरीदार उमड़ेंगे। इस योग में खरीदारी और नई शुरुआत करना शुभ माना जाता है। हर साल दीपावली से करीब 7 दिन पहले पुष्य नक्षत्र आता है। इसी दिन से दीपावली की खरीदारी भी शुरू हो जाती है। नया काम या बिजनेस भी शुरू किया जाता है।

पंचांग के अनुसार 14 अक्टूबर को दोपहर 11:54 से 15 अक्टूबर को दोपहर 11:59 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा। इतने शुभ योग के प्रभाव से लंबे समय तक धन लाभ, सुख और समृद्धि मिलेगी। इस संयोग में सोना-चांदी, बर्तन, कपड़े, फर्नीचर, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, व्हीकल और प्रॉपर्टी की खरीदारी कर सकते हैं। रियल एस्टेट में किया निवेश भी लंबे समय तक फायदा देने वाला रहेगा। बिजनेस के बड़े सौदों के लिए भी यह दिन फायदेमंद रहेगा। पुष्य नक्षत्रों को नक्षत्रों का राजा बताया गया है। इस नक्षत्र में सोना और चांदी की खरीदी को सबसे शुभ माना जाता है जो सुख-समृद्धि की देवी महालक्ष्मी के आगमन का प्रतीक है। साथ ही जमीन, मकान और वाहन की खरीदारी भी लाभकारी मानी गई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक सामग्री एवं वाहन के साथ ही घरेलू उपयोगी सामग्री की खरीदारी भी समृद्धि दायक बताई गई।

नक्षत्र का स्वामी शनि और इसके देवता बृहस्पति होते हैं। ये दोनों ग्रह अच्छी स्थिति में है। इन ग्रहों के प्रभाव से सोना-चांदी, मशीनरी और रियल एस्टेट में बड़े निवेश होने की उम्मीद है। इस शुभ योग में किए गए इन्वेस्टमेंट से आने वाले दिनों में बड़ा फायदा होने की संभावना है। ग्रह-स्थिति के मुताबिक शेयर मार्केट में गिरावट होने की आशंका है। ऐसे समय में किया गया निवेश आने वाले दिनों में बड़ा फायदा दे सकता है। पुष्य नक्षत्र में किए गए काम दोषमुक्त होते हैं और जल्दी ही सफल हो जाते हैं। रविवार और गुरुवार को पड़ने वाला पुष्य नक्षत्र बेहद शुभदायक माना जाता है। पुष्य अन्ध नक्षत्र है। इस नक्षत्र में खोई हुई चीज जल्दी मिल भी जाती है।

नए काम और व्यापार की शुरुआत करने के लिए गुरु पुष्य नक्षत्र का सबसे शुभ माना गया है। इस दिन प्रॉपट्री, नया घर या गृह प्रवेश के लिए शुभ माना जाता है। पुष्य नक्षत्र पर गुरु, शनि और चंद्रमा का प्रभाव सबसे ज्यादा रहता है। ऐसे में इस दिन सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। इस दिन आभूषण और पीपल के बर्तन खरीदने का महत्व होता है। गुरु पुष्य नक्षत्र में छोटे बच्चों को विद्यारंभ करवाना अच्छा माना जाता है।

नक्षत्रों का राजा है पुष्य

27 नक्षत्रों में आठवां नक्षत्र है पुष्य। इसे नक्षत्रों का राजा भी माना जाता है। यह धन, यश और वैभव का प्रतीक है, इसलिए पुष्य नक्षत्र में शुभ कामों की शुरुआत, प्रॉपर्टी, व्हीकल की खरीदारी और निवेश करने की परंपरा चली आ रही है। माना जाता है इस नक्षत्र में सोना खरीदने से घर में सुख-समृद्धि आती है। पुष्य को सबसे अच्छा नक्षत्र माना जाता है। इसे शास्त्रों में अमरेज्य भी कहा गया है। यानी वो नक्षत्र जो जीवन में स्थिरता और अमरता लाता है। इस दौरान लंबे समय तक चलने वाले स्थायी काम करने चाहिए। इस बार दीपावली से पहले 14 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र का संयोग बन रहा है। यह हर तरह की खरीदारी के लिए सर्वोत्तम दिन माना जाता है।

14 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र

पुष्य नक्षत्र हर महीने आता है लेकिन दिवाली से पहले आने वाले पुष्य नक्षत्र का विशेष महत्व बताया गया है। इस साल दिवाली से पहले पुष्य नक्षत्र 14 और 15 अक्टूबर 2025 दो दिन है। पुष्य नक्षत्र निवेश, सोना-चांदी, संपत्ति, वाहन खरीदी, बहीखाता नवीनीकरण और दिवाली की खरीदी के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। यही वजह है कि दिवाली से पहले लोगों को पुष्य नक्षत्र का इंतजार रहता है। दीवाली के समय स्वर्ण खरीदने के लिये मुहूर्त, अर्थात शुभ समय को प्राथमिकता देते हैं। पुष्य नक्षत्र एवं धनतेरस, ये दो सर्वाधिक शुभ दिन हैं। सोना खरीदना, घर में देवी लक्ष्मी को आमन्त्रित करने के समान माना जाता है. देवी लक्ष्मी धन एवं समृद्धि प्रदान करने वाली देवी हैं। पुष्य नक्षत्र देवी लक्ष्मी का जन्म नक्षत्र है, इसीलिये पुष्य नक्षत्र को देवी लक्ष्मी को घर लाने के लिये सर्वाधिक शुभ नक्षत्र माना जाता है। ऐसे में इस दिन मां लक्ष्मी के रूप में सोना खरीदने की परंपरा है। कहते हैं इसस घर में स्थाई रूप से धन लक्ष्मी का वास हो जाता है।

हर प्रकार की खरीदी शुभ

पुष्य नक्षत्र में किए गए कार्य पुण्यदायी और फल देने वाले होते हैं। पंचांग के अनुसार, 14 अक्टूबर को दोपहर 11:54 से 15 अक्टूबर को दोपहर 11:59 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पुष्य नक्षत्र 27 नक्षत्रों में से 8 वें स्थान में आता है। पुष्य नक्षत्र की राशि कर्क है। इसे 27 नक्षत्रों में से सबसे शुभ, पुण्य और पवित्र माना जाता है। पुष्य नक्षत्र में खरीदारी करने का प्रचलन है, इसलिए ही इसे शुभ माना जाता है। इस नक्षत्र में चल-अचल संपत्ति जैसे सोने, चांदी के आभूषण, सिक्के, महालक्ष्मी की प्रतिमा, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल्स, फर्नीचर, बाइक-कार, उद्योग के लिए जमीन, प्लॉट की खरीदी सबसे ज्यादा शुभ मानी गई है। साथ ही पुष्य नक्षत्र में निवेश के लिए भी सबसे शुभ माना जाता है।

पुष्य नक्षत्र में इनकी खरीदी स्थायी लाभ

अचल संपत्ति - मकान, प्लॉट, फ्लैट, कृषि भूमि और व्यावसायिक संपत्ति।

चल संपत्ति - आभूषणों में सोना, चांदी, हीरा, प्लेटिनम के आभूषण।

ऑटोमोबाइल (चार पहिया वाहन, दोपहिया वाहन),

इलेक्ट्रिक दोपहिया-चार पहिया वाहन।

इलेक्ट्रॉनिक सामान में फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, माइक्रोवेव ओवन आदि।

पुष्य नक्षत्र खरीदारी मुहूर्त

14 अक्टूबर (मंगलवार): दोपहर 11:54 बजे से लेकर पूरी रात तक।

15 अक्टूबर (बुधवार): सुबह 06:22 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दिवाली से पहले हनुमानजी की कृपा से वृषभ, कन्या समेत अन्य राशियों के जातक पाएंगे लाभ

आज यानी 14 अक्टूबर दिन मंगलवार है और आज के दिन के स्वामी ग्रह रहेंगे मंगल जबकि दिन के देवता हैं हनुमानजी। इन सबके साथ आज चंद्रमा का गोचर दिन रात कर्क राशि में हो रहा है। चंद्रमा इस राशि में आकर स्वराशि में रहेंगे जिससे आज शशियोग का शुभ संयोग बनेगा। इस पर आज के दिन चंद्रमा से द्वादश में गुरु के होने से अनफा योग बनेगा। और इसके साथ ही साथ चंद्रमा के चतुर्थ भाव में बुध और मंगल की युति होगी। आज के दिन भास्कर योग का भी संयोग बनेगा। इस पर आज पुनर्वसु उपरांत पुष्य नक्षत्र के संयोग में सिद्ध योग और मंगल पुष्य योग का भी संयोग बना है। ऐसे में आज का दिन हनुमानजी की कृपा और मंगल पुष्य योग के संयोग से वृषभ, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मकर राशि के जातको के लिए बेहद लकी रहेगा।

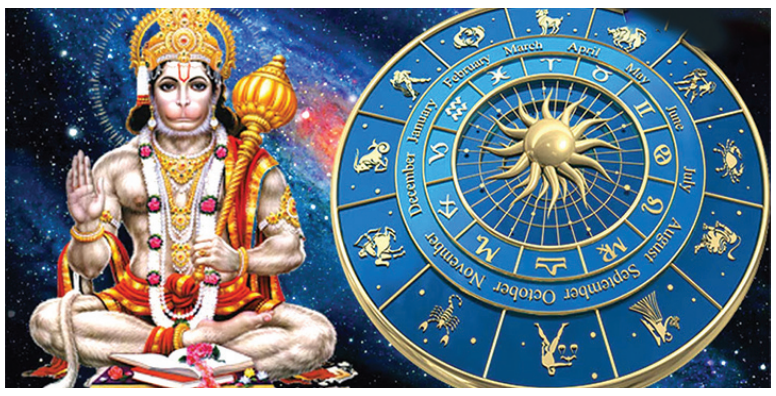

वृषभ राशि – वृषभ राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज कार्यक्षेत्र में भाग्य उन्नति का मौका प्रदान करेगा। भाग्य के सितारे आपके चमक रहे हैं। आपको आज बिजनेस में उम्मीद से बढ़कर आर्थिक लाभ मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन किसी अप्रत्याशित स्रोत से आर्थिक लाभ मिलेगा। आपको आज भाग्य कहीं से उपहार भी दिलवा रहा है। नौकरी में दोस्तों और सहकर्मियों के साथ आप मनोरंजक समय बिताएंगे। किसी मित्र या पड़ोसी से मिलने का अवसर मिलेगा। आपके सितारे बता रहे हैं कि आज का दिन आपको सरकारी कामें भी भी सफल बना रहा है। जो लोग नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कोई बड़ा मौका मिलेगा। आप आज जीवनसाथी के साथ सुखद समय बिता पाएंगे।

उपाय : वृषभ राशि के जातकों को आज के दिन श्रीराम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

कर्क राशि– आज का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए लाभदायक रहेगा। आपको आज भाग्य आर्थिक लाभ के अवसर प्रदान करेगा। आपकी कमाई में वृद्धि होगी। आप आज बिजनेस में विस्तार योजना को लागू कर पाएंगे। आपको साझेदारो और सहयोगियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आप आज दीर्घकालीन निवेश में धन लगाकर भी अच्छी कमाई कर पाएंगे। आपके सितारे बता रहे हैं कि आपको आज किसी मित्र या सगे संबधी की मदद से भी फायदा हो सकता है। वस्त्र और सुख साधन मिलने की आपको खुशी होगी। आपको परिवार के सदस्यों से आज पूरा सहयोग मिलेगा। वाहन सुख मिलने का भी योग बना हुआ है। किसी चली आ रही समस्या का समाधान होगा, जिससे आप राहत महसूस करेगे।

उपाय :आपको आज के दिन उपाय के तौर पर हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

कन्या राशि – कन्या राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आका दन आज सुख और आनंद में बीतेगा। आपकी लाइफ की चली आ रही कोई चिंता परेशानी दूर होगी। आपको भाग्य आर्थिक लाभ का अवसर प्रदान करेगा और बिजनेस मे आपकी कमाई में वृद्धि होगी। आप कोई नया काम या कारोबार भी आज शुरू कर सकते हैं। आपको पिता और पैतृक धन संपत्ति से भी लाभ मिलेगा। कन्या राशि के छात्र आज शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेगे। आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढेगा। आपकी कोई अधूरी चाहत पूरी होगी। वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा। किसी पूर्व परिचित की मदद से आपको लाभ मिलेगा। आपको भाग्य आज विदेशी संपर्क से भी लाभ मिल सकता है।

उपाय : कन्या राशि के जातकों को आज के दिन उपाय के तौर पर हनुमानजी को बूंदी का प्रसाद अर्पित करना चाहिए और प्रसाद बच्चों में बांट देना चाहिए।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपका दिन आज खुशियों भरा रहेगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में कोई नया अवसर मिल सकता है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन कोई ऐसी खबर मिलेगी जिससे आपका मन आनंदित हो जएगा। आपको उपहार और मान सम्मान मिलने का भी योग बना हुआ है। आप आज के दिन किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं जिसका आपको भविष्य में लाभ मिलेगा। कोर्ट कचहरी से संबंधित मामला हो या सरकारी क्षेत्र से संबंधित आज का दिन आपके लिए इन मामलों में सकारात्मक परिणाम प्रदान करने वाला रहेगा। आपके सितारे बताते है कि आपके घर में आज कोई सुख साधनों में वृद्धि करने वाला सामान आ सकता है जिससे खुशी का माहौल रहेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर तुलसी को दूध और जल मिलाकर अर्पित करना चाहिए। तुलसी माता को दीप भी दिखाएँ।

मकर राशि – मकर राशि के लिए सितारे बताते हैं कि आपका आज के दिन भाग्य आर्थिक लाभ दिलाएगा। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। किसी पुराने परिचित से मुलाकात हो सकती है जिससे आपको कोई आनंददायक खबर मिलेगी। आप आज कोई नया काम या नई योजना की शुरुआत कर सकते हैं। बिजनेस में आपको आज भाग्य कमाई का विशेष अवसर प्रदान करेगा। जो जातक बिजली के उपकरण और वाहन से संबंधित काम करते हैं उनको कमाई का विशेष मौका मिलेगा। आपको आज पिता और पैतृक पक्ष से भी लाभ का मौका मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

दीपावली से पहले पुष्य-नक्षत्र में करें निवेश, हो जाएंगे मालामाल

पुष्य नक्षत्र सभी नक्षत्रों में सर्वाधिक शुभ एवं बलवान होने के कारण नक्षत्रराज कहलाता है। विवाह को छोड़कर सभी मांगलिक शुभ कार्यों में पुष्य नक्षत्र का महत्व है। शास्त्रों में पुष्य को सौ दोषों को दूर करने वाला, शुभ कार्य उद्देश्यों में निश्चित सफलता प्रदान करने वाला एवं बहुमूल्य वस्तुओं की खरीददारी हेतु सबसे श्रेष्ठ एवं शुभ फलदायी माना गया है।

ग्रहों की स्थिति अनुसार दीपावली से पहले पड़ने वाला यह पुष्य नक्षत्र खरीददारी के लिए धनतेरस के समान फलदायक है। सदियों से ऐसा माना जाता है कि पुष्य नक्षत्र के दिन किए गए हर शुभ कार्य का परिणाम कई गुना हो जाता है, इसी तरह इस दिन किया गया दान अक्षत हो जाता है और इस दिन खरीदी गई वस्तुएं भी अक्षत रहेगी। इस संयोग में मंत्रों से संबंधित कोई भी उपासना करने से उसका सौ गुना अधिक फल मिलता है।

मंगलवार को पुष्य नक्षत्र का ये है महत्व- पुष्य नक्षत्र इस वर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी दिन मंगलवार को दोपहर 3:42 पर लगेगा, जो अगले दिन बुधवार 15 अक्टूबर 2025 को दोपहर 3:19 तक रहेगा, स्वराशि कर्क का चंद्रमा 14 तारीख मंगलवार को दिन में 9:50 से लेकर अगले दिन यानी बुधवार संपूर्ण दिन रात्रि रहकर, बृहस्पतिवार दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को दोपहर को 3:27 तक चंद्रमा कर्क राशि में रहेगा। पुष्य नक्षत्रों का राजा माना जाता है, इस बार दीपावली से पूर्व मंगलवार को पुष्य नक्षत्र का शुभ संयोग है, मंगलवार को पुष्य नक्षत्र का संचरण होने पर इसे मंगल पुष्य के नाम से जाना जाता है।

इस दिन आप जो चीजें खरीदेंगे या निवेश करेंगे, वे आपको आगे ले जाने का कारक बनेंगी, इस दिन जमीन या मकान के साथ म्युचुअल फंड इत्यादि की खरीदारी लाभ देगी। पुष्य नक्षत्र के संचरण काल में सोने, चांदी के आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार, पुष्य नक्षत्र में किसी भी प्रकार के निवेश या खरीदारी करना शुभ होता है, विशेष रूप से आभूषणों के लिए। इस दिन खरीदे गए आभूषण धन और समृद्धि के आगमन का संकेत देते हैं, जिससे जीवन में स्थिरता और सुख-शांति बनी रहती है।

हनुमान जी की विशेष पूजा से दूर होंगे सारे कष्ट, शाम के समय जरूर करें यह काम

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को मंगलवार को आडल योग और सिद्ध योग का संयोग पड़ रहा है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। मंगलवार को रामभक्त हनुमानजी की पूजा अर्चना करने से सभी कष्ट व परेशानियों से मुक्ति मिलेगी और कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। मंगलवार के दिन का व्रत रखकर हनुमानजी को चोला और सिंदूर अर्पित करने से साहस, बल, ज्ञान और शक्ति में वृद्धि होती है और भय, रोक, भूत-प्रेत जैसी नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है। द्रिक पंचांग के अनुसार, अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 44 मिनट से शुरू होकर दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय दोपहर 3 से शुरू होकर 4 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। अष्टमी का समय 13 अक्टूबर दोपहर 12 बजकर 24 मिनट से शुरू होकर 14 अक्टूबर सुबह 11 बजकर 9 मिनट तक रहेगा। मंगलवार को कोई विशेष त्योहार या व्रत नहीं है, लेकिन मंगल ग्रह के नियंत्रक के लिए जातक मंगलवार का व्रत रख सकते हैं। इस दिन सूर्य कन्या राशि में और चंद्रमा कर्क राशि में रहेंगे। इस दिन सिद्ध योग और साध्य योग बन रहा है। साथ ही चंद्रमा पुनर्वसु नक्षत्र से होते हुए पुष्य नक्षत्र में संचार करेंगे।

हनुमानजी की पूजा का महत्व

स्कंद पुराण में उल्लेख मिलता है कि मंगलवार के दिन बजरंगबली का जन्म हुआ था, जिस वजह से इस दिन उनकी पूजा का महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है। रामभक्त हनुमान को मंगल ग्रह के नियंत्रक के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा करने से जीवन के कष्ट, भय और चिंताएं दूर हो जाती हैं। साथ ही, मंगल ग्रह से संबंधित बाधाएं भी समाप्त होती हैं।

हनुमानजी की पूजा विधि

इस दिन विधि-विधान से पूजा करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नित्य कर्म-स्नान आदि करने के बाद पूजा स्थल को साफ करें। फिर एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और पूजा की सामग्री रखें और उस पर अंजनी पुत्र की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद सिंदूर, चमेली का तेल, लाल फूल और प्रसाद चढ़ाएं। हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ कर बजरंगबली की आरती करें। इसके बाद आरती का आचमन कर आसन को प्रणाम करके प्रसाद ग्रहण करें। शाम को भी हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि लाल रंग मंगल ग्रह का प्रतीक है। इस दिन लाल कपड़े पहनना और लाल रंग के फल, फूल और मिठाइयां अर्पित करना शुभ माना जाता है। इस पावन दिन पर हनुमान जी की आराधना कर जीवन में सुख-समृद्धि और शांति की कामना करें।

मां के किरदार की पहली पसंद थीं निरूपा रॉय

300 से ज्यादा फिल्मों में किया अभिनय

बॉलीवुड की दुनिया में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी अदाकारी से दिलों में अमिट छाप छोड़ जाते हैं। ऐसी ही एक मशहूर अभिनेत्री थीं निरूपा रॉय, जिन्हें हम सब 'बॉलीवुड की मां' के नाम से जानते हैं। उनकी मां वाली भूमिका ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई और वे हर दर्शक के लिए 'मां' बन गईं। 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन की मां का रोल निभाकर उन्होंने अपनी खास पहचान बनाई। उस वक्त से लेकर अपने करियर के अंत तक, निरूपा रॉय ने मां के किरदार को ही अपनाया और बॉलीवुड में अपनी एक अलग जगह बनाई। निरूपा रॉय का जन्म 4 जनवरी 1931 को गुजरात के वलसाड में हुआ था। उनका असली नाम कांता चौहान था। महज 14 साल की उम्र में उनकी शादी कर दी गई। शादी के बाद वे अपने पति कमल रॉय के साथ मुंबई आ गईं। कमल रॉय का सपना था कि वे फिल्मों में एक्टर बनें, लेकिन उनके प्रयासों में उन्हें सफलता नहीं मिली। एक दिन कमल रॉय ने अपनी पत्नी के लिए भी फिल्मी करियर में संभावनाओं के बारे में सोचा और दोनों ने एक गुजराती फिल्म 'रणकदेवी' के लिए ऑडिशन दिया। जहां कमल को रिजेक्ट कर दिया गया, लेकिन निरूपा को लीड रोल ऑफर हुआ। इसी के साथ उनका फिल्मी सफर शुरू हुआ।

शुरुआती दौर में निरूपा ने ज्यादातर धार्मिक और ऐतिहासिक फिल्मों में काम किया। वह 'हर हर महादेव', 'रानी रूपमती', और 'नागपंचमी' जैसी फिल्मों में देवी के रोल में नजर आईं। इन किरदारों की वजह से दर्शक उन्हें देवी मानने लगे थे। धीरे-धीरे उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी जगह बनाई और सामाजिक फिल्मों में भी काम किया। उनकी फिल्म 'दो बीघा जमीन' को फिल्म इतिहास में एक मील का पत्थर माना जाता है, जिसमें उन्होंने शानदार अभिनय किया था।

लेकिन उनकी सबसे बड़ी पहचान 'मां' के किरदार से आई। 1975 में आई फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन के साथ मां का रोल निभाकर वे सबके दिलों में अपनी जगह बना गईं। उस वक्त से लेकर 1990 के दशक तक उन्होंने कई फिल्मों में मां के किरदार निभाए। 'अमर अकबर एंथोनी', 'खून पसीना', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'सुहाग', 'इंकलाब', 'गिरफ्तार', 'मर्द', और 'गंगा-जमुना-सरस्वती' जैसी फिल्मों में निरूपा रॉय ने अमिताभ बच्चन की मां के रूप में यादगार भूमिका निभाई। उनकी मां वाली भूमिका इतनी प्रभावशाली थी कि उन्हें बॉलीवुड की 'क्वीन ऑफ मिसरी' भी कहा जाता था। निरूपा रॉय का फिल्मी करियर लगभग पांच दशकों तक चला, और इस दौरान उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया। शुरुआत में वह लीड एक्ट्रेस के रूप में काम करती थीं, लेकिन मां के किरदार ने उन्हें अलग पहचान और सम्मान दिलाया। उन्होंने अपने किरदारों में जो ममता, दर्द और प्यार दिखाया, वह हर दिल को छू गया। इसके लिए उन्हें 2004 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। 13 अक्टूबर 2004 को निरूपा रॉय का निधन हो गया, लेकिन उनकी मां वाली भूमिका आज भी भारतीय सिनेमा में एक मिसाल के तौर पर याद की जाती है।

अध्याश्री-सुकृति बनीं 'सुपर डांसर चैप्टर 5' की विनर, मिलकर उठाई ट्रॉफी

सुपर डांसर चैप्टर 5' ने शुरू से ही दर्शकों को एंटरटेन किया और उन्हें अपने साथ जोड़े रखा। इस सीजन में भारत के कुछ सबसे टैलेंटेड डांसर थे, जिनकी सोशल मीडिया पर पहले से ही बड़े फैन फॉलोइंग हैं, इसलिए डांस मुकाबला बहुत ही रोमांचक रहा। फिनाले से पहले तक अंदाजा लगाना आसान नहीं था कि कौन सुपर डांसर की ट्रॉफी जीतकर घर लौटेगा। हफ्ते-दर-हफ्ते हर कंटेस्टेंट ने अपनी परफॉर्मेंस से भारत को मंत्रमुग्ध किया, लेकिन अंत में अध्याश्री और सुकृति ने मिलकर ट्रॉफी जीत ली।

'सुपर डांसर चैप्टर 5' के टॉप छह फाइनलिस्ट्स में अप्सरा, अध्याश्री, सुकृति, अदिति, सोमान्श और नमीष शामिल थे, जिनके युनिका डांस और स्टाइल ने लोगों को काफी इंप्रेस किया। आज उनकी सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। जजेस की बात करें तो बॉलीवुड के लीजेंड और भारत के सबसे पसंदीदा डांसरों में से एक गोविंदा जजेस पैनल में शामिल थे। उन्हें शो के मंच पर शिल्पा शेट्टी, गीता कपूर और मार्ज़ी पेस्टोंजी का साथ मिला।

अध्याश्री ने ट्रॉफी जीतने के बाद कहा, 'सुपर डांसर ने मुझे मंच दिया जहां मैं कुछ बेहतरीन डांसरों और बड़े बॉलीवुड सेलेब्स के सामने परफॉर्म कर सकी। मैंने पूरे सफर का मजा लिया और ट्रॉफी जीतना मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं सभी का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, खासकर मेरी मां का, जिनके लगातार सपोर्ट ने मुझे अपना बेहतरीन देने के लिए प्रेरित किया।'

कृष्णा श्रॉफ का बोल्ड और एलीगेंट अंदाज

लैक्मे फैशन वीक में दिखीं असली कूट्योर क्वीन की झलक

लैक्मे फ़ैशन वीक में कृष्णा श्रॉफ़ ने अपने खास अंदाज़ और फ़ैशन-फ़ॉरवर्ड एलीगेंस के साथ सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। वे डिज़ाइनर जोड़ी शान्तनु और निकिल की बहुप्रतीक्षित पहली वुमेन्स कूट्योर लाइन वेलोरा के लॉन्च पर नज़र आईं। फैशन-प्रेमी फ़िटनेस आइकॉन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा ने वेलोरा कलेक्शन की ही एक शानदार ड्रेस पहनी थी – एक झिलमिलाती मेटालिक गाउन, जो आधुनिक ड्रामा और टाइमलेस सोफिस्टिकेशन का खूबसूरत संगम थी। यह स्ट्रैपलेस गाउन काले पंखों जैसे टेक्सचर वाले बॉडिस से शुरू होकर नीचे की ओर मेटालिक, चैनमेल-जैसे कपड़े में लहरातीहुई दिखी। जो हर कदम के साथ रोशनी को अद्भुत ढंग से प्रतिबिंबित कर रही थी। ऊपरी हिस्से की कोमल, लगभग जैविक बनावट और निचले हिस्से की कवच-सी चमक के बीच का यह विरोधाभास एक शक्तिशाली और ग्लैमरस दृश्य प्रस्तुत कर रहा था – जैसे किसी आधुनिक योद्धा की झलक और बेहद आकर्षक दोनों था। कृष्णा का स्टाइलिंग सेंस इस लुक को और भी ऊँचाई पर ले गया। उनके बालों को हल्के, उभरे हुए वेव्स में सेट किया गया था, जो उनके चेहरे को खूबसूरती से फ्रेम कर रहे थे – इस पूरे लुक में पुरानी हॉलीवुड-ग्लैमर की झलक देते हुए। मेकअप बेहद सटीक था – न्यूड लिप्स, शार्प कॉन्टूरिंग और सॉफ्ट आई मेकअप, ताकि पोशाक केंद्र में रहे, फिर भी उनकी प्राकृतिक सुंदरता उभरकर दिखे।

इस लुक को पूरा किया लॉन्ग डायमंड ईयररिंग्स और चंकी बैंगल-स्टाइल ब्रेसलेट ने, जो गाउन के आर्किटेक्चरल डिज़ाइन के साथ सामंजस्य बिठाते हुए सही मात्रा में चमक जोड़ रहे थे। कुल मिलाकर यह लुक पावरफुल, परिष्कृत, बोल्ड और एलिगेंट था – वही संतुलन जो कृष्णा श्रॉफ़ के व्यक्तिगत स्टाइल को परिभाषित करता है।कूट्योर लाइन के इस लॉन्च पर कृष्णा की मौजूदगी वास्तव में "Velora' कलेक्शन की आत्मा का प्रतीक थी।

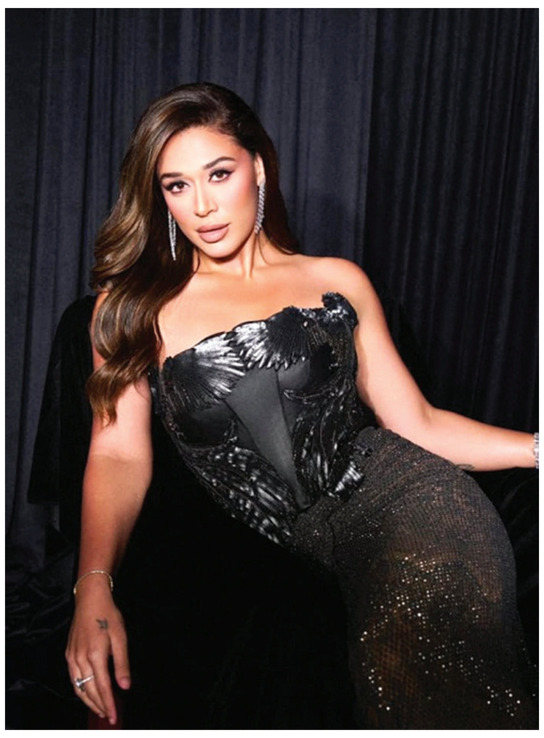

अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहीं संगीता बिजलानी

65 साल की हसीना और कभी सलमान खान संग रिश्ते को लेकर फेमस होने वाली अदाकारा संगीता बिजलानी भले ही पर्दे से दूर हैं, लेकिन अपनी ग्लैमरस अदाओं से सुर्खियों बटोरती रहती हैं। संगीता बिजलानी को भी खान परिवार के हर फंक्शन में देखा जाता है, लेकिन अब एक्ट्रेस के अपने फार्महाउस पर हुई चोरी पर खुलकर बात है। उन्होंने बताया कि वो बहुत अनसेफ महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री संगीता बिजलानी को शनिवार को पुणे में एक पुरस्कार समारोह में देखा गया, जहां उन्होंने महिला सुरक्षा, बढ़ती चोरी की वारदात और क्या सेफ्टी फीचर्स होने चाहिए जैसे मुद्दों को लेकर अपनी राय रखी। संगीता बिजलानी ने उनके फार्महाउस पर हुई चोरी पर बात करते हुए कहा, मैंने पुणे के एसपी संदीप सिंह गिल से मुलाकात की है। मैं उनसे मिलने ख़ास तौर पर पुणे आई थी ताकि उनसे मिलकर जल्दी से जांच का अनुरोध कर सकूं, क्योंकि मेरे घर पर चोरी हुई है। एक महिला होने के नाते मैं अपने ही घर में अनसेफ महसूस कर रही हूं। वहां मैं 20 साल से रह रही हूं, वो मेरा घर है। ऐसा पहली बार हुआ है जब मैं असुरक्षित महसूस कर रही हूं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, ये सब सिर्फ मेरे नहीं बल्कि पावना के सभी लोगों के लिए है। वहां के सभी लोग अपने बच्चों और माता-पिता के साथ रहते हैं, ऐसे में उस जगह का सुरक्षित होना बहुत जरूरी है। सेफ्टी को लेकर संगीता बिजलानी ने कहा कि अधिकारियों को वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए, क्योंकि वहां का कुछ एरिया काफी डार्क है। वहां सभी लोग छुट्टियों के समय जाते हैं, पुलिस को रोजाना वहां पेट्रोलिंग करनी चाहिए और माहौल को खराब करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी चाहिए। इन्हीं बातों को लेकर मैं आज एसपी संदीप सिंह गिल से मिलने के लिए आई हूं।

उन्होंने बताया कि फार्महाउस के आसपास के एरिया में फायर ब्रिगेड का ऑफिस भी नहीं है। फार्महाउस तक पहुंचने के लिए फायर ब्रिगेड को 3 से 4 घंटे लगे थे।

बता दें कि जुलाई में एक्ट्रेस के पावना स्थिति फॉर्म हाउस पर चोरी हुई थी। चोरों ने फॉर्महाउस के मेन गेट और खिड़की को तोड़ दिया था और घर के अंदर से रेफ्रिजरेटर, टीवी सेट, बेड, और सीसीटीवी कैमरे के साथ तोड़फोड़ और कई कीमती सामान भी गायब कर दिए थे। संगीता बिजलानी छुट्टियां बिताने के लिए ही फार्महाउस जाती है, लेकिन पिता की खराब तबीयत के चलते वहां उनका जाना कम हो गया है और वो फार्महाउस का ध्यान नहीं रख पा रही हैं। एक्ट्रेस ने मामले की शिकायत पुणे के पुलिस स्टेशन में की थी, लेकिन मामले पर अभी तक कोई अपडेट नहीं आया है।

रजा मुराद ने याद किए अपने यादगार किरदार

हिंदी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता रजा मुराद ने अपने शानदार अभिनय से दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया है। रविवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने पुराने किरदारों को याद किया। रजा मुराद ने इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके मशहूर किरदारों की झलकियां दिखाई गईं। इस वीडियो को कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, मेरे कुछ यादगार सीन और किरदारों की झलकियां, जिनमें मेरे सह कलाकारों के साथ खास पल भी शामिल हैं। रजा मुराद का यह वीडियो प्रशंसकों के लिए किसी सिनेमाई खजाने से कम नहीं है। सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट को देखकर प्रशंसक पुरानी यादों में खो गए और कमेंट सेक्शन पर उनकी तारीफ कर रहे हैं।रजा मुराद अपनी दमदार आवाज और प्रभावशाली अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'पद्मावत', 'बाजीराव मस्तानी' और 'जोधा अकबर' में यादगार किरदार निभाए हैं।रजा मुराद ने अपने करियर में 'बॉबी', 'प्रेम रोग', 'राम तेरी गंगा मैली', 'हिना', 'नमक हराम', 'राम लखन', और 'एक नजर' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। उनकी दमदार आवाज और अभिनय की बारीकियां हर किरदार को जीवंत बना देती हैं। चाहे नकारात्मक किरदार हों या सहायक भूमिकाएं, रजा मुराद ने हर रोल में अपनी छाप छोड़ी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जी–वन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जी–वनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता–पि–ता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनस–ाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करे–गा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी–से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 अक्टूबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 12:26 तक
नक्षत्र : आर्द्रा दोपहर 12:27 तक
योग : परिघ प्रात: 08:09 तक
करण : बव दोपहर 12:26 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:55 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:01 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 05:47 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– अहोई अष्टमी व्रत , कालाष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में तीन नए कानून समय पर न्याय देने का काम करेंगे: अमित शाह

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान में नए आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 160 साल पुराने कानून को समाप्त कर केंद्र सरकार जो तीन नए कानून लाई है, उनके माध्यम से 2027 के बाद जो भी एफआईआर होगी, उस पर तीन साल के अंदर ही सुप्रीम कोर्ट तक न्याय दिलाने की व्यवस्था इस कानून से हो जाएगी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा, तीन नए कानून सभी को सरलता से और समय पर सुलभ न्याय देने का कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को 'ईज ऑफ लिविंग' दिया है और इन कानूनों से 'ईज ऑफ जस्टिस' भी मिलेगा। हमारी न्याय प्रणाली अब दंड के स्थान पर न्याय के सिद्धांत पर कार्य करेगी। उन्होंने अपील करते हुए कहा, आपराधिक न्याय से जुड़े लोगों को मेरा विनम्र अनुरोध है कि राजस्थान में लगाए गए तीन नए कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी जरूर देखें।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में सजा दिलाने की दर पहले महज 42 प्रतिशत थी। तीन नए कानून लागू हुए सिर्फ एक साल ही हुआ है और यह दर बढ़कर 60 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। अमित शाह ने कहा, जब इनका पूर्ण रूप से इंप्लीमेंटेशन हो जाएगा, तब सजा दिलाने की दर 90 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इन कानूनों में सभी प्रकार की वैज्ञानिकता की व्यवस्था की गई है।

उद्घाटन भाषण में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, तीन नए कानूनों में 29 से अधिक स्थानों पर समय–सीमा भी निर्धारित की गई है। 90 दिनों में पीड़ित को अपडेट देना अनिवार्य है। 14 दिनों में पुलिस रिपोर्ट की प्रति पीड़ित को देनी होगी। 60 दिन और 90 दिन में चार्जशीट दाखिल करनी होगी। अमित शाह ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली में मोदी सरकार के सुधार 21वीं सदी के सबसे बड़े रिफॉर्म्स हैं। इसके लागू होने के बाद हमारी न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक बन जाएगी।

डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में मिला राजस्थान रत्न अवार्ड

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में आयोजित भव्य समारोह में 'राजस्थान रत्न अवार्ड–2025' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें समाजसेवा, लोककल्याण तथा राजस्थान के समग्र विकास के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। राजस्थान बिज़नेस एंड प्रोफेशनल ग्रुप (आरबीपीजी) दुबई एवं राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दिवाली उत्सव 2025 कार्यक्रम के दौरान डॉ. चतुर्वेदी को यह सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ. चतुर्वेदी के नेतृत्व में राजस्थान राज्य वित्त आयोग ने पंचायतों और नगरीय निकायों को सशक्त बनाने, वित्तीय संसाधनों के न्यायसंगत वितरण तथा स्थानीय निकायों के विकास को गति देने के लिए कई अभिनव पहल की हैं। वित्तीय विकेंद्रीकरण की दिशा में आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिल रही है। राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड़ ने बताया कि इस अवसर पर दुबई में पिछले 75 वर्षों से राजस्थान मूल के लोगों की सहायता कर रहे श्री वासु श्रॉफ, तथा बीएनडब्ल्यू डेवलपर्स के मालिक एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट अंकुर अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'प्रवासी सम्मान अवार्ड–2025' से सम्मानित किया गया। आरबीपीजी अध्यक्ष हरिकिशन रांकावत ने कहा कि डॉ. अरुण चतुर्वेदी को समाज कल्याण, शिक्षा और सुशासन के क्षेत्र में उनके समर्पण के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम में दुबई में भारत के कॉन्सुल जनरल सतीश शिवन, आरबीपीजी चेयरमैन लालाराम, बोर्ड डायरेक्टर डॉ. केसर कोठारी, उपाध्यक्ष डॉ. रोमित पुरोहित सहित संगठन के सभी ट्रस्टी एवं लगभग 1200 प्रवासी राजस्थानी डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट और उद्योगपति परिवार उपस्थित रहे।

राजस्थान अध्ययन दल ने डेनमार्क में मनीष प्रभात से की मुलाकात

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। किसानों की क्षमता वृद्धि के लिए नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के तहत पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के नेतृत्व में पंचायती राज व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, पशुपालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित प्रदेश के 38 प्रगतिशील किसानों का दल तीन मंत्रियों के नेतृत्व में इन दिनों डेनमार्क दौरे पर है। डेनमार्क में यह दल वहां कृषि और पशुपालन की नई तकनीकों और नवाचारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहा है।

अध्ययन दल ने डेनमार्क प्रवास के दौरान भारत के राजदूत मनीष प्रभात से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों पक्षों के बीच कृषि, पशुपालन, जल प्रबंधन और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में आपसी सहयोग एवं ज्ञान–विनिमय पर विस्तृत चर्चा हुई।

अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन प्रक्रिया शुरू

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग ने अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही अंता विधानसभा क्षेत्र में रिटर्निंग अधिकारी की ओर से सार्वजनिक सूचना जारी की गई है और उम्मीदवारों के लिए नामांकन की प्रक्रिया सोमवार 13 अक्टूबर से ही शुरू हो गई है। पहले दिन इंडियन नेशनल कांग्रेस की तरफ से प्रमोद जैन ने नामांकन पत्र दाखिल किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है। नामांकन–पत्र अंता के रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से 3 बजे के बीच प्रस्तुत किए जा सकेंगे। रविवार 19 अक्टूबर एवं 20 अक्टूबर को दीपावली का सार्वजनिक अवकाश होने के कारण नामांकन दाखिल नहीं किए जा सकेंगे। नामांकन–पत्रों की संवीक्षा गुरूवार 23 अक्टूबर को होगी और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख सोमवार 27 अक्टूबर तय की गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार, अंता विधानसभा क्षेत्र के लिए आवश्यक होने पर मतदान 11 नवम्बर को होगा। मतदान की प्रक्रिया सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे संपन्न होगी। 14 नवम्बर को मतों की गिनती की जाएगी। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, उपचुनाव की समस्त प्रक्रिया 16 नवम्बर तक पूरी होगी।

महाजन ने बताया कि नामांकन के समय अभ्यर्थी सहित अधिकतम 5 व्यक्तियों को रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में प्रवेश की अनुमति होगी। कार्यालय परिसर के 100 मीटर की परिधि में एक अभ्यर्थी केवल 3 वाहनों के साथ प्रवेश कर सकेंगे। अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में पूर्ण भरा हुआ नामांकन–पत्र और शपथ–पत्र प्रस्तुत करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने बताया कि अंता विधान सभा उपचुनाव–2025 की निगरानी के लिए 12 स्टेटिक सर्विलांस टीम और 12 उड़न दस्ते तैनात किए हैं। क्षेत्र में चेक पोस्टों का निर्माण कर दिया गया है, जहाँ डडढ(स्थैतिक निगरानी दल) दलों द्वारा वाहनों की सतत चौकिंग की जा रही है। उड़न दस्तों द्वारा भी आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन एवं अवैध गतिविधियों की शिकायत पर तत्काल संबंधित स्थल पर जाकर कार्यवाही की जा रही है। व्यय अनुवीक्षण तंत्र द्वारा राजनैतिक दलो एवं अभ्यर्थीयों द्वारा चुनाव प्रचार एंव अन्य गतिविधियों पर किये जाने वाले समस्त व्यय पर सघन निगरानी रखी जा रही है। अब तक लगभग 35 लाख रूपए की जब्ती की जा चुकी है।

पूरन कुमार के परिजनों से मिले दीपेंद्र हुड्डा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

चंडीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सीनियर आईपीएस वाई. पूरन कुमार सुसाइड केस को लेकर सियासी हलचल तेज होती जा रही है। एक–एक कर सभी राजनीतिक दलों के नेता आईपीएस वाई. पूरन कुमार के परिजनों से मिलने चंडीगढ़ पहुंच रहे हैं और मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस क्रम में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह घटना दुखदाई है। देश में डरावना माहौल बना हुआ है। एक सीनियर आईपीएस अधिकारी को ऐसे हालातों में लाया जाता है कि उनको आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह मामला सबसे गंभीर है। जिस तरह से लोगों पर आरोप लगाया जा रहा है वह सोचने वाली बात है। इसकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की जाए जिससे आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। जब परिवार जांच से संतुष्ट होगा तभी मामले की सही जांच हो पाएगी।

सरकार पर निशाना साधते हुए दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इस मामले में बड़े अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। इसलिए भी इसकी जांच को कोई प्रभावित न कर पाए इसका विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। प्रदेश में वरिष्ठ आईपीएस के आत्महत्या करने पर सरकार को जवाब देना चाहिए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस वाई पूरन कुमार के परिवार के साथ खड़ी है। कांग्रेस पार्टी सरकार से मांग करती है कि जल्द से जल्द जांच कराकर आरोपियों को गिरफ्तार करें। कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार की तरफ से निष्पक्ष जांच होगी तभी लोगों का विश्वास सरकार पर बना रहेगा, अभी तक जो जांच हुई है उससे किसी को संतुष्टि नहीं मिली है।इससे पहले रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आईपीएस की पत्नी को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने आईपीएस पूरन कुमार आत्महत्या मामले को लेकर परिवार को ढांढस बंधवाया और घटना की निंदा भी की थी।

वाई पूरन कुमार प्रकरण

कांग्रेस और बसपा ने किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा गया ज्ञापन

चंडीगढ़/यमुनानगर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस के एडीजीपी वाई पूरन कुमार की कथित आत्महत्या के मामले ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। प्रदेशभर में इस प्रकरण को लेकर कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई न होने से दोनों दलों ने सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, रेणु बाला के नेतृत्व में रैली यमुनानगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। साडोरा से विधायक रेणु बाला, जिला शहरी कांग्रेस प्रधान देवेंद्र सिंह और जिला ग्रामीण प्रधान नरपाल सिंह गुर्जर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अनाज मंडी से जिला सचिवालय तक रैली निकाली।सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए और वाई पूरन कुमार को न्याय दिलाने की मांग की।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह मामला सिर्फ एक अधिकारी की आत्महत्या का नहीं बल्कि प्रशासनिक अत्याचार और जातिवादी मानसिकता का उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दोषियों को बचाने में लगी है और निष्पक्ष जांच से बच रही है।

रेणु बाला ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही इस मामले की सीबीआई जांच नहीं कराई तो कांग्रेस राज्यव्यापी आंदोलन करेगी। इसी बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी यमुनानगर में जिला सचिवालय के सामने धरना–प्रदर्शन किया।पूर्व प्रत्याशी साडोरा के नेतृत्व में बसपा कार्यकर्ताओं ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिला उपायुक्त को सौंपा।

नायब सिंह सैनी शेर–ए–पंजाब महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित

चंडीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को आज ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन की ओर से प्रतिष्ठित शेर–ए–पंजाब महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनके प्रेरणादायी नेतृत्व, सामाजिक सौहार्द के प्रति प्रतिबद्धता और हरियाणा के सिख समुदाय के कल्याण के लिए किए गए सतत प्रयासों की सराहना स्वरूप प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ के सेक्टर 18 स्थित टैगोर थियेटर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायी और हृदयस्पर्शी है। जब हम हिंद की चादर नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर आधारित पुस्तक के विमोचन के साक्षी बने हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक डॉ. इकबाल सिंह लालपुरा द्वारा लिखित हिंदी पुस्तक तिलक जंजू का राखा का विमोचन किया। यह पुस्तक सिखों के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, यात्राओं और अद्वितीय सर्वोच्च बलिदान का गहन शोधपूर्ण वृत्तांत है।

नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के इतिहास में श्री गुरु तेग बहादुर जी, एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने मानवता की रक्षा और धर्म की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए। जिस समय भारत में औरंगजेब का शासन था और हालात इतने नाजुक थे कि गुरु गद्दी पर बैठना शहंशाह से शत्रुता मोल लेना था। ऐसे संकट के समय में श्री गुरु तेग बहादुर जी ने निर्भीकता का परिचय देते हुए गुरु पद पर सेवा करना स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब औरंगजेब अपने ज़ोर–जुल्म के बल पर हिंदुओं को मुसलमान बनाने पर तुला था। उसने हिंदुओं के मंदिर ध्वस्त कर देने के आदेश जारी किए और नए मंदिरों के निर्माण पर पाबंदी लगा दी। जब कश्मीरी पंडितों को इस अन्याय का सामना करना पड़ा तो वे अपने धर्म की रक्षा के लिए श्री गुरु तेग बहादुर जी की शरण में आए। उनकी व्यथा सुनकर गुरु जी ने कहा कि यदि कोई महापुरुष अपना बलिदान दे तभी आपका धर्म बच सकता है। यह सुनकर 9 वर्ष के बालक गोबिंद राय (श्री गुरु गोबिंद सिंह जी) ने कहा कि 'पिता जी, आपसे बड़ा महापुरुष और कौन हो सकता है। आप अपना ही बलिदान क्यों नहीं देते।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपने पुत्र की बात सुनकर पंडितों से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि, 'यदि गुरु तेग बहादुर इस्लाम स्वीकार कर लें तो हम सब स्वत: ही इस्लाम स्वीकार कर लेंगे'। हिंदू धर्म की रक्षा के लिए 11 नवम्बर, 1675 को श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपना शीश कुर्बान कर दिया। उन्होंने शीश दे दिया पर धर्म नहीं छोड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब औरंगजेब ने दिल्ली के चांदनी चौक में श्री गुरु तेग बहादुर जी का शीश कलम करवा दिया था तो भाई जैता ने उनके शीश को श्री आनन्दपुर साहिब ले जाने का संकल्प लिया। जब मुगल सेना भाई जैता का पीछा कर रही थी तो उन्हें जिला सोनीपत के बढ़खालसा गांव में कुशाल नाम का एक गुरु शिष्य मिला। उसने भाई जैता को कहा कि मेरी शक्ल गुरु जी से मिलती है। इसलिए आप मेरा शीश उतारकर मुगल सेना को सौंप दें। इस तरह कुशाल ने अपना शीश कलम करवा दिया और भाई जैता गुरु जी का शीश श्री आनन्दपुर साहिब ले जाने में सफल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश वर्ष को देशभर में मनाया गया।

लालू परिवार पर आरोप तय होने से गरमाई सियासत, तेजस्वी बोले–

भाजपा के खिलाफ लड़ता रहूंगा

पटना (एजेंसियां)। आईआरसीटीसी घोटाला में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव पर राउज और एवेन्यू कोर्ट में आरोप तय होने के मामले पर बिहार में सियासत गरमा गई है। आईआरसीटीसी घोटाले में तेजस्वी यादव ने कहा कि हम इस मामले में लड़ाई लड़ेंगे। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, ऐसे-ऐसे मामले सामने आएंगे। हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं और इस केस को लड़ेंगे। बिहार की जनता समझदार है, उन्हें सब पता है कि क्या हो रहा है। यह सब राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। जिस व्यक्ति ने रेलवे को 90 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा दिलाया, जिसने हर बजट में किराया घटाया, जो ऐतिहासिक रेल मंत्री रहे। उसी व्यक्ति को आज निशाना बनाया जा रहा है। हार्वर्ड और आईआईएम के छात्र लालू जी से मैनेजमेंट सीखने आते थे। उन्हें 'मैनेजमेंट गुरु' कहा जाता है। बिहार और देश की जनता सच्चाई जानती है। जब तक मैं जिंदा हूं, भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहूंगा।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। जदयू के मुख्य प्रवक्ता कहां कि लालू परिवार पर 420 और 120 बी का आरोप लगना स्वाभाविक है। लाल यादव ने अपने बड़े भाई के परिजन को नौकरी दी और फुलवरिया में जमीन बिकवा दिया। और राबड़ी देवी के चाचा के परिवार को नौकरी दिया तो भी जमीन लिखवा ली। नीरज कुमार ने कहा कि यह तो स्वाभाविक प्रक्रिया है यह न्याय हुआ है। अब लालू परिवार की दुर्गति निश्चित है।

एमएलसी नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव से सवाल पूछा कि अगर आपका नाम पर संपत्ति थी तो अपने इसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया? न्यायपालिका को आप चुनाव से जोड़ रहे हैं तो आपके वकील ने जिरह क्यों नहीं किया? आपके घटक दल के लोग टाइमिंग पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन, लेकिन आपने घोटाला करके जितनी संपत्ति अर्जित की उसके बारे में क्यों नहीं बता रहे हैं। आज कोर्ट ने फिर से न्याय किया है। वह भाजपा प्रवक्ता इस देश का कानून सबसे ऊपर है। कोई कितनी बड़ी भी हस्ती हो कानून सबके लिए बराबर है। आज उन पर आरोप भी तय किए गए हैं, वह न्याय हुआ है। बिहार की जनता ऐसे परिवारवादी, वंशवादी, भ्रष्टाचारी परिवार को बिहार में दोबारा सत्ता में नहीं देखना चाहती। हम मांग करते हैं कि उन्हें करी से करी सजा दी जाए।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) घोटाले से संबंधित एक मामले में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय किए हैं। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने इस मामले में सोमवार को यह आदेश पारित किया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि लालू यादव, जो 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे, ने अपनी स्थिति का दुरुपयोग करते हुए निजी कंपनी सुजाता होटल्स को रांची और पुरी में दो आईआरसीटीसी होटलों के पट्टे के लिए अनुचित तरीके से ठेके दिए।

सीट बंटवारे पर कुशवाहा ने शायराना अंदाज में जताई नाराजगी, कहा–

आज बादलों ने फिर साजिश की है

पटना (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीट बंटवारे के बाद अब राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की प्रतिक्रिया सामने आई है। उनकी बातों से स्पष्ट लग रहा था कि गठबंधन में छह सीटें मिलने के बाद वह खुश नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने कार्यकर्ताओं से पहले क्षमा मांगी है।

इसके बाद कहा कि आप सभी से क्षमा चाहता हूं। आपके मन के अनुकूल सीटों की संख्या नहीं हो पायी। मैं समझ रहा हूं, इस निर्णय से अपनी पार्टी के उम्मीदवार होने की इच्छा रखने वाले साथियों सहित हजारों-लाखों लोगों का मन दुखी होगा। इतना ही नहीं इस पोस्ट के बाद कुशवाहा ने शायराना अंदाज में एनडीए गठबंधन से अपनी नाराजगी भी जताई है। कहा कि आज बादलों ने फिर साजिश की है। जहां मेरा घर था, वहीं बारिश भी की है। कुशवाह ने सीट बंटवारे का फैसला लेने वाले को संदेश देते हुए लिखा कि अगर फलक को जिद है बिजलियां गिराने की, तो हमें भी जिद है वहीं पर आशियाना बसाने की। अब कुशवाहा के इन पंक्तियों की चर्चा सियासी गलियारे में खूब हो रही है।

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि सीट बंटवारे की घोषणा के बाद कई घरों में खाना नहीं बना होगा। लेकिन, आप सभी मेरी एवं पार्टी की विवशता और सीमा को बखूबी समझ रहे होंगे। किसी भी निर्णय के पीछे कुछ परिस्थितियां ऐसी होती हैं जो बाहर से दिखतीं हैं मगर कुछ ऐसी भी होती हैं जो बाहर से नहीं दिखतीं। हम जानते हैं कि अन्दर की परिस्थितियों से अनभिज्ञता के कारण आपके मन में मेरे प्रति गुस्सा भी होगा, जो स्वाभाविक भी है। आपसे विनम्र आग्रह है कि आप गुस्सा को शांत होने दीजिए, फिर आप स्वयं महसूस करेंगे कि फैसला कितना उचित है या अनुचित। फिर कुछ आने वाला समय बताएगा। फिलहाल इतना ही।

उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी ने पिछली बार एनडीए होकर एनडीए के खिलाफ 99 प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारे थे। नतीजतन एक भी खाता भी नहीं खुल पाया था। इस बार उनकी पार्टी को एनडीए ने छह सीटें दी हैं, जिसमें सासाराम, उजियारपुर, दिनारा, मधुबनी, बाजपट्टी और महुआ की सीटें शामिल हैं। जीतन राम मांझी की तरह उपेन्द्र कुशवाहा भी 24 सीटों की दावेदारी कर रहे थे। वह इससे कम सीटें लेने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दखल के बाद चिराग पासवान के साथ-साथ जीतन राम मांझी और उपेन्द्र कुशवाहा भी मान गए।

निकाह के तीन माह बाद युवक की पीट-पीटकर हत्या, शव स्कूल परिसर में फेंका

सिकटा (एजेंसियां)। निकाह के करीब तीन माह बाद बेहरा पंचायत के झुमका वार्ड नंबर चार निवासी खलिकू जमा के पुत्र वाहिद जमा उर्फ लालबाबू(23 वर्ष) की हत्या पीट-पीटकर अज्ञात अपराधियों ने बीती रात कर दी। सोमवार की सुबह उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरिसिया के परिसर से पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल बेतिया भेज दिया है।

युवक के शरीर पर पिटाई के ढेरों जख्म मिले हैं। घटना की सूचना मिलते ही नरकटियागंज एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह, मैनाटांड़ पुलिस अंचल के इंस्पेक्टर राजीव कुमार व थानाध्यक्ष नीतीश कुमार मौर्य जांच के लिए पहुंचे। एसडीपीओ ने बताया कि मृतक के कंधा, पैर, चेहरा पर पिटाई का गहरा जख्म है। उसके हाथ पर दांत से काटने का निशान मिला है। घटना के बाबत मृतक के पिता खलिकू जमा व उसकी बहन पूछताछ की जा रही है। दोनों का बयान अलग-अलग है।

अभी तक हत्या के कारण का पता नहीं चला है। ऐसा प्रतीत होता है कि पीट-पीटकर हत्या करने के बाद शव को लाकर स्कूल परिसर में फेंका गया है। मृतक के स्वजन ने अभी तक कोई लिखित आवेदन नहीं दिया है। आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। हत्या के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा।

पुलिसिया पूछताछ में मृतक के पिता ने बताया है कि उसका पुत्र रात में बेतिया था। जबकि मृतक के बहन ने बताया कि रात करीब साढ़े आठ बजे वह घर आया था। वह किसी दोस्त से मिलने की बात बताकर घर से निकला था।

सुबह में हल्ला हुआ कि सिरिसिया हाई स्कूल में शव पड़ा हुआ है। देखने पहुंची तो वह मेरे भाई का शव था। मृतक चार बहन व तीन भाइयों में छठे नंबर का संतान था। इससे एक छोटी बहन भी है।

दंग कर देने वाला खुलासा

दीवाली के नाम पर चुनाव से पहले बारूद के ढेर पर पटना को बैठाने की थी तैयारी!

पटना (एजेंसियां)। पुलिस ने आतिशबाजी बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, एक देशी पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि पिछले 40 घंटे के दौरान शहर के पश्चिमी क्षेत्र में चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन जखीरा' के तहत ये बरामदगी और गिरफ्तारियां की गई। पटना (पश्चिम) के पुलिस अधीक्षक भानु प्रताप सिंह ने बताया,

'पुलिस ने बेऊर और आईआईटी अमहारा थाना क्षेत्रों में समन्वित छापेमारी के दौरान एक वाहन, एक देशी पिस्तौल, तीन कारतूस और 392 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री जब्त की है, जो संभवतः आतिशबाजी बनाने के लिए रखी गई थी।'

उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। भानुप्रताप सिंह ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर एक विशेष पुलिस दल का गठन किया गया, जिसने दोनों स्थानों पर छापेमारी कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा जारी बयान में बताया गया कि बेऊर थाना क्षेत्र में बिशुनपुर पकरी निवासी मुकुंद कुमार उर्फ मुकेश कुमार को वाहन, देशी पिस्तौल और तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ रुपसपुर थाना में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वहीं, आईआईटी अमहारा थाना क्षेत्र के तरनागर गांव में शनिवार रात चार लोगों मोहम्मद अरमान आलम (37), मोहम्मद राजा (31), मोहम्मद आफताब उर्फ अली इमाम (20) और मोहम्मद सोनू आलम उर्फ प्याजू (35) को विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया। इन चारों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023, विस्फोटक अधिनियम, 1908 और कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि विस्फोटक सामग्री के स्रोत तथा संभावित उपयोग का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

कटिहार में महागठबंधन की दो पूर्व विधायक आ गईं आमने-सामने, घंटों चला हाईवाल्टेज ड्रामा

कटिहार (एजेंसियां)। कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र में ही महागठबंधन के दो पूर्व महिला विधायक आमने-सामने आ गईं और उनके बीच जमकर तू-तू मैं-मैं हुई। नोकझोंक का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में कांग्रेस की पूर्व विधायक पूनम पासवान और सुनीता देवी बहस करती नजर आ रही हैं। वहीं स्थानीय युवक हल्ला मचा रहे हैं। कांग्रेस समर्थकों का कहना था कि सर्वे किया जा रहा है। गांव-गांव जाकर जांच करनी चाहिए।

दरअसल, महागठबंधन में टिकट को लेकर कई नेत्री और नेता ताल ठोक रहे हैं। इसी बीच रविवार को पूनम पासवान कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं को लेकर कोढ़ा के बिशहरिया गांव बहियार पहुंची थीं। यहां एक घर के आंगन बैठकर बातचीत कर रही थीं। इस बात की जानकारी पाकर गांव के कुछ युवक इकट्ठा हो गए और पूनम पासवान का विरोध जताने लगे कि गुपचुप तरीके कांग्रेस के चुनावी सर्वेयर से कार्य कराया जा रहा है।

इसके कुछ ही देर बाद कांग्रेस से टिकट की एक दावेदार नेत्री सह पूर्व विधायक सुनीता देवी भी अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंच गईं। चौकी के दो किनारे बैठकर महागठबंधन की दोनों पूर्व विधायक के बीच तू-तू मैं-मैं शुरू हो गई। प्रत्याशी का ऐसा व्यवहार देख ग्रामीण दुखी हो गए और हल्ला मचाया। विरोध देखकर पूर्व विधायक पूनम पासवान चली गईं जबकि सुनीता देवी वहीं जमी रहीं।

कोढ़ा की पूर्व विधायक पूनम पासवान ने कहा कि बूथ कमेटी गठन को लेकर हम क्षेत्र में थे। बीमार पड़े पवन जयसवाल के स्वास्थ्य का हाल लेने गए थे। इसी बीच पटना से आए कथित सर्वेयर पहुंच गए। इस बारे में मुझे विशेष जानकारी नहीं है। इसी बीच पूर्व विधायक सुनीता अपने समर्थकों के साथ आ धमकीं और तरह-तरह का आरोप लगा विवाद करने लगीं।

पूर्व विधायक सुनीता देवी ने बताया कि सर्वेयर को लेकर पूनम पासवान गलत और गुपचुप तरीके से काम कर रही थीं। अपने समर्थकों की सूचना पर मैं वहां पहुंची थी। वहां पहुंचकर जब सवाल-जवाब करने लगी तो पूर्व विधायक पूनम पासवान तरह-तरह का बहाना बनाते हुए कहने लगीं कि ले जाइए अपने सर्वेयर को, हमको कोई मतबल नहीं है।

चुनावी मैदान में सुशांत सिंह राजपूत की बहन, माले ने दीघा से उम्मीदवार बनाया

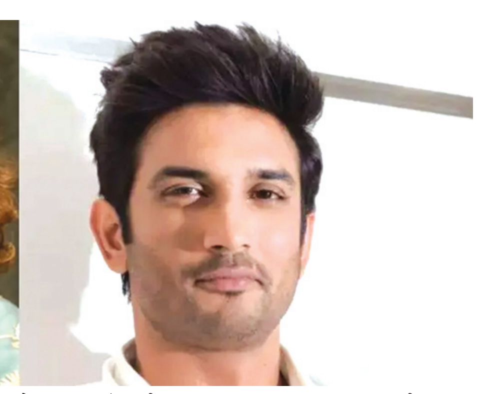

पटना (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति एक और दिलचस्प मोड़ पर आ गई है। महागठबंधन में अभी सीटों का बंटवारा होना बाकी है, लेकिन उससे पहले ही माले ने प्रत्याशियों की घोषणा शुरू कर दी है। माले ने अपनी उम्मीदवारों को सिंबल तक देना शुरू कर दिया है। माले के उम्मीदवारों में सबसे अहम नाम है सुशांत सिंह राजपूत की ममेरी बहन (कजन) दिव्या गौतम का।

दिवंगत अभिनेता सुशांत राजपूत की बहन को माले ने दीघा से उम्मीदवार बनाया है। दिव्या गौतम के अलावा, घोषी सीट से रामबली सिंह को भी टिकट मिल गया है।

दूसरी ओर, तरारी से नए चेहरा मदन सिंह चंद्रवंशी को उम्मीदवार बनाया है तो आरा से क्यामुद्दीन अंसारी पर पार्टी ने एक बार फिर भरोसा जताया है। पालीगंज से विधायक संदीप सौरभ को तो अगियांव सुरक्षित सीट से शिवप्रकाश रंजन को प्रत्याशी बनाया गया है।

वहीं, पीटीआई से बातचीत में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी के कम से कम 18 सीट पर चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है, जबकि कुछ और सीट के लिए बातचीत जारी है।

भट्टाचार्य ने कहा कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार मंगलवार से नामांकन दाखिल करना शुरू कर देंगे, हालांकि महागठबंधन ने अभी तक सीट बंटवारे के बारे में औपचारिक घोषणा नहीं की है।

दूसरी ओर, भाकपा ने भी छह उम्मीदवारों को नामांकन के लिए सिंबल दे दिया है और इनका चुनाव लड़ना अब तय हो गया। इसके लिए जिला कमेटियों ने भी संबंधित उम्मीदवारों के नाम पर सहमति देते हुए अनुशंसा राज्य सचिव मंडल को भेज दिया है। पार्टी के मुताबिक, निवर्तमान विधायक रामरतन सिंह को तेघड़ा और सूर्यकांत पासवान को बखरी से टिकट दिया है।

इसी तरह पूर्व विधान पार्षद संजय कुमार यादव को बांका, पूर्व सांसद एवं विधायक अवधेश कुमार राय को बछवाड़ा, रामनारायण यादव को झंझारपुर और राकेश कुमार पाण्डेय को हरलाखी से उम्मीदवार बनाया है।

ये सीटें महागठबंधन में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को मिली है। इसके अतिरिक्त पार्टी ने गोह, बेलदौर और केसरिया सीट पर चुनाव लड़ने की मांग कर रखी है।

घर की खिड़की तोड़ी, फिर दादी और तीन साल की बच्ची को जंगली हाथी ने मार डाला

कोयंबटूर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कोयंबटूर में कंपा देने वाली घटना सामने आई है। जंगली हाथी ने एक बुजुर्ग महिला और उसकी तीन साल की पोती को कुचलकर मार डाला। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गहरा शोक है। यह घटना कोयंबटूर के वालपराई में हुई। कोयंबटूर के इस इलाके में जंगली हाथी द्वारा लोगों को मारने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले इसी साल मई महीने में जंगली हाथी ने इसी तरीके से एक महिला को मार डाला था। तब यह घटना वालपराई से 25 किलोमीटर की दूरी पर हुई थी। उसे महिला की उम्र 77 साल थी।

जानकारी के अनुसार कोयंबटूर के वालपराई स्थित एक बागान बस्ती में सोमवार तड़के एक जंगली हाथी के हमले में एक महिला और उसकी पोती की मौत हो गई। यह घटना वाटरफॉल एस्टेट क्वार्टर में तड़के करीब 3.30 बजे हुई।

मृतकों की पहचान असला (55) और उनकी तीन साल की पोती हेमश्री के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार हाथी ने उनके घर की खिड़की तोड़ दी जब परिवार सो रहा था। भागने की कोशिश में असला ने बच्ची को उठाया और दरवाजा खोला, लेकिन हाथी उन पर टूट पड़ा।

वन अधिकारियों और पुलिस ने हाथी को वापस जंगल में खदेड़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं और इलाके में सतर्कता बढ़ा दी है।

अधिकारियों की मानें तो हाथी ने असला को जमीन पर गिरा दिया और हेमश्री को कुचल दिया, जिससे उसकी तुरंत मौत हो गई।

गंभीर रूप से घायल असला को वालपराई सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां बाद में उसकी मौत हो गई। शवों को अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है। तमिलनाडु ही नहीं बल्कि चार दिन पहले छत्तीसगढ़ के भी जंगली हाथी को आंतक सामने आया था। एक महिला की मौत हो गई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com